HRA की राजपत्र The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34]

मई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 22, 1987 (श्रावण 31, 1909)

No. 341

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 22, 1987 (SRAVANA 31, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III ---खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च स्वायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेशा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the [Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by attached and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन ऋधिनियम

नई दिल्ली-110003, दिनांक 22 जुलाई 1987

नियुक्ति

र्सं० ए०-11/9/87---उप-निवेशक एतद्द्वारा श्री एन० पी० सेशन की इस निवेशालय के विल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में 1-6-87 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रावेशों तक स्थानापन्न प्रवर्तन श्रीवकारी के रूप से नियुक्त करते हैं।

विनांक 23 जुलाई 1987

सं॰ ए॰-11/29/76---प्रवर्तन निवेशक एतद्वारा श्री एस॰ एल॰ जे॰ गल्लायोत को इस निवेशालय के मद्रास क्षेत्रीय कार्यालय में 27-4-87 (पूर्वाह्र) से झगले श्रावेशों तक स्थानापन्न मुख्य प्रवर्तन प्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

काली चरण, मुक्य प्रथर्तन अधिकारी (प्रणासन) कृते-निदेशक केन्द्रीय प्रत्येषण न्यूरो

नई विल्ली-110003, दिनांक 29 जुलाई 1987

मं० एस०-184/67-प्रणासन-5--राष्ट्रपति ने श्री एस० एन० तिबारी, वरिष्ठ लोक श्रीभयोजक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो को 29-6-87 पूर्वाह्म मे केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में, उप विधि सलाहकार के रूप में नियक्त किया है।

मं० 3/17/87-प्रशासन-5—निरेगण, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो श्रौर पुलिस महानिरीक्षक, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना एतद्दारा श्री विनोद कुमणर शर्मा को 29-6-87 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक तक केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में ग्रस्थायी तौर पर लोक ग्राभयोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

प्रताप नारायण श्रायं, प्रशासन ग्रधिकारी (लेखा०), के० ग्र० ब्यूरो

गृह मंत्रालय

पुलिस ग्रनुसंधान एव विकास ब्यूगे नई विल्ली-110003, विनोक 28 जुलाई 1987

मं० 18/8/85-प्रशा० II——स्यूरो की समसंख्यक श्रधि-सूचना दिनांक 3-9-1985 के कम में श्री मी० बी० सुधाकर राव पुलिस उपाधीक्षक (म्रनुदेशक) केन्द्रीय गुट्सचर प्रशिक्षण स्कृत हैदराबाद की प्रतितियुक्ति की सबिध 1-6-86 से 1-8-88 तक 2 वर्षों के लिए पूर्व निर्धारित शर्तों के सनुसार बढ़ाई जाती है।

सं० 18/4/86-प्रशा०-II— स्यूरो की समसंख्यक प्रधि-सूचना दिनांक 1-5-8 के कम में श्री एम वी० नरसिम्हा रेड्डी पुलिस उपाधीक्षक (श्रनुदेशक) केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद की प्रतिनियुक्ति की ग्रविध 31-1-87 से 31-1-89 तक 2 वर्षों के लिए पूर्व निर्धारित शर्तों के भनु-सार बढ़ाई जाती है।

सं 0 18/6/87-प्रशा । II—माध्य प्रदेश पुलिस के निरीक्षक की जी एच रामदास को केन्द्रीय गुन्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद में पुलिस उपाधीक्षक (ग्रनुदेशक) के पद पर 7-7-87 (पूर्वाह्म) से प्रथम दृष्टान्त में एक वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 18/11/85-प्रशा० II — स्यूरो भी समसंख्यक ग्रिष्ठ-सूवना दिनाक 16-8-85 के कम में श्री जे० स्वामी राव पुतिन उराधोशक (भनुदेशक) केन्द्रीय गुध्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैवराबाद की प्रतिनियुक्त की सर्वधि 14-6-86 (श्रपराह्न) से 14-6-88 तक 2 वर्षों के लिए पूर्व निर्धारित शर्तों के भनुसार बढ़ाई जाती है।

सं० 18/13/85-प्रणा० II—स्यूरो की समसंख्यक ग्रिय-सूचना दिनांक 3-9-85 के कम में श्री बी० वासुदेव रेड्डी पुलिस उपाधीक्षक (भनुदेशक) केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद की प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि 20-6-86 से 19-6-88 तक 2 वर्षों के लिए पूर्व मिर्धारित शतों के भनुसार बढ़ाई जाती है।

बिनांक 30 जुलाई 1987

सं० 18/7/87-प्रशा० II—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के इन्स्पैनटर श्री बलवंत सिंह बेदी को 22 जुलाई, 1987 (पूर्वाह्म) से प्रथम रूष्टांत में पुलिस धनुसंधान एवं विकास क्यूरों सें पुलिस उपाधीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति भाधार पर नियक्त किया जाता है।

धार० एस० सहाय, उपनिवेशक

महािवेशालय के० रि० पु० बल

नई बिल्ली-110003, दिनांक 27 जुलाई 1987

सं०ए० छ: सात 86/स्थापना-J—राष्ट्रपति, श्री सुरेश चन्द्र पाण्डे (एस० एस० सी० ग्रो०) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में पुलिस उप अधीक्षक/कम्पनी-कमांडर पद पर दिनांक 18-7-1987 (पूर्वाङ्ग) से ग्रस्थाई रूप में भगले भावेश तक के लिए सहर्ष नियक्त करते हैं। इन्हें 16 बटा० के० रि० पु० बल में उसी तिथि से तैनात किया जाता है। सं० ग्रो० दो० 2356/87-स्था०-I—-राष्ट्रपति, श्री पी०रसः वावा, भारतीय पुलिस सेवा ग्रिधिकारी, यू० टी० कैंडर को प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक (प्रशासन), महा-निद्रेशालय, के० रि० पु० वल में सहर्प नियुक्त करते हैं।

2. श्री पी० एस० बावा ने उप निदेशक (प्रशासन) महानिदेशालय, के० रि० पु० बल, नई दिल्ली के पद का कार्य-भार दिनांक 17 जुलाई 1987 (पूर्वाह्म) को सम्भाल लिया।

विनांक 28 जुलाई 1987

सं० श्री० एफ़-48/86-स्थापना-1—श्री श्री० एस० मोसेस, पुलिस उप श्रधीक्षक की सेवाएं एस० पी० जी० (कैबीनेट सेक्रेक्ट्रेट) भारत सरकार, नई दिल्ली को प्रति-नियुक्ति ब्राधार पर दिनांक 7-7-1987 (ब्रपराह्न) से सोंपी जाती हैं।

> भ्रमोक राज महीपति, सहायक निवेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

मई दिस्सी-110003, दिनांक 29 जून 1987

सं० ६०-16014(2) 5/87-कार्मिक-1/1153-प्रति त्युक्ति पर नियुक्त होने पर, श्री रमेग चन्त्र, प्रहायक कमांडेंट, कै० रि० पु० ब० में 6 जून, 1987 के पूर्वाह्न से के० ग्री० सुब यूतिट, एम० पी० टी० गोवा के कमांडेट के पद का कार्यभार संभास लिया।

> सुनील कृष्ण, ॅसहायकं महानिरीक्षक/कार्मिक

मई बिल्ली-110003, दिनांक 22 जुलाई 1987

सं० ई० 16014(1)/6/79-कार्मिक-I/70—राष्ट्रपति, श्री एस० एस० किरपेकर, कमोडेंट को 1 जुलाई, 1987 के पूर्वाह्न से ३० 5100-150-5400-(18वें वर्ष या उसके बाद)-150-6150 के वेतनमान में बिना बिशेष बेतन के उप-महानिरीक्षक के० भो० सु० ४० यूनिट, एष० ई० सी० रांची के रैंक में प्रोक्तत करते हैं।

सं० ई ०-16014(2)/7-87-कामिक-/71—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप, श्री जी० एस० एल० सक्सेना, सहायक कमौडेन्ट के० रि० पु० ब०, ने 2 जुलाई, 1987 के पूर्वाह्न से के० ग्रो० सु० ब० यूनिट, सी० सी० डब्स्यू० ग्रो०, धनवाद के कमांडेन्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> इन्द्रजीत नागिया सहायक महानिरीक्षक/कार्मिक

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 जुलाई 1987

सं० 11/6/86-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, श्री गस्पर ब्रिट्टो, उप गिदेशक (मार्थिक श्रीर सांख्यिकी), पांडिचेरी सरकार, को प्रथमत: 3 जुलाई, 1987 के पूर्वाह्न से 29 फरवरी, 1988 तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के श्राधार पर जनगणना निदेशक का कार्यालय, पांडिचेरी में उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर नियुक्त करते हैं। प्रतिभियुक्ति की श्रवधि श्रधिकतम 3 वर्ष तक या श्रगले श्रादेशों तक बढ़ाई जा सकती है।

2. बी ब्रिष्ट्रें का मुख्यालय पोडिचेरी में होगा ।

बी० एस० वर्मा, भारत के महारजिस्ट्रार

विता मंत्रालय

न्नाधिक कार्य विभाग वैंक नोट मुद्रणालय, देवास प०प्र० देवास, दि:ांक 28 जुलाई 1987

सं नस्ती कि बी ए १० पी ० /सी ० / 5 / 87-ि म लिखित स्थायी उत्कीर्गकों को "कलाकार, श्रिभकल्पक एवं उत्कीर्गक" के पदों पर पुरिक्षित वेतामान रु० 2000-60-2300-द० रो -75-3200-100-3500 (समूह "ख" राजपित्रत) में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में दिनांक 21-1-87 (पूर्वाह्र) से श्रन्य श्रागामी भाषेगों तक स्थानापत्र रूप से नियमित श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

मनु० ५० मधिकारीकानाम

- 1. श्रीबी० टी० जाधव
- 2. श्री ग्रार० ग्रार० दाण्डेकर
- श्री एं० जान्कीरामलू (भ्रजा)

मु० वै० चार, महाप्रवन्धक

कार्यालय महालेखाकार लेखा एवं हकदारी प्रथम (म०प्र०) ग्वालियर, दिनांक 14 जुलाई 1987

सं क्रमांक प्रशासन एक/पी० एफ०/बी० एच० सी०/634 'ए'—कार्यालय से महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम मा प्रवासियर के श्री बी० एच० चौधरी (01/333) स्थानापन्न लेखा श्रधकारी श्रपनी अधिवारिता श्रायु के कारण दिनांक 31-10-87 श्रपराह्म को केन्द्रीय सेवा से निवृत्त होंगे।

(प्राधिकार-महालेखाकार) ले० एवं हक०. (प्रथम के भावेश दिलाक 11-7-87)।

> ह० अपटनीय बरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, उड़ी ता

भूवनेश्वर, विनांक 15 मई 1987

सं स्था भा सं-11--महालेखाकार (क्षे पः) प्रथम द्वारा इस कार्यालय के िम्ः लिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को वेतनमान रु० 2375-75-3200-द० रो०-100-3500 पर भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग प्रशासिक मधिकारी/लेखा मधिकारी तथा ः परीक्षा ग्रधिकारी) भर्ती ियावली 1964 के अंद्रुपार उनके निश्यिमें से नाम के प्रागे म्मं कित कार्यवाहरु लेखा के श्रधिकारी पद पर सहष किये जाते हैं। उ स्की पदोन्नति उ∵के के वाबे के पक्षपात के बिता स्यायालय में विचाराधीत मामलों पर उच्च/उच्बतम स्यायालय के धन्तिम िर्णय एवं तदर्थ श्राधार पर दी गई है।

- 1. श्री मु॰ एलियस खान 21-4-87 (ग्रपराह्म)
- श्री मणि मुखर्जी 16-4-87 (ध्रपराह्म)

दिसक 18 जू 1987

स्था० मा० सं०-17—महालेखाकार (ले० प०) प्रथम द्वारा इस कार्यालय के सी के० ह्रिश्त है, प्रहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी को वेतनमान घ० 2375-75-3200-द० रो०-100-3500 पर भ रतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग (प्रशासिक प्रधिकारी/लेखा प्रधिकारी तथा लेखा परीक्षा प्रधिकारी) भर्ती हियमावली 1964 के प्रमुसार दि लंक 2-6-1987 (पूर्वाह्य) से कार्यवाहक लेखा परीक्षा प्रधिक कारी के पद पर सहुर्व हियुक्त किए जाते हैं। उन्ही पदोक्त उनके वरिष्ठ के दावे के पक्षपात के बिता स्थायालय में विभाराधी। मामलों पर उच्च/उच्चतम स्थायालय के प्रस्तिम निर्णय तथा तदर्थ प्राधार पर दी गई है

म० ग० म्ह्राहर, वरिष्ठ उपमहाने ग्राकार (प्रणा०)

भारतीय लेखानरीक्षा एवं लेखा विमाग कार्यालय महालेखाकार (लेखानरीक्षा) तमिल ॥ इ एवं पाडिचेरी मद्रास, विशोक 28 जुलाई 1987

सं म ले प ०-1/प्रशा-1/जी वी २/87-88/ 134—श्री एम ० एम ० कुनार (जन्म तारीख 15-4-1931) ले बापरीका श्रिष्ठिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीका), 1, तमिल ाडु एवं पांडिकेरी, मद्रास, वितांक 21-7-1987 में देहांत हुए।

> एम० बालकूळान, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय का कार्यालय

कलकत्ता-700001, दिनांक 23 जुलाई 198क

सं प्रणा I/सी०/470/1035-36--निर्देशक लेखा-परीक्षा केन्द्रीय कलकसा ने श्री साधन चन्द्र गंगोपाध्याय, सद्द्रायक लेखापरीक्षा श्रिधकारी (ग्रुप ख) को 2375-75-3200-ई० बी-100-3500 रुपये के वेतनमान पर दिनांक 3-6-87 (पूर्वाह्न) से स्थापनापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (ग्रुप ख) के पद पर ग्रगला श्रादेश जारी किये जाने तक निर्देशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय के क्षेत्रिय लेखापरीक्षा कार्यालय पोर्ट स्थेयर में नियुक्त किये हैं।

> पी० के० घोष, उप० नि० ले० परीक्षा (प्रका०) केन्द्रीय,

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक, -नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 जुलाई 1987

सं० प्रशा०11//2696/86, रक्षा लेखा महाियंत्रक, निम्नलिखित लेखा श्रधिकारियों के प्रत्येक के समक्ष दर्शाई गई तारीखो को हुए निधन को दुःख सहित म्राधिसुचित करते है। क र सं व लेखा मधिकारी का नाम निधन की संख्याबल से हटाये जाने की तारीख तारीख 1. श्रीके० रामाराव 18-2-87 18-2-87 स्थानापन्न लेखा अधिकारी (भ्रपराह्र) (ओ/389) 2. श्री जे० के० दरगन 5-7-87 5-7-87 स्थाई लेखा श्रधिकारी (भ्रपराह्न) (पी०/500) उन्हें प्रत्येक के समक्ष वर्शाई गई तारीखों से विभागके संख्याबल में हटा दिया गया है। डी० के० चेतसिंह, रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

बस्ज मन्त्रालय

हर्यकरषा विकास भ्रायुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1987

सं॰ ए-32013/1/87-प्रशासन-II — राष्ट्रपति, श्री राजेन्द्र मुमार को 29 जून, 1987 के पूर्वाह्म से धागामी भादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, गुवाहटी में निदेशक (प्रोसेमिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> इस्तिरा मानसिंह, संयुक्त विकास ग्रायुक्त (हफ्करमा)

उद्योग मंत्रालय

वकास ग्रायुशः (लयु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1987

संव 12(299)/61-प्रशासन (राजपतित) ---सेवा निष्कृति की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर, लघु उद्योग सेवा संस्थान विवसी के श्री एचव डीव घोष, उपिदेशक (चर्म /पाष्टुका) को, दिनांक 30-6-1987 (भ्रपव) सेवा निवृत्त किया जाता है।

सं० 12(489) 65-प्रशासन (राजपितत)—सेबानियृत्ति की भायु प्राप्त कर लेने पर लघु उद्योग सेवा संस्थान, हुक्ली के श्री एम० के० उदय वर्मा, निदेशक (वर्म पादुका) को दिनांक 30-6-87 (श्रप०) से सेवा निवृक्ष किया जाता है।

दिनांक 29 जुलाई 1987

स॰ ए०-19018(815) 85-प्रशासन (राजपतित)—
राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान गुवाहाटी के प्रधीन शाखा
लघु उद्योग सेवा संस्थान, शिलोग में श्री वांसंबोक सायमरम
को, सहायक निदेशक-ग्रेड-1 (प्राधिक प्रन्तेषण) के रूप में
दिनांक 18-5-1987 (पूर्वाह्म) में प्रगले शादेश जारी होने
तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय, उपमिवेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन अनुमाग-6)

नई दिल्ली-110001, विनांक 27 जुलाई 1987

मं० ए०-17011 223 83-प्रशासन-6---निरीक्षण निवे-शक कलकत्ता के कार्यालय में स्थाई भंडार परीक्षक (धिभयांत्रिकी) धौर स्थानापम सहायक निरीक्षण धिकारी (धिभयांत्रिकी) श्री ए० के० बन्दीपाध्याय का विनांक 6-7-87 को निधन हैं। गया।

> श्रार० पी० शाही; उप निवेशक (श्रशासन) जो महानिवेशक, पूर्ति तथा निपदान

नई विस्सी-110001, विमांक 15 मई 1987

सं० ए-17011/316/86-ए०-6---संब लोक सेवा शायोग ग्रारा ली गयी अभियांजिकी सेवा परीक्षा 1984 के परिणान के माधाद पर राष्ट्रपति श्री परितोश सिंघल को दि० 8 मार्गल 1987 के पूर्वाह्म से मागाभी प्रादेश दिये जाने तक भारतीय निरीक्षण सेवा गुप "ए" की ग्रिभियांत्रिकी शाखा के ग्रेड-III में ६० 2200-75-2800-४० रो०-100-4000 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंघल को नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पायर कारपोरेशन लिमिटेड, हेमकुन्ट टावर, नेहरू पलेस में दिनांक 6-4-87 (ग्रपराह्म) को उनके पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया श्रीर उन्हें ने दिनांक 8-1-87 के (पूथिहन) में सहायक निरीक्षण निदेशक/निरीक्षण सेधिकारी (ग्रिमियां किकी) के पद का कार्यभार संशाल लिया है। वे नियुक्त की तारीखं से दो वर्ष की श्रविध के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। उन्हें 13-2-198 (श्रपराहन) तक उनके नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पायर-कारपोरेशन लिमिटेड में भरे गये मूल बाण्ड की शेष श्रविध तक डी० जी० एस० एण्ड डी० में कार्य करना चाहिए।

म्रार०पी० शाही, उप निवेशक (प्रशासन)

इस्पात भ्रीर खान मंत्रालय (स्त्रानविभाग)

कलकत्ता-700016, दिनांक 21 जुलाई 1987

सं० 3900-बी/ए०-32013(1-निषे०) (भूवि०) 87-19ए---राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्न-लिखित भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) को निदेशक (भूविज्ञान) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार पूर्व परिशोधित 1500-60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान के वेतन में (श्रम परिशोधित 3700-125-4700-150-5000 रु०) स्थानपन्न क्षमता में, श्रागामी भावेश होने तक प्रत्य , के साने दक्षाई गई तिथि से पदोश्रति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ऋम सं०	नाम	नियु -तिथि		
1.	डा० परिमल कुमार बसु	12-6-87	(श्रपराह्न)	
	श्री एन० मजुमदार	1 2- 6- 8 7	(पूर्वाह्म)	
3.	श्री डी० झार० नन्दी	12-6-87	(पूर्वाह्न)	
4.	श्री पुरनेम्दू सेन	· 12-6-8 7	(पूर्वाह्मः	
5-	मो० करीमूदीन	12-6-87	(पूर्वाह्न)	
6.	श्री सी० एस० सुव्रमनियन	12-6-87	(भ्रपराह्न)	

डी ं के र गुप्ता, वस्थिठ उपमहामिषेशक (कार्मिक) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिस्ली-110011, दिमांक 28 जुलाई 1987

सं० 10/4/87-स्मा०--प्राचीन संस्मारक पुरातत्वीय स्थल एवं भ्रवणेष ग्रिधिनयम 1959 के नियम 4 के भ्रधीन प्रवस्त श्रिक्कारों का प्रयोग करते हुए मैं, डा० चे० मार्गबन्ध निवेशक (संस्मारक) यह निवेश जारी करता है कि पुरातत्वीय क्षेत्र लाल किला 12 श्रगस्त (2 बजे दोपहर) से 15 श्रगस्त, 1987 को 12 बजे तक वर्गकों के लिए बन्द रहेगा।

डा० चे० मार्गबन्धु, निवेशक (संस्मारक)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन और वृश्य प्रचार निवेशालय मई दिल्ली-दिनांक 20 जुलाई 1987

सं ए 12026/4/83-स्था ---पश्चिम बंगाल सरकार, कलकत्ता में क्षेत्रीय मुद्रण प्रौद्योगिकी संस्थान में विरिष्ठ प्राध्यापक के पद पर चयम होने के फलस्वरूप श्री वीपेन्दु चौधरी, सहायक उत्पादन प्रबन्धक का त्याग पन्न दिनांक 30 जून, 1987 अपराह्म से स्वीकार किया जाता है।

एस एल सिंगला, (उप मिदेशक प्रशासन)

ेभारत के समाचारपक्षों के पंजीयक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1987

सं ए 19011/1/86-प्रशासन—इस कार्यालय की अधिमूचना संख्याए 19011/1/86-प्रशामन दिनांक 10-6-1986 के कम में उद्योग मंद्रालय के मुख्य लेखा कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री रमेश चन्द्र भारद्वाज की भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय, नई दिल्ली में वर्षिठ परिचालन अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति की अवधि 3000-100-3500-125-4500 रूपये के वेतनमान में विद्यामान गतों के अन्तर्गत दिनांक 30-5-87 से 29-5-88 तक एतवद्वारा एक वर्ष के लिये बढ़ाई जाती है।

कृपा सागर, भारत के समाचारपत्नों के पंजीयक

कृषि मंत्रालय
(ग्रामीण विकास विभाग)
विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय
करीदाबाव, दिनांक 27 जूलाई 1987

सं • ए 19025/99/78-प्रं०=3/प्रं०-1--सक्षम प्राधिकारी द्वारा विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय, कानपुर के डा॰ शैलेन्द्र कुमार, सहायक विषणन अधिकारी (अब विषणन अधिकारी के रूप में पुनः पदनामित) को 25-6-87 से निलम्बित कर दिया गया है।

> बदशीय राम, निदेशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

फरीवाबाद, दिनांक 27 जुलाई, 1987

मं ए 19023/5/82-प्र॰ 3/प्र -I--सेवा निष्कित की आयु प्राप्त करने पर श्री एस॰ एस॰ विम्बरा, सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-3) 31-3-87 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं। तदनुसार उनका नाम इस निदेशालय की नामावली से अलग कर दिया गया है।

बरुगीग राम, निदेशक (प्रशासन)

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र कार्मिक प्रभाग खम्बई-400085, दिनांक 4 मई 1987

भादेश

सं 7(30)/86/सतर्कता/1195---जबिक यह आरोप लगाया जाता है कि:

श्री आर जी आप्टें, वैज्ञानिक सहायक (सी), निर्लंबरणीकरण प्रभाग, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र को दिनांक 1 जनवरी, 1986 से 17 जनवरी, 1986 तक अजित छुट्टी प्रदान की गई थी किन्तु 18 जनवरी, 1986 से वे अनाधिकृत रूप से अवकाश पर हैं। उनके ज्ञात पते पर इस कार्यालय से भेजे गये पत्नों पर कोई जवाब न वे कर उन्होंने जानबृक्ष कर इस कार्यालय को अपना कोई भी अता पता नहीं दिया है।

अपने इस उपर्युक्त आचरण से श्री आप्टे ने अपने कार्य के प्रति अनिष्ठा दिखाई है तथा ऐसा कार्य किया है जो एक सरकारी कर्मचारी के आषरण योग्य नहीं है। इन्होंने केन्द्रीय सिविल सेवायें (आचरण) नियम 1964 के उपनियम ('i)(ii) तथा (!)(iii) के नियम 3 के प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

जबिक कथित श्री आप्टे को उन पर केन्द्रीय सिविल सेवायें (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत लगाये गये आरोपों तथा उनके विपरीत की जाने वाली प्रस्तावित कार्रवाई की जानकारी दिनांक 13 जनवरी, 1987 के ज्ञापन संख्या 7(30)/86 सतर्कता/III द्वारा ये दी गई थीं। जबिक उपर्युक्त ज्ञापन श्री आप्टे के अन्तिम ज्ञात पते पर लिफाफे में, ''जिस्टर्ड ए ''डी'' द्वारा भेजा गया था जो कि क्रमणः "छोड़ कर चले गये" "पता ज्ञात नहीं " व "प्रेषक" को लोटा दिया जाय" जैसे रिमार्क सहित वापस लौट आया,

जैसा कि यह अवलोकन किया गया कि लिफाफे में पता लिखते समय छोटी सी गलितयां हो गई थी जैसे पते के लिफाफे पर स्थानीय पता लिखते समय उनके भवन का नाम "पालन सोजापाल" के स्थान पर "पालम सोजपल" लिखा गया तथां जन्म स्थान में भेजे गये लिफाफे में स्थान का नाम "रामाच गेट" के स्थान पर "रामाचा" गोटे" शिखा गया था। यद्यपि यह छोटा सी गलितयों है फिर भी उर्ध्युक्त आरोप पन्न पुन: उनका सही स्थाई व अस्थाई पता लिख कर भेजा गया। जबकि उपर्युक्त आरोप पन्न वाले दोनों रिजस्टर्ज ए डी० लिफाफे डाक विभाग द्वारा "छोड़ कर चले गये" तथा "पूरा पता जात नहीं" इसलिये "प्रेषक" को वापस" जैसे रिमार्क के साथ वापस लौट आये।

जबिक कथित श्री आप्टे कार्यालय को अपनी कोई जानकारी देने में असमर्थ रहे हैं।

जबिक कथित श्री आप्टे, अपने कार्यालय को अपनी कोई जानकारी दिये बिना सरकारी सेवाओं से अनुपस्थित रह रहे हैं, अतः अधोहस्ताक्षर कर्त्ता इस बात से सन्तुष्ट है कि केन्द्रीम सिविल सेवायें (वर्गीकरण, नियंग्रण तथा अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के अधीन कोई भी जांच जारी रखने को कोई व्यावहारिक औचित्य नहीं है।

इसीलिये श्रव अघोहस्ताक्षरकर्त्ता केन्द्रीय सिविल सेवायें (वर्गाकरण, नियंवण तथा अपील) नियम, 1965 के नियम 19 (II) के अनुसार प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए श्री आप्टे को तस्काल प्रभाव से सेवा से मुक्त करते हैं।

पी० के० अयुर्यगारः निवेशक

बम्बई-400085, दिनांक 30 जुलाई 1987

स० डी/608/प्रिफी/स्था 11/3911—श्री एन्ड्रयू फांसिस डायस ने वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बी०) पद का पद भार 2-6-87 पूर्वाह्म को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पर छोड़ दिया।

> के० वेकटकृष्णन, उप स्थापना अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसम्धाम संगठन
अन्तरिक्ष उपयोग केम्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 23 जुलाई 1987

सं० अ० उ० कें०/स्था/3/19/87---ने निम्नलिखित पदा-धिकारियो को अन्तरिक्ष व्रिभाग के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

क सं०

नाम

अहमदाबाद में प्रत्येक के नाम के आगे दियें गये पद पर सथा वी गई तारीख के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक स्थानापन्न/ अस्थाई रूप में निय्वत किया है:-

पद जिस पर नियुक्त क सं दिनांक नाम किये गये 1. श्री विश्वजीत परियाल 9-2-87 वैज्ञानिक अभियन्ता 'एस 2. श्री जयमीन टी० देसाई 13-2-87 वैज्ञानिक ग्रिभयन्ता 'एस० बी०' श्री वी० पी० सिगाडिया 16-2-87 वैज्ञानिक ग्रिभियन्ता 'एस० बी०' 4. श्री के । भार वि 16-2-87 वैज्ञानिक ग्रिभियम्ता 'एम० बी०' 5. श्री श्रार्श प ए० पंडया 2-2-87 वैज्ञानिक स्रभियन्ता

'एस० बी०'

7. श्रीसुधाकर राव 10--6--87 विज्ञानिक ग्रीभयन्त 'एस० बी०'

8. श्री हर्ण्द एम० मोवी 22-6-87 वैज्ञानिक प्रभियन्ता 'एस० बी०'

 श्री कान्सी यू० पटेल 19-6-87 वैज्ञानिक ग्रिमियन्सा 'एस० बी०'

 श्री हिनांग एम० 25-6-87 वैज्ञानिक भिषयन्ता शाह 'एस० वी०'

11. श्री के० ए० हवनूरकर 26-6-87 वैज्ञानिक अभियन्ता 'एस० बी०'

12. श्री डेविड डी॰ रसेल 1-7-87 वैज्ञानिक प्रभियन्ता 'एस॰ बी॰'

13. कुमारी भ्रनीता जैन 3-7-87 वैज्ञानिक अभियन्ता 'एस० बी०'

14. श्री एस० पी० 8-7-87 वैज्ञानिक मिश्यन्सा कनोडिया 'एस० बी०'

> के० एस० **कष्ण**न, प्रणासन ग्रंधिकारी II (स्था०)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई विल्ली, दिनाक 10 जून 1987

सं० ए० 32014/1/83-ई० ए ---महानिदेशक नागर विभानन के निम्निधित सहायक विमान क्षेत्र अधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई ध्रवधि के लिये, सदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की ध्रनुमति दी है:---

त्वर्थ नियमित जारी रखना

ना ता	नाम	प् पम	।मथ्।मम	जारा	रखना
		मे			नक
1	2		3		4
मर्वेश्री					
ा. श्रार∘	सी० फेरियर	1-4-	1986	2	8-4-1986
2. ग्रमरर्ज	ीत सिंह	वह	ी		वही
3. एयाम	बाबू शर्मा	वह	Ì		वही
4. श्रार०	ए० नारायणन	वही	Ì		वही
5. बी० वे	न ्दर्भा	वर्ह	ो		वही
6. वी० व	ी० श्रीवास्तव	वह			वही
७. सुभाष		वाः			वही
	स० कडियन	घह			वही
9. सुबतो		वः			वही
	१० मेहरा	वह			वही
	० श्रीवास्तव	यह			वही
12. पी० के		वर			वही
	मार शर्मा	वर्त्			वही
	० श्रीवास्तव	वर्ह			वही
15. জী০ ম		वर्ह			वही
16. बी० र्व	•	वर			वही
	स ्भाराज	वर्ह			वही
	० जेमिनी	वर्ह			वही
19. टी॰ सी		वर्ह		31	l-5-1986
20. पी॰ ए		वर्ह			वही
	० तास्सृकदार	वर्ह			वही
	० मुखर्जी	वर्ह			वही
23. एस० वे		वर्ह			वही
24. पी० से		वर्ह			वही
-	ी० भ्रसलिया	वः			वही
-	र० मार० नाय		ही		वही
27. पी० सी	० गोस्वामी	म	ξŤ		वही

2. ऋम संख्या 1 से 18 तक उल्लिखित ग्रिधिकारियों को सह्मयक विमान क्षेत्र ग्रिधिकारी के पद पर नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया जा चुका है।

दिनांक 19 जून 1987

सं० ए० 38013/1/86—ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वमानिक संबार संगठन के निम्नलिखित श्रिष्ठकारी (विनांक 1-6-1986 से राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर) मेखा निवृत्ति की प्रायु प्राप्त कर लेने

पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीक से सर्पकारी सेवा से निवस हो गये हैं:---

ऋ सं०	नाम व पदनाम	स्टेशन	सेवानिवृत्ति की तारीख

सर्वश्री

1. पी० बोस.

वैमानिक संचार

30-9-86

(भपराह्म)

सहायक संचार श्रधिकारी स्टेशन, कलकसा

2. बी० सुब्रमण्यम, सष्टायक संचार श्रधिकारी स्टेशन, मद्रास

बैमानिक संघार ' 31-10-86

(अपराह्न)

दिनांक 23 जुलाई 1987

सं० ए. 32013/9/86-स्था-1:--राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित घधिकारियों की उनके नाम के सामने वरायि गई तारीख से 6 माष्ट्र की ग्रवधि के लिये 4100-125-4850-150-5300 रुपये के वेतनमान में निदेशक **उड़**न योग्यता के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं :---

क स० तैनाती का स्टेशन मिवेशक उडम नाम योग्यता के पद पर नियुक्ति की तारीख

1. श्री एस० एल० श्रीवास्तव

निवेशक उड़न योग्यता 17-6-87 ंका कार्यालय

2. श्री एस० एस० दास

म्ख्यालय

29-6-87

एम० भट्टाचार्जी, उप निवेशक प्रशासन

नर्ष दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1987

सं० ए० 32013/8/83--स्था 1--इस कायांलय के दिलांक 24-3-1984 की प्रधिसूचना सं० ए 32013/8/83-स्था-1 के कम में राष्ट्रपति, श्री एन० एस० चेल्लप्या की वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 5-4-84 से 23-11-1984 तक जारी रखने की धन्मति प्रदान करते हैं।

> एम० माई० सिंह, उप निवेशक प्रशासन

केन्द्रीय मुमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 27 ज्लाई, 1987

सं० 3-816/87- मु० जल भू० (स्था०)--श्री **प्र**भय कुमार पाण्डे, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (जल को दिनांक 25-5-87 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक पदोस्रति देकर केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड मे सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० समृह ख (राजपत्रित) मूल वेतन 2000 -- रूपये प्रति माह परिशोधित वेतनमान 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 रूपये में अस्पाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय कसाई स्वर्न लेखा परियोजना जमशेषपूर होगा।

सं० 3-801/87-म्०-जल भ्० (स्था०)--श्री नन्दन बान-गार को दिनांक 12-5-87 (पूर्वाह्न) से ग्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी । सी । एस । समूह ख (राजपन्नित) मूल वेतन 2000 रूपये प्रति माह परिशोधित वेतनमान 2000-60-2300-द॰ री॰-75-3200-100-3500 रूपये में प्रथाई तीर पर नियुक्त किया जाता है । उनका मुख्यालय उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल में होगा।

> बी० पी० सी०सिन्हा, मख्य जल भु-विज्ञानी एवं सदस्य

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई विल्ली, विनाक **ज**लाई 1987

सार्वजितिक मधिसूचना

सं० 87 मार० ६०161/6:--मध्य तथा पश्चिम रेलों के नीचे दिये गये खण्डों पर स्थित रेलवे लाइनों भौर परिसरी के सभी उपयोगकर्ताओं की सूचनार्थ एतद्धारा यह ग्रधिसुचित किया जाता है कि इन लाइनों पर शिरोपरि कर्षण में नीचे विये गये खण्डों के सामने विनिर्दिष्ट तारीखों की 25,000 वोल्ट ए० सी० बिजली प्रवाहित की गई है। इस तारीख को तथा इस तारीख से शिरोपरि कर्षण लाइनें सभी समय जीवन्त समझी जायेंगी तथा उक्त शिरोपरि लाइमों के निकट कोई भी भ्राप्राधिकृत व्यक्ति नहीं जाये या वहां काम नहीं करेगा।

(क) मध्य रेलवे का खण्ड तारीख डबरा स्टेशन से झांसी 11 - 3 - 87(कि० मी० 1184/11-12 मे 1123/19-20)।

(खा) पश्चिम रेलवे का खण्ड

(i) सवाई माधोपुर एस० एस० पी० से घाटका वराना (कि० मी० 1032/3-4 社 966/9-10) 31 - 3 - 87 (11) बरबानिया एम० एम० पी० में विश्रम गढ ब्रालोट (कि० मी० 687/441 में 7.33/717) 31-3-87 (111) बिश्रम गढ ब्रालाट में शामगढ एम० एम० पी० (कि० मी० 7.33/717 से 7.89/2.21)

एस० एम० वेश, सचिव रेलव बोर्ड

उद्दोग तथा कम्पनी कार्य मत्रात्रय (कम्पनी कार्य किसाग)

्रम्भारित, के रिजिस्ट्रार का कार्यान्य कम्पनी श्रिधिनियम, 1950 प्रौर श्रालगी टी ग्रामण्य प्राड्वट चिट फण्ट कम्पनी ट्रायपार्ट प्राइवट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-600006 दिनाक 23 जुलाई 1987

स॰ 102/560(3) 87—कम्पनी श्रिधितयम, 1956 की धारा 560 वी उपवारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर आलिंग ठी गोयरम प्राव्वेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो र्यान्टर स काट दिया जायेगा और उक्षत कम्पनी निधटित कार दी जायेगी।

कम्पनी प्रश्चिनगम, 1956 स्नार स्नलिंगिर एउसपार्टम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रार्ग-600006, दिलक 23 जुनाहे 1937 सं 6750/560(3)(87) -- कम्पनो प्रांतिनगम, 1956 की धारा 560 की उपतारा (3) के ग्रनगरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवमान पर ग्रलगिरि एक्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत ने किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी। कस्पनी श्रीधानयस, 1956 श्रीर सम्पतकुमार द्रासपोर्ट प्राडवेट रिमिटेड रे विषय में।

मजा -600006, दिनाक 23 जुलाई 1987

सः 5081/560(3)/87— कम्पनी ऋक्षिनियम, 1956 की बारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख में तीन मास के प्रवसान पर सम्पतकुमार द्रायपोर्ट्स प्राइवट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जासेगा प्रार उस कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पना स्राविनियम, 1956 भ्रीर सकर एजेन्सीस <mark>प्राइवेट</mark> निर्मिटेट के विषय में।

भद्रास-600006, दिनाक 23 जुलाई 1987

स० 2628/560(3)/87—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के श्रवसान पर अवन एज़ेन्सीम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण शिंगत न किया गया तो रिजस्टर में काढ दिया आयेगा श्रीर उनत कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी प्रविनियम, 1956 पीर प्रस्तिका वस कम्पनी **प्राह्वेट** लिपिटड क विषय में।

मद्रारा-600006, दिनाक 23 जलाई 1987

याः 1110/560(3) 87—नाम्पनी स्रधिनियम, 1956 की बारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुसरण में एनद्वारा याः सूचना की जाता है कि इस तार्थाय सतीन मास के स्रवमान पर सम्बिका वस कप्पनी प्राव्वेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दीमत ने किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जायेगा भार उक्त करपनी विघटित ने कर दी जायेगी।

> दी० श्रमरनाथ, कम्यनियो का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाड़

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आवकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 ए, बम्बई बम्बई, विनाक 6 जलाई 1987

सं० ग्रई-2 ए/37ईई-177/13156/86-87:--- प्रतः मुझे, जे० मिलक,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसेकी संख्या श्राफिल प्रीमायसेस नं० 514, रेवा चम्बर्स मरीन लाईनस, बम्बई में स्थित है (श्रीर जो इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-12-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्राया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तमिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती चन्दन सुरेश चन्दराना

(भ्रन्तरक)

2. श्री धन्य देवत्म प्राइवेट निमिटेड।

(भ्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेमित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

श्राफिस प्रीमायसेस नं० 514, जो पांचवी मंजिल, रेवा चेम्बर्स, न्य मरीन लयईन्स, बम्बर्द में स्थित है।

श्रन्मुची जैसा कि ऋ० सं० श्रर्ध-1 ए/37ईई/10935/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए,बस्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप आहुं. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्य, तहायक वायकर जागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

मं० श्र2-1 ए/37 ईई/78/13496/86-87— श्र3 में जे० मिलक,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मृत्य 1,00,000/ रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भाद नं 18, पाकिंग रुपेस नं 18, 19 श्रशोका णापिंग सेटर, नी टी होस्पीटल काम्पलेक्स, अम्बई में स्थित है (ग्रीर जो इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीत बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्र है, नार्गख 24-11-198

धो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्याम प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दश्या, उत्तर्भ दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब तथा ववा प्रतिफल, निम्निसित उक्षेत्र से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुड़ किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-भियम के अधीन कर दोने के संतरक के दायित्य में कमी करने या उसमों बचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (६) ऐसी किसी बाप या किसी धन या कच्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रत. बच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को बनुसरण भो, सो, चक्त अधिनियम की धारा 269-म की खपणारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—→

- प्राः कल्य्द्रकशन (पंत्ये) प्राइवेट लिमिटेड (भ्रन्तरक)
- एच बाज वाशवानी, डार्बा वासवानी, रेनुका एच वाशवानी, जी बी व वाशवानी, विमना डी वाशवानी और रेखा टी वासवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

क्रमत ब्रोगील की अर्जन में संबंध में कोड़े भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की संबधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्शे का, जो सक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा ची उस अभ्याय में दिका गया है।

अमुस्ची

षाप नं० 18, तल मंजिल श्रौण पाकिंग स्पेस न० 18 19 जो श्रणोका णापिंग सेटर, जी० टी० होस्पीटल काम्पलेक्स, एल० टी० मार्ग, बम्बई 40000 में स्थित है।

श्रनुमूची जैमा कि कि लंब श्रs=1 ए $/37s^{\frac{1}{5}}/11106/86-87$ श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1986 को रजिस्ट के किया पाया है।

जे० मिलक, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर श्रायुक्त (िरीक्षण), श्रर्जन रेंज १ ए, बस्बई

दिनांक: 6-7 1937,

मोहरः

शक्य बाह्रं. टो. एन. एस. 🕫 •

6. मैसेर्स हर्वर्टमन्स लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती फातीमा याहया झवेरी

(ग्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) π क्रिंज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1986

सं० अई-1 ए/37⁵ई/179/13373/86-87— स्रतः मुझे, जे मिलक,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 102/ए, जोली मेकर, 1 कफ परेज, कोलाबा, वम्बई 5 में स्थित है (श्रीर जो इस उपा- वद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षय प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 11-11-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिचत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिल्तिम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुइं किसी बाब की बाबस, उसक बीभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धा प्रा अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चारिए था, रिस्ताने में जिला के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अस्थरण में, मैं, रक्त अभिनिषम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निकिक व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

रमष्टिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं 102 ए, जो दनवीं मंजिल, जोली मेकर, 1, जोली मेकर प्रीमायसेस को० खाप० हाउमिंग सोसाईटी लिमिटेड, कफ परेड, कोलाबा, वम्बेई 400005 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि कि नं ग्रई-1 /37ईई/11035/ 86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राप्तिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-11 1986 को रजिस्टई किया गया है।

> जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 ए, वस्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप बाह् ं टी . एन . एस . -----

बायकर विभिनितम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

सं० अई-1 ए/37ईई/180/13499/86-87:--अतः मुझे, जे० मिलक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या आफिस प्रीमायमेम नं० 5-डी, मेकर भवन नं० 2, 18 न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई 20 में स्थित है (और जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूत से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 1961 की धारा 239 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम गया प्रतिफल, निम्नित्तित उद्यंश्य से उत्तर अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविभा दासित्व के लिए; और /या
- (स) एंसी किसी आब या किसी धन या तत्य कास्तियों के जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपार के स्विधा खें किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्नित व्यक्तियों अर्थात् : श्रीमती अलका एम० भरूचा उर्फ कुमारी अलका नरेन्द्र शाह और श्री धनसुखलाल डी शाह ।

(अन्तरक)

2. ईनफीन कन्सलटेंटम प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिंध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाहार :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकेंगे

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गमा है।

अन्स्ची

आफिस प्रीमायसेस नं० 5—डी, जो पांचवीं मंजिल, मेकर भवन नं० 2, 18, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-400020 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-1 ए/37ईई/11107/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 ए, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

धागफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुधीन सुन्ता

भारत सर्काश

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

सं॰ अई-1ए/37ईई/181/13501/86-87:---अतः मुझे, जे॰ मलिक,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भार 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित अप्रार मृत्य 5,00,000/⊢ रा. में अधिक हैं

और जिसकी मंख्या फ्लैंट नं० 21, ग्याम सुन्दर, एफ रोड मरीन, ड्रायव्ह बम्बई-2 में स्थित है (श्रीर जो इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एस द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) मृत्यरम् सं हृदं कि सी बाय काँ वाबार के बाकत अधिनियम् से समीन कर बोने से श्रीतरक के श्रीतरक में कभी कदने या अससे बचने में त्रिशा के जिए. श्रीद्ध/पा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आग्तियो को, विक् भारतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मर अब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिलिखिन त्यक्तियों अर्थात :-- 1, श्रीमती मंजरी दिलीप कुमार

(अन्तरक)

 श्रीमती सुनिता रमनलाल जैन और श्रीमती अरूना सुशील कुमार जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री कालेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाप्त की सामील से 30 दिन की स्वीप सो की नविष साम में समाप्त होती हो के जीवर पूर्वीतन प्रक्रियों में से किसी व्यक्ति प्रवास ;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निभित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

नगुस्यो

पलैट नं० 21, जो पांचवी, मंजिल, श्याम सुन्दर, एफ रोड, मरीन ड्रायब्ड, बम्बई-400002 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संरु अई-1 $\eta/37$ ईई/11109/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मिलक, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,1 ए बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

मोहर;

प्रकृष् वार्च. दी. एत. एत. -----

वावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

श्रापंत्रम, बहायक बावकर जावूक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-1 ए, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

सं० अई-1 ए/37ईई/182/13374/86-87:— अतः मुक्ते, जे० मिलक,

वायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नभीन स्काम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृत्व 00,000/- रु. से अधिक ही

और जिमकी संख्या फ्लैंट नं० 65 बी, कफ परेड सीलोर्ड को०आप० हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, कफ परेड, बम्बई-5 मैं स्थित हैं (और जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1971 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय तारीख 12-1-1986

को पूर्विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिखत से अभिक है और बंतरफ (बंदरकों) और बंतरिती (अंटरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्मितियां उद्देष से उन्त अंतरण शिक्त में वास्त-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनिक्त के ब्योन कह धेने के बंदहर के वास्तिक के कभी कहा या उससे बजने के स्विधा के लिए; और/सा
- (का) एेसी किसी आप या किसी इन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— एस० बी० एम० इर्जानियारिंग प्राइक्टम प्राइक्ट लिमिटेड।

(ग्रन्तग्क)

2 श्री आर०पी० रेले और श्रीमती जे पी रेले

(अन्तरिती)

को वह बुधना बाड़ी कारके नुवस्ति बज्यसि के नवीन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुई।।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में अर्देश भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वदिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए मा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः ---इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभीनमम के श्रभ्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 65-श्री, जो छठशी मजिल, कफ परेड सीलोई को आप हार्जीसग सोसायटी निमिटेड, 117 कफ, परेड बम्बई-400005 में स्थित है।

अनुसूनी जैसा कि अर्थ मं० अई-1-ए/37ईई/11038/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 12-11-1986 को रजिस्टई किया जगया कुर।

> जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी,; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1 ए बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस..----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1ए, वस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

सं० अई-1-ए/37ईई/183/13525/86-87:-- अतः मुझे, जे० मलिक,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं डी-83, डायल महल, दलामल पार्क, 223, कि., परेड, बम्बई 5 में स्थित है (और जो इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया ध्या था विश्वा आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जेथा नंद वाधूमल छटवानी।

(अन्तरक)

2. भगवान दास डन्ल् छटवानी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्द सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षप ६-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से जिसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में क्रिए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरणः - इसमें प्रयुद्ध शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं॰ डी-83, जो आठवीं मंजिल, डायल महल; दलामल पार्क, 223, कफ परेड, बम्बई-400005 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-1 ए/37ईई-11125/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वा**रा दिनाँक** 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है;

> जे० मलिक; सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप आध्.टी.एन.एस.,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) शर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

वम्बर्ड, दिनांक 6 जुलाई, 1987

सं० ध्रई-1 ए/37ईई/185/13536/86--87 --- ध्रत: मुझे, जे० मिलक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1, तल मंजिल, गाउथ लेडग, बिल्डिंग, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर जो इगमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनिगम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्नी है नारीख 24-11-1986

को पूर्विक्स सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्निमिश्वर उच्चेक्स से उक्त वन्तरण विशिद्ध प्रतिवक्त रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संहुई किसी जाय की वावत, जकत अधिनियम के अधीन कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किर्स्य भन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा के लिए:

बतः अस, उसत सीभिनयम, की भारा 269-न के बन्हरण में, सें, उसते अधिरियम की धारा 269-च की उपभागः (1) के अधीन: निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---3---206 GI/87 1. नीवेदिता सबनीस

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पूनम सावहने।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्होक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो असत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

रत संची

फ्लैंट नं 0 1, जो तल मंजिल, साउथ लेंडम, बिल्डिंग, कोलाबा, बम्बई-400005 में स्थित है ।

श्रनुसूची जै ा कि कर संरु श्रई-1 ए/37ईई/11133/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जें० मिलक, सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रा**युक्त (निरीक्षण), **भ्र**र्जन रेंज 1 ए, बम्बई

दिनांक 6-7-1987 मोहर प्ररूप बाइं. टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) \mathbf{g} र्जन $\hat{\tau}$ ज $\mathbf{1}^{-D}$, बम्बर्ड कम्बर्ट, दिनांक $\mathbf{6}^{-D}$ जुलाई, $\mathbf{1987}$

सं० म्रई-1 ए/37ईई/186/13463/86-87 — म्रत: मुझे, जे भिलक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिवश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या पलैंट नं० 7 ई, हार्बर हाईटा ए० एन० ए सावन्त मार्ग, कोलाबा, बम्बई 5 में स्थित है (श्रीर जो इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिल्ला करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 के, ख के स्थीन बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफक्ष के लिए रिजस्ट्रोकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षितित उद्देश्य मं उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के प्राचित्व मों कमी करने या उससे बचने मो स्विधा के किए: और/शा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी. भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री फिरोज ई० हैदराबादवाला श्रीर श्री फारुख एफ० हैदराबादवाला

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती श्रलक मरजबान भरूचा श्रीर श्री सभीर नरेन्द्र शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 7 ई, जो सातबी मंजिल श्रीर पार्किंग स्पेस, जो हार्बर हाईट एए० एन० ए साबन्त मार्ग, बम्बर्ड ~400005 में स्थित है।

श्रन मुची जै । कि ऋ सं०० श्रई-1ए-/37ईई/11082/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> जे० मलिक, ाक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1-ए, बम्बई

िनाक 6-7-1987 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

आवकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की गाड़ा 269-व (1) के लगीन स्थना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज 1 ए,-अम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

सं० ग्रई—ए /37ईई/187/13464/86-87 — अत: मुझे, जे० मलिक.

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रचात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ज हैं कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 11/ई, हार्बर हाईटस, ए० एन० ए० सावन्त मार्ग, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित हैं (श्रीर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-11-1986

क्ष्में पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्में यह विश्वास करने, का कारण है कि यभापूर्विकत सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दियों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः गम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनूसरण मं, माँ, प्रक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्थात् ह—

- श्री खोशेद पेसी कोलाबाबाला श्रीर श्री बर्गीस पेसी कोलाबावाला । (श्रन्तरक)
- श्री फिरोज ई० हैदराबादवाला ग्रौर श्री फारूख ई० हैदराबादवाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वी /त सम्परित के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्य में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा सर्वेगे

स्पष्टि करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुल्ली

फ्लेट नं० $11/\xi$, जो ग्यारहवी मंजिल, हार्बर हाईटम, ए० एन० ए० सावन्त मार्ग, कोलाबा, बम्बई-400005 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसांकि ऋ० स० श्रई-1 v/37ईई/11083/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 1-ए, बस्बर्ष

दिनांक: 6-7-1987

प्रकल आहें.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) से मधीन सूचना

' भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 जुलाई, 1987

स० ग्रई $-1 \, \text{m}/37$ ईई/188/13375/86-87 - श्रत: मुझे, जे० मिलक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या फ्लैंट न० 1, डायल महल, दलामल फ्रांक, 223, कफ परेंड, बर्म्ड 5 में स्थित है (श्रीर जी इससे उपाबद्ध श्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनमा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 12-11-1986

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के, अधीन कर दिने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सिवधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् '—— कुमारी कृष्णा टी० रामचन्दानी भौर श्रीमती मोहीनी के० यडानी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मधु रूईया

(अर्न्तारती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उचत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

पलैट नं० 1, जो चौथी मंजिल, डायल महल, दलामल पार्क, 223, कफ, परेड, बम्बई-400005 में स्थित है। ग्रानुसूची जैमा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37ईई/11037/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-

1986 को रजिस्टड किया गया है।

जे० मिलिक, सक्षम प्राधकारी, स**हायक ग्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज⊸1, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

मोहर: 🧗

प्र**क्ष्म आर्च .टी ृएन .एस** तु जनवनवरण्डा

ब्रावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज 1-ए, बम्बई

बबम्ई, दिनाक ६ जुलाई, 1987

িदेश सं० श्रई-1—ए/37ईई/189/13537/ 86-87—— শ্বন: मुझे, जे० मलिक,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000 रु० से प्रधिक है

स्रोर जिसकी स० अपार्टमेट नं० 507, पंच शील, सी० रोड, चर्च-गेट स्टेशन के पास, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है (स्रोर इसने उपाबद्ध स्ननुसुची मे श्रोर पूर्णरुप से विणत है), स्रोर जिसका करार-नामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है तारीख 24-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल के प्रस्त प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पापा गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण भे हुई किसी बाय की शबत, अंक्ट विधिनविध को अधीन कार वोने के जन्तरक वो विधिक्य में कमी कारने या उससे अवने में सुविधा के लिए; वॉर√या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन गए अन्य ्यितायों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिपा की सिक्ष।

जतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की, अनुसरण को, भी, उक्त जीधीनवम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जधीन, निम्निस्थित स्पक्तियों, सर्थात प्र—

- (1) स्वर्गीय श्री बी०टी० मर्चेन्ट की सम्पत्ति के निष्पादक। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसेर्स सीनसीयर मेकर्स लिमिटेड। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्मत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्ति या या में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हिनबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सक्या.

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपकर व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, सही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका नदा हैं।

अनुसूची

श्रपार्टमेंट नं० 507, जो पंचाबील, सी० रोड, चर्चगेट स्टेशन के पास, चर्चगेट, बम्बई-20 सें स्थित है ।

श्रनुसुची जैमा कि ऋ० सं०् श्रर्ध-1-ए/ 37ईई/ 11134/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-86 को रजिस्टई किया गया है।

जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-1-ए, बम्बई

नारीख: 6-7-1987

प्रकृत बाह्य वह स्व स्व . -----

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

नारत तरकार

कार्यातय, शहायक नायकर नायुक्त (निर्द्यांक)

ध्यर्जन रेज- 1 , बम्बई बम्बई, दिनाक 6 जुलाई 1987

निदेश स० ग्राई-1-ए/37ईई/190/13441/86-87— अत मुझे, जे० मलिक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि रूथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 5,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं फ्लेट न 141, 143, 151, 152, मेकर-टावर एल कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची से ग्रीर र्णरुप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है। तारीख 13-11-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए क्रत्तिरत की गई है और मृझे मह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविक्त में बास्तिक रूप से कीचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई ख्रिसी आये की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कनी करने या उससे वचने में दुविधा के लिए; आरि/या
- (स) ऐसी किसी काय या किसी भन या जन्य सास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर खिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या भन-धनकर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है सिख;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात्:—

- (1) मेसर्स मेकर्स डेबलपमेट सर्विसेज पी० लि०। (अन्तरक)
- (2) मास्टर श्रद्धीश भार मेकर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त तंपति के वर्णन के संबंध में काहि भी वाक्षेष :--

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वें के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति यो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर स्वतंत्र स्वावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शम्यों और पत्यों का, ओ जक्क व्यभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

मन्स्वी

फ्लेट नं 141, 142, 151, 162, जो चौदवी मजिल और 15वी मंजिल, गेरेज न 54, जो मेकर टावर एल ॰ प्लाट न ० 73ए, 74, 83, 34, 85, कफ परेड, बम्बई-6 मैं स्थित है।

भनुसुची जैसा कि क० सं० मई-1/ए/37ईई/ 110 5/ 86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 13-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-6-ए, बम्बर्ष

तारीखा: 6-7 1987

शारूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

शर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

निदेश सं० अर्ड-1-ए/ 37ईई/ 191/13446/ 86-87---श्रतः मुझे, जे० मलिक,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसर्ज इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार भूस्य ,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लेट नं 18, इंदस कोर्ट, ए रोड, चर्चगेट, वम्बई-20 में स्थित है (श्रीर इस । उपाबद्ध श्रनुसूची से और पूर्ण-हप से विजित है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधी ।, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-

कारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। तारीख 24-11:1986 को पूर्वेक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकत से विभिक्ष है और नंतरक (अंतरकों) और वंत-रिती (अंतरितियों) के बीन एसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्नसिखित अव्योध्य से उच्त क्षेत्रण कि निम्नसिख में बास्तविक क्ष्य से कथित वहीं किया गया है 4---

- (क) कलरण वे शुक्त किसी बाग की बावदा, जक्त विधितियद के बधीन कर दोने के बंदरक के दावित्य को कभी करने या जससे बचने में सुविधा के किए? बार/या
- (क) एंसी किसी गाम या किसी थन या बन्च आस्तिओं की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती ब्वाध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अ प: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अ गिन्, निम्नलिखित करिक्तयों, अर्थात ,—— (1) श्रीमति जयश्री बेनर्जी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किरपाल सिंह साब्हने और श्रीमित जोगिन्दर साब्हने।

(अन्सरिती)

को बहु सूचना चारी कारके पृथींका सम्मिरित के वर्षन के किए कार्ववाहियां करता हूं।

उच्छ सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षीप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित्र की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि वाद न समाप्त होती हो, के भीतर नुवाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपरित में दित- वद्द किसी बच्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के पास लिकित में किए का सकेंचे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुस्यी

फ्लेट नं 18, जो 3री मंजिल, इंदम कोर्ट, ए रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है।

मनुमूची जैसा कि कि सं प्रई- $1-\eta$ / 37ईई/ 11069/86-87 मंदर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाँक 24-11-1986 को रिजम्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1-ए, बस्बई

तारीख: 6-7-1987

मोहरः

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन संचना

भारत सरकार
कार्यालय, महामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1-ए, अम्बई
बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश स० श्रर्ड-1-ए/ 37ईई/ 192/ 13459/ 86-87--ग्रतः मुझे, जे० मिलक,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/-

श्रौर जिसकी मं० फ्लेट नं० 2, लवडेलश्रपार्टमेंट, कफ परेड, कोलावा बम्बई-5 में स्थित है (श्रांर इमरे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण- कप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधितियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रवीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 24-11-1986

को पृथांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रित्तम्य के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक हप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 19:2 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विक्ष के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री लियो⊹ार्ड ग्रेबीयल थोनम डीसा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रदीर एस० णाह थौर श्री संजय एस० णाह। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मग्स्ची

फ्लेट नं 2, जो 1ली मंजिल, ल'व डेलग्रपार्टमेंट, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० श्रिश्च-1 स्/ 37ईई/ 11078/86-87 श्रीर जो सक्षम श्रप्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिनांक 24–11–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मिलक सञ्जाम प्राधिकारी सहायक शायकर म्रायक्त (निरीक्षण) स्रजें रेज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

प्ररूप शार्ष . टी . एस . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-1-ए, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० ब्राई-1-ए/ 37ईई/ 193/13462/ 86-87--

श्रतः मुझे, जे० मलिक,

कायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनस अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्यान करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

म्रोर जिसकी सं० प्लेट नं० 26, विजय महल, डी० रोड, चंगेट बम्बई-20 में स्थत है (घीर इसने उपाबद अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिमका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा के प्रधीन, बम्बई स्थन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिक्दी है। तारीख 24-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान इतिफल को लिए अन्तरित की गर्ह है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबंधित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अन्तरितिगाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल गिम्निशिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है क्षा-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हों भागीय जाए कर अधिनियम. 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खे क्योधनार्थ अन्तिर्देश के प्राप्त प्राप्त क्योधनार्थ अन्तिर्देश का प्राप्त क्योधनार्थ अन्तिर्देश का या भाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा खे विए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :---4 --- 206 GI/87 (1) श्रीमात सरस्वती की गसंद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिति रुपा श्रमर हरगुनानी श्रौर श्री श्रमर पी० हर-गुनानी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्काम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ५५ सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के यास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पनों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट तं० 26 जो 6ठवी मंजिल, विजय महल, डी॰ रोड चैंगेट, बम्बई-20 में स्थित है।जजज

धनुसुची जंसा कि ऋ० सं० घ्राई-1-ए/ 37ईई/11081/8€-87 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1986 की रिजटर्ड किया गका है।

जे० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1-ए, त्रम्बई

तारीख: 6-7-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एत.---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याचय, बहायक वायकार वाय्क्त (निद्रीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-1-ए, बसवर्ड

बम्बर्ध, दनांकः 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई-1-ए/ 37ईई/ 194/13346/ 86-87--अत: मुक्ते, जे० मलिक,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-र भे अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पौत, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 29, सुलेमान चेंबर्स, बेटरी स्ट्रीट, कोलाबा, बम्बई-39 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबज्ञ है अनुसुवी में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10—11—1986 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास अरमे का कारण है कि यथाप्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के बन्दर प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दर प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दर (अन्तरकों) को बीच के एसे अन्तरण के लिए तय प्राधा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विध्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बस्तिक रूप से कथित नहीं किया गयी है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसते अभिनियम के अधीन कर क्ले के अन्तरक के दायरिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1). में लुए, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) प्रतंश्वरका ।

(भन्तरक)

(2) फिरोज दादाभाई नारीयल वाला।

(श्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी कारके पूर्वा कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 29, जो 5वीं मंजिल, सुलेमान चेंबर्स, बेटरी स्ट्रीट कोलाबा, बम्बई-39 में स्थित है। जज अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धई-1-ए/ 37ईई/ 11020/ 86-87 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी द्वारा दिनांक 11-11-1986 कश रजिस्टई किया गचा है।

> जे० मलिक मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1-ए, बस्बई

तारीख: 6-7-1987

प्रकल् बाई .डी.एन.एव .-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

नापत धरकार

कार्याक्य, सहायक नायकर मायुक्त (निरीवान)

प्रजीन रेंज-1-ए, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० अई-1-ए/ 37ईई/ 195/13365/ 86-87--अतः मुझे, जे० मिलक,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसर्ध इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्क 5,00,000//- रुसे अधिक है

म्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 34-डी, डायल महल, दलामल पार्क, 223, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब इ अनुसुची में भीर पूर्ण रुप से विणित-है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टि नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 11-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूस्य से कम के व्ययमान प्रतिफल को बिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर? का कारण है कि संशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्यः, उसको व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित् उद्देश्य से उनत अंतरण विविध में बालाबिक रूप से किश्व नहीं किया गया है है

- (क) अंतरण से हुई किसी आव कॉ वाबत, सकत बिन-नियम के कथीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा दलते वचने में सुविभा के लिए; बार/वा
- (व) एंती किसी शाय वा किसी धन या अध्य शास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय जाअकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

बातः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-न के बनुवरण थे, भे, अवत विधिनियम की धारा 269-म की उपभाषा (1) के अधीम, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमिति बाची डी० कलक, मेहर डी० कलक जीर श्री भादी डी० कलक।

(भ्रन्तर्**क)**

(2) श्री भूपिन्दर एस० चौद्री और श्री तेजिन्दर एस• चौधरी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना कारों करक पूर्वाक्त सन्मत्ति के सर्चन के विश्व कार्यवाहियां सूक करता हुं ।

वन्त बन्धीय से सर्वन के संबंध में कोई भी शासेद् :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तायव से 45 विन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन को भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबक्थ किसी कर्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिन-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं 34डी, जो तीसरी मंजिल, डायल महल, दलामल पार्क, 223, कफ परेड, बंबई 400005 में स्थत है। अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० घई-।-ए/37ईई-11031/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 11-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मिलक, सक्षम प्राधिकरी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

दिनक 6-7-1987 मोहर:- प्रकल जारील टील एनल एसल्लाननन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज 1 अम्बई

बम्बई विनांक 6 जुलाई/87

निर्वेश सं० 1-ए/37ईई-196/13358/86-87--ग्रतः मुझे जे० मलिक

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 5,,00,000//- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, विजय महल सोसायटी, प्लाट नं० 57, डी० रोड, बम्बई 20 में स्थित है और जो इससे उपाबद्ध अनुचनी में और पूर्ण रूप से विणित है)और जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री तारीख 11-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूट्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्मसिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि बिन में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के िलए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में जिए।

नतत नव, उस्त अधिनियम कर्ने भारा 269-ग में जनसरण मैं, में, उस्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- श्री एडी डब्ल्यू० पेरी ग्रीर श्रीमित सेंड्रा हेलेना लालोर। (श्रन्तरक)

(2) श्रीमित सुशीला विजय परीक्षाल श्रीर श्री विजय त्रिलोक चन्द परीक्षाल ।

(ग्रन्तरिती)

कीं यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ह----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाधा होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किएं जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लंट न० 25, जो 6 ठवीं मंजिल, विजय महल को०-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 57-डी० रोड, श्राफ एन० एस० रोड, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुमूची जसा कि क्र० सं० अर्ड-1-ए/ 37ईई/ 11028/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बर्र

तारीख: 6-7-1987

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

बायक्तर श्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे वर्धन सूत्रका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण)

श्चर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

सं० अई-1 ए/37ईई/197/13334/86-87 -- ग्रतः मुशे जे० मिलक,

नायकर निर्मित्तवस, 1961 (1961 का 43) (चिस्रे इसमें इसके परभात् 'उनत निर्मित्यस' कहा गया हैं), की धारा 269-च को नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने ना कारच है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाधार मुख्य

5,00,000/- रु. से अभिक हैं और जिएकी संख्या पर्लेट नं 8,ज राजहंस, 88, मरीन ड्रायव्ह, वम्बई में स्थित है (ग्रीर जो इससे उपावंक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण, रूप से विणित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि नियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्टी है, तारीख

भी नृष्यित संस्थित भी उनिय नाजार नृष्य थे कर के स्वमान पितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास कर्म का नवर्ग है कि समाध्योंका सम्मत्ति का उनिय माजार गृस्य, उपके क्ष्मपान प्रतिपृक्ष से, एसे दश्यामा अतिप्रस का अन्द्रद्व प्रतिवास से विश्व है और मेसरमा (मंतरका) जीर मंत्रिती (प्रतिरिक्ति) कि पीन एसे सन्सरम के लिए तक बाबा संसा विश्व , निवर्ग कि किया कहने के से स्वस्त कन्यरम कि विश्व के कालका के किए तक से विश्व के कालका के कालका के किए से की किए से के कालका के कालका के किए से की किया कालका के कालका के किए से किया के कालका कर के किए से कालका कालका के कालका के कालका के किए से कालका कालका के कालका कालका के कालका कालका के कालका के कालका के कालका कालका के कालका कालका के कालका के कालका कालका के कालका कालका के कालका के कालका कालका कालका के कालका के कालका के कालका कालका कालका कालका कालका कालका कालका के कालका कालक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधि-निवास में अधीन कर के जायरण की वायरण के कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्याजन्य कन्तार्टी ब्धार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्श के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती मोहीनी असूमल बाहरु ग्रौर डा० भगवान ए० बाहरू

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला रतनचन्द जैन श्रीर ुडा० रतनचन्द ए० जैन

(भ्रन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति क अर्जन के लिए काथ वाकियां अपराः हो।

उपत राज्यक्ति की वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी वाकोब ध—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीय से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीवर पूर्वे क्या स्थक्तियों में से किसी व्यक्तिय इंगारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 बिन के मीलर उपल स्थावर सम्मति में दिख-क्या किसी अस्य स्थावत स्वारा जभाद्वसाकारी के पास निकित में किए था सक्या।

वन्स्यी

फ्लैट नं० 8, जो दूसरी मजिल, राजहंस, 88, मरीन ड्रायव्ह, बम्बई, 400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैं। कि ऋ०संश् ग्रई-1 ए/37ईई-०11026/ 86-87 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 11-11-1986 की रजिस्टड किया गया है।

> जे० मिलक, सक्षम प्राधिकारी गहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1 ए, बस्बई

दिनांक 6-7-1987 मोहर प्ररूप आहें टी एन , एस ---

भायकर गिधनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) को अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 जुलाई 1987 सं० ग्रई-1ए/37ईई-198/13336/86-87:--- ग्रहः

मुझे, जें० मलिक,

आयकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'अक्त अभिनियम' कहा गया हैं), ्की आरा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 5,00,000//- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पलैंद्र नं० 23, वर्चगेट मेंग्रान, 17-ए, रोड, धर्चगेट , बम्बई में स्थित है (ग्रीर जो इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करार नामा श्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध के लिए; और/मा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त. अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम क्री भारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡ अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत् :--- । श्री भारत कुमार खेतसी शाह

(ग्रन्तरक)

2. श्री नरेश चन्द बलवन्त सिह जैन

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स संपहिल के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेमित विकता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :----इसमें प्रयुक्त इाग्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया गया हैं के

जग सञ्जी

फ्लैट तं० 23, जो तीसरी मंजिल, चर्चगेट मेंगन, चर्चगेट को० भ्राप० हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, 17 ए, रोड, चर्चगेट, बम्बई-400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-1-17/37ईई/11015/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ड कियागयाहै।

> जे० मिलक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-1 ए, बम्बई

दिनोक: 6-7-1987

इक्ष्य बार्षं _स टी_{-स} प्रम_ा प्रम_{ानस}्त्राक्षक

काथकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-व (1) के स्थीत क्षमा

भारत शहकात शर्मात्रमः, सहायक नाम्कर मानुक्त (विश्वविद्या)

ग्रजीन रेंज-1 ए, वस्त्रई 🕠 बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

सं० म्राई; 1 ए/37ईई/200/13194/86-87 — भत: मुझे, जे० मिलक,

भावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) हिंजून इसके इसके परवात; 'उन्त किधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करेंगे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विश्वका जित बाबार मूक्ष्म 5,00,000/~ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ग्राफिस नं० 1001, मेकर चेम्बर्स, 221, नारीमन पाईण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्प में विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की नुशारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित एक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 5-11-1986

 पूर्वोक्य संपरित के जीवत बाजार मृत्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूनोंकर सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके बश्यमान प्रतिक्षत से ऐसे बश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से निषक हैं नीर शंख-रक (शंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) से शेष एसे अंब-रण के तिए तम पामा गया प्रतिकत, निम्निसिश्च उन्नयस्य से स्थल संतरण जिल्हा में नास्त्रविक स्थ से स्वीवस नहीं किया प्रशाह :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देचे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्कें विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, किया वे सुविधा वे सिद्ध

अतः अने, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—- श्री डोग्लास डीसोजा श्रीर श्रीमती बेटा डीमीजा

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती बासुमती पी शेथ,
 श्रीमती पुणिमा ए शेथ ग्रौर श्रीमती लीना ही शेथ।

(भ्रन्तरिती)

नके यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उवत बन्गतित के वर्षन के सरवन्ध में ओहां भी अरक्षय .---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जनिय ना सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनिय, को भी जनिय मां संभाष्त हाती हों, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो किसी स्पन्ति हुवारा;
- (ब) इस म्बना क राजधभ में प्रकाशन की तारीब ं बं 45 शिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्य किसी अन्य व्यक्ति स्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए बा सकेंगे।

अन्स्षी

म्राफिस नं० 1001, जो मेकर चेम्बेंम, 5 प्रीमायसेम को० ग्राप० सोसायटी लिमिटेड, 221, नारीमन पोइण्ट, अम्बई-400021 में स्थित है।

श्रमुस्ची जैंसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/ए/37ईई/10952/86–87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11–1986 को रिजस्टर्ड किया गया है

जै० मिलक, भक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-10, बम्बई

निनांक: 6-7-1987

मोहरह :

व्यक्ष वार् दी एक व्य : नव : नव

नाधकर निधनिसम, 1961 (1961 का 43) की धार्य भारा 269-च (1) के सभीन स्थना

भारत बरकाह

क।यन्तिया, सहायक आयब्कर आयुक्त (तरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1 ए, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

सं० श्रई-1 ए/37र्हर/201/14296/86-87- श्रतः मुझे, जे० मलिक,

अधिक र अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन मक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवन बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रीर जिपकी संख्या फ्लेट नं० 7, श्रानन्द निवास, '25 ए, रोड, मरीन, ड्राईव बम्बई में स्थित है (श्रीर जो इसमे उपाबद्ध' अनुसूची . में श्रीर पूर्णस्प से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, अ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधियारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, तारीख 7~11~1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य ते कम के उत्पान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार धूक्क, उसके द्वायान प्रतिकल में, एके दश्यमान प्रतिकल का कर्त्रह प्रतिक्षा से अधिक है कोर बंतरक (जेतरकों) और बंतर ती (अतिरित्यों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में संस्तादक क्ष्य से संधित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिवन के वचीन वार दोने के संसहस्य के शांक्षिय में कभी कारने वा उसके ब्यूपे में बृधिया के स्थित। और वा
- (च) एसी किसी बाब था किसी थन वा अन्य बास्तियों हो, चिन्हें भारतीय नाथकर जीविषयन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विविध्य, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उसत अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में. में, उसत अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री कृष्णा जो गुप्ता श्रीर
 श्री भास्कर जी गृप्ता

(अन्तरक)

2. श्रीमती मंजरी दिलीपनुमार

(ग्रन्तरिनी)

कार वह सुवना चारों काडके दुनोंक्स संस्थित के अर्थन से किन् कार्यवाहिको करता हूं। \

ज्या क्यारित के वर्षन के तुम्बरूध में कोई भी बाओर '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिंध या ससंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की धामील से 30 विन की सविध, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (स) इस सूचना के राजपत प्रकाशन को तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अभ्य व्यक्ति दुवारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिविद वे किसे था स्केंगे।

स्वाधिकरण :— इसमी प्रयुक्त सन्दों बीड पर्यों का, जो सब्दे विधित्रक के सध्याय 20-क शा प्रीरमध्यक हैं, वहीं सूर्य होना को अस्त अध्यात को है। क्या हैं

बनुसूची

फ्लैंट नं० 7, जो भ्रानन्द निवास को० भ्राप० हाउपिग सोसायटी, 25, ए, रोड, मरीन ड्रायव्ह, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1-ए/37ईई/10995/ 86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बे० मिलक, सक्षम प्राधिकारी, यहायक ग्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण), प्रजीन रेज-1 ए, बस्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्रकप बाईं.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जलाई 1987

सं० ग्रई-1ए/37ईई/205/13402/86-87 — ग्रत: मझे, जे० मलिक,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या ग्राफिस प्रीमायसेत नं० 215, मेकर चेम्बर 5, नारीमन पाइण्ट, बम्बई 21 में स्थित है (ग्रौर जो इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 260 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-11-1986

- (का) जन्तरण सं हुइ किसी आय की, बाबस, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयलर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथन अधिनियम, या ध्रा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्यारा प्रकर नहीं किया गया या किया अना धाहिए था, छिपाने ए प्रिधा के नियः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, राक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन िम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——
5—206 GI/87

 श्री इन्दर कुमार गुप्ता ग्रौर श्रीमती नीनादेवी ग्राय गप्ता।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० एल० गुप्ता

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करहा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में खोई थी नाकप रू-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, को बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किल्ल क्या हैं।

उन्स्ची

ग्राफिस प्रीमायसेस नं० 215, जो मेकर चैम्बर, 5, नारीमन पोईण्ट, बम्बई-400021 में स्थित है \cdot

श्रनुसूची जैश कि क० सं० ग्रई $-1-\sqrt{37}$ ईई/11049/86 87 और जो सक्षम प्राधिकारी हैं बम्बई द्वारा िनांक 13-11 1986 को रंजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलि**क;** स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक **ग्रायकर** ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1 ए, बम्बई

दिनांक: 7-7-1987

जायकर जीधातयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

मार्यासय, महायक कायकर भागक्त (निरक्षिण)

थार्जन गंज-1 ए , बम्बई

वम्बई, दिनांक 3 जलाई 1987

सं० अर्ड-ए/37ईई/206/13337/86-87 -- श्रातः मझे, जे० मिलक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उकत अधिनिदम' वहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावन संपति जिसका उचित बाजान मृल्य 5,00,000/-रापये से अधिकार है

ग्रौर जि की संख्या ग्राफि नं ० 913, हलामल टावर, 211, नारीमन पोडण्ट, बम्बर्ट 21 में स्थित है (ग्रौर जो २ भे पाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्य से वर्णित है) ग्रौर जि का करारतामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के ग्राधीन वम्बर्ट स्थित सक्षम प्राधिकारी है कार्यालय मे रिजस्ट्री है नारिख 10-11-1985

कां पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांत सम्पत्ति का रचित बाजार यल्य . उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितिनां) के बीच एये अन्तरण वे लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलितित उद्देश्य स मुक्त अन्तरण लिखित वास्तीवा असे के किए नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय धी या त उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्योजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

अतः अन्त, उत्कत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरणः मों, मीं, उत्कत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री जोगिन्दर हिंह याहनी

(अन्तरक)

2 में स राजेन्द्र पेटा काप्युर्टम

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भो आक्षंप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक मं प्रकाशन की तारौक्ष स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध निक्ती जन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्नाक्षरी के पास लिखित में व्याप जा सकरी।

स्पष्टिश्करण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

जनस्थी

ग्राफिन नं० 913, जो नवसी संजिल, घलामल टावर, 211, नारीनन पंडिण, बस्बई $40\,0021$ में स्थित है। श्रानुस्ची जैस कि क०स० पर्ड-10/3755/11016/86-37 प्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बी द्वारा दिनांक 10-11-1986 को र्शान्स्ट किया गया है।

जे० मितक, • 'क्षम प्राधिकारी ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) • प्राच**रंज 1 ए**, बंग्बई

दिनांक: 3**-**7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

269-व (1) के बधीन स्वता भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

र्स॰ ग्राई--1ए/37ईई/207/13331/86--87/--- ग्रतः मुझे, जे॰ मिलक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000// रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्या श्राफिए न० 404, तुलसीयानी चेम्बर्स, 212, नारीमन पोइण्ट्रा बम्बई 21 में स्थित है (श्रीर जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 10-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की नई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोबत सम्पत्ति का उजित बाजार बृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक कप सं कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के न्यए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आफितरों को. जिन्हीं भारतीर प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्किन्य के लिए;

1. श्रीमती गगा सी नीहालनी

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती मोहीनी ग्रार० मूरजानी ग्रौर श्री लक्ष्मन श्रार० मूरजानी

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुफ करता हूं।

उक्त सम्पात्त के उर्जन के सबभ में कोर्के भीआक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि का तरसवती व्यक्तिया पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविष नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हित-बर्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतो का. जा उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

ग्रांकित नं. 404, जो चीयो मजित, तुलसीप्राती चेम्बर्स 212, नारीमन पोईण्ट, बम्बई 400021 में स्थित है। प्रमुसूची जैता कि ऋ०स० ग्राई $-1/\sqrt{37}$ ईई/11012/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक <math>10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जें∘ मलिक, यक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1 ए. यम्बई

दिनाक : 6-7-1987

मोहरः

क ं भाव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रो, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क्रो अधी निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६৵─

इक्य बार्ड दी पुन . यस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत सहस्रह

कार्याक्षय. सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनाक 7 जुलाई, 1987 सं० ग्रई-1-ए/37ईई/208/13268/86-87-- अतः मुझे, भे० मलिक.

कारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सकाब प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित वाकार मुख्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिल्को संख्या रूम नं० 86, जोली मेकर चेम्बर्स न० 2, नारीमन पोइण्ट, बम्बई 21 में स्थित है (श्रौर जो इतमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूणरूप में विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 7-11-1986

को पूर्वा केत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का आरण है कि यभाप्यों क्त तपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रियक एप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मियन के ज्ञान कर दोने 16 अम्परक की बाबिल्य मों कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए, और /या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्ही भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ सन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गंभा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण वें. में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

- 1. एक्सेल भ्रपेराल्स एक्सपोर्टम प्राइवेट लिमिटेड (भ्रन्तरक)
- 2. डी॰ जी॰ टल इलैक्ट्रोनिक्स लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच व 45 विन की जविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याप्त,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हर से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपस्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, भी उपल विश्वितयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसूची

रूम नं० 86, जो जोली मेकर चेम्बर्स नं० 2, नारीमन पोइण्ट, बम्बई 400021 में स्थित है।

श्चनुसूची जैंसा कि ऋ०सं० श्र $\frac{1}{2}-1/\Gamma/37$ **६**ई/10984/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकरज भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-1 ए, सम्बई

दिनांक: 7-7-1987

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 बम्बई

दिनांक 3 जुलाई, बम्बई 1987

सं अई-1 ए/37ईई/209/13226/86-87-- अतः मुझे, जे॰ मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित वाजार मृल्य

1 00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या आफिस नं 707 में 30 प्रतिशत हिस्सा,
रहेजा सेंटर, नारीमन पोइण्ट, बम्बई 21 में स्थित है (और
जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णेस्प से विणित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-11-1986

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिफल क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए. जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अदः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उत्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) क सभीन विनम्निसिक अधिनयों, सभीत केन 1. श्रीमती पुष्पा जयन्ती लाल शाह

(अन्तरक)

 मैसर्स केमिलिंग इनबेस्टमेट एण्ड ट्रेडिंग को० प्राइबेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना बारी करके पृत्रोक्त अस्थित के वर्जन के जिल कार्यवाहियां करता हो।

उपरा सम्मरित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन को तन्तीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण. -- ६ समे प्रयुक्त झन्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्रीमायसेस नं० 707 में 30 प्रतिशत हिस्सा, जो सातवीं मंजिल, रहेजा सेंटर, नारीमन पोइण्ट, बम्बई— 400021 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि सं अई-1-ए/37ईई/10969/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

दिनाक: 3-7-1987

प्रकृष बार्षं. टी. एन. एस्.-----

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाक्का (दिनरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

सं० अर्द-1 ए/37र्ह् $\frac{1}{2}$ /210/13225/86-87:--अतः मझे, जे० मिलक,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं 145, मेकर चेम्बर्स, 6 नारीयन पोईन्ट, बम्बई 21 में स्थित है (ग्रांर जो इसमे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6-11-1986

- (का) अन्तरण **से हुई किसी आय की पास्त, उक्त बाधिनियम के अधीन कर** देने व्यं अन्तरक अ वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिक्स, या भन-कर अधिनिक्स, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में सविधा के किए; और/वा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नारायण सिंह एण्ड को०

(अझ्तरक)

2. श्री श्रीकृष जींदाल और अन्य।

(अन्तरिती)

को वह त्याना बार्य करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षत के क्रिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

तक्ष सम्पत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई जी बासने अ---

- (क) इस मुचना के शब्यून में प्रकाशन की तारीन है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बद्दीय बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्णीकत ज्वासितमा में के किसी न्यक्ति स्वारा;
- (च) इत स्वाम के राष्प्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पथ्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पदों का, को उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसुची

आफिस नं 145, जो मेकर चेम्बर, 6, प्लाट [नं० 220, नारीमन पोइण्ट, बम्बई-400021 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्र० मं० अई-1ए/37ईई-10968 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 ए, बम्बर्ध

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कादिलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 जुलाई 1987

सं० अई--1-ए/37ईई/211/13355/86-87:-- अतः मुझे, जे० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या आफिस नं 708, तलामल टावर, प्लाट नं 211, नारीमन पोइण्ट, बम्बई 21 में स्थित है //और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 11-11-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण जिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा या किया जाना धाहिए था, छिनाने में मुखिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरक मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निमालिकित व्यक्तियौं अर्थात् -- मैसर्स एम० गोपाल दास एण्ड को ।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स फीयानेक्स फोटोटाईप सेटर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर ्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों. ज निष्ट पाविह व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणं: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मादिया गया है।

अन्स्ची

आफिस नं 708, जो मातवीं मंजिल, दलामल टावर, प्लाट नं 211, नारीमन पोइण्ट, बम्बई-400021 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संरु अई-1 ए/37ईई/11027/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

जै० मिन क सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 8-7-1987

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1987

सं० अई-1-ए/37ईई/212/13396/86-87— अतः मुझे, जे० मिलक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-राज्य से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं 113, ए विंग, मिट्टल कोर्ट, प्लाट नं 224, नारीमन पोइण्ट, अम्बई 21 में स्थित हैं (और जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री जहै, तारीख 12-11-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय विक्षण ताल्क, बंगल्र में धारा 269ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/ के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दिश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, के जिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स आश्वीन एण्ड सन्स।

(अन्तरक)

2. बोलकार्ट फलेमिंग णापिग एण्ड र्याविसिस लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्वी

आफिम नं 113, जो ए विग, ग्यारहवीं मंजिल, मिट्टल कोर्ट, प्लाट 224, नारीमन पाइण्ट, बम्बई-400021 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1-ए/37ईई/11044/86- 87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-11- 86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जे० मिलक, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1ए,बम्बई

दिनांक: 7-7-1987

प्रस्य बार्ड् _{ले} टीं <u>प्रत्य प्रस्थ</u> •====

बागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) छीं धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, वृद्धानक मानकत मानुक्त (विद्वासिक)

ग्रर्जन रेंज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

म्रई-1ए-37ईई/213/13315/86-87:-- म्रतः

मुंहो, जे० मिलिक, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के पश्चात् 'उक्त अधिनिक्स' कहा गया ही, की भारा .69-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने

ा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य ,00,000∕- रा. से अधिक है

भूगैर जिसकी संख्या भ्राफिस प्रीमायसेंस नं० 616, दलामल निवर्स, 211, नारीमन पोइण्ट बम्बई 21 सें स्थित हैं (और इससें उपाबद्ध भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-11-1986

ा प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान तफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास रने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाबाइ .. उसके क्ष्यमान प्रतिचक्ष से, एसे व्ययमान प्रतिकक्ष का , प्रतिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती .स्तरितियों) के बीथ एसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिन न निकासिया उन्हों किया क्या इंडिंग्-

- (क) अन्तरण में हुइ किसी जान की बाक्छ, अक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अभिगृह बार/धा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तिय। को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त विधिनियम, या भनकर विधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जाना वाहिए जा कियाने में स्विधा जे जिए?

- 1. कमल छनैक्ट्रोनिक्म एण्ड इंजीनियरिंग लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 2. इण्डस्ट्रियल क्रेडिट एण्ड डेबलपमेंट सिडीकेट लिमिटेड (श्रन्तरिती)

और वह सूचना जारी करलें पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भवन् के संबंध में कोई भी बाक्षप 🕮

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की वाही कर्ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्थानिक स्था प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को जबक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सदा है अ

अनुसूची

श्राफिस प्रीमायसेस नं० 616, जो छठवीं मंजिल, दलामल टावर्स, 211, नारीमन पोइंट, वम्बई-400021 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ने स्र्वं श्राप्त्री 37 ईई-1004/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्रकाप काष् . टी. एत. एस., -----

1.. श्री पाल एम० चन्दानी

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० के० साव्हने

(भ्रन्तरिती

भायक दुर्म[भागियम । 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के लभीत सुकता

माइत वहकाड

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त निरीक्षण)

भर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

सं॰ ग्रई-1ए/37ईई/214/13327/86-87: --- ग्रतः मुक्ते, जे॰ मिलक,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पा वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका उधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं आफिम नं 53, की प्रैम हाउस, प्लाट मं 215, नारीमन पोइंट, बम्बई 21 सें स्थित है श्रीर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रियी। बम्बई स्थित सक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 10-11-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित आजार मल्क उसके देवसमान प्रतिकाल से, एमें स्वयमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिकती (अन्तरितियों) के दीध एमें अन्तरण के लिए सुर पावा गया प्रतिकाल, निम्नलिखिल उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दंने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- िश एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-रार्थ जंतरिती द्यारा प्रकट नर्शी किया गया था किया थाना भाषित था छिपाने में सुविधा के निए?

को थह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्धन के कि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के श्रेवंध में कोई भी आक्षेप ह— 🕫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि, को जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्.. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थार;

स्यक्तीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो : व्याधीनयम् के अध्याय 20-क में परिमाणि हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ि गया हो।

अन्स्ची

म्राफिस नं∘ं53, जो पांचवीं मंजिल, की प्रैस हा. प्लाट नं∘ 215, ब्लाफ 3, बेकवे रीक्लमेशन स्कीम, नारीम पोइंट, बम्बई 400021 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई 1ए/37ईई/1101 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिन 10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> जे० मलि. सक्षमप्राधिकाः हायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण म्र्जन रेंज 1 ए, बम्ब

दिनांक: 6-7-1987

<u> म</u>हर:

अतः अब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— प्रकप नाद<u>्वै हो एक एस _अन्यन्त्र-</u>

शांशकर वर्ष्ट्रभिनियम , 1961 ((1961 का 43) की भारा 269-भ (1), के बभीन सुचना

भारत बच्चार

भागांतव, सहायक वायकर वायुक्त (निद्धीक्षक)

श्रर्जन रेंज 1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1987

सं० श्रई 1-ए/37ईई-215/13260/86-87.- प्रतः जे० मलिक,

ैं शांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा न्या के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कि देश कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 0,000/- रु. से अधिक हैं

्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य कम के स्थमान कि के लिए बन्तरित की गई है बाँर मुम्हें यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार उसके स्थमान प्रतिफल के, एसे स्थमान प्रतिफल का तिसक से बीधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिता रितियों) की बीच एसे अन्तर्ज के लिए तय पाया गया प्रति- म्हिनिविद उद्देश्य में उक्त बन्तरण निविद् में बास्त- म से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी शाम की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/शा
- (क) दोसी किसी भाग या किमी धन या जन्य वास्तियों की, जिन्हीं भारतीय सायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया भाग जाहिए था, कियाने में तुविभा के सिद्धः

: अ॰ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की खपभारा (1) भि, निक्तिसित व्यक्तियों , अधीर् ः—- 1. श्रीमती काता झंगीयानी।

(भन्तरक)

2. श्रीमती ग्रंजानी जसवानी।

(भ्रन्तरिती)

को नइ स्थना कारी भारको पूर्वोक्त संपत्ति को अर्थन को जिय कार्यकाहियां सुक करता हो।

च्यत इस्पोद्ध के बर्जन के सम्बन्ध के कोड़ें भी वाक्षेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अप 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जयिष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इहं सूचना को राजपण में प्रकाशन की छारीच से 45 दिन को भीतर उन्देह स्थावर संपरित में हितबहुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किसर वा सक्ति।

स्वक्योकरणः ----दसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, को कथन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

મનુસુલ)

प्लैट न० मी०-10, जो संगम भवन को० श्राप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, कोलाबा, बम्बई-400005 सें स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-10/37ईई/1097 /86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 ए, बम्बई

दिनांक: 6-7 1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, बहायक आयुक्त आयुक्त (निर्दाक्षण)

ध्रजीन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 198

सं० म्रई-1ए/37ईई/216/13678/86-87:-- श्रतः मुझे, जे० मिलक,

बावकर विधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/म रा. से अधिक हो

और जिसकी संख्या आफिस नं. 29, दूसरी मिजल, जोली मेकर चेंबर नं. 2, नारीमन पोर्झट, बम्बई-21 में स्थित हैं (और जो इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क स के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उच्चेष्य से उनत अन्तरण लिखित भास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण चं हुई किसी आब की बाबस, ठवड नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में अभी करने वा उठके वथने में सुविभा के लिए; वाह्य/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिवधा के लिए;

ा. श्री रामचन्द नारायण दास ।

(म्रन्तरक)

2. श्री महेश ग्रार जेण्यलानी।

(भ्रन्तरिती)-

को यह बुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित के वर्षन के ि., कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के तंत्रंभ में कोई भी बाओप र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिस्यः — इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पद्मों का, जो बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस नध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

श्राफिस नं० 29, जो हुमरी मंजिल, जोली मेकर चेंबर नं० 2, नारीमन पोईट, बम्बई 400021 सें स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-1 ए/37ईई/11196/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

जे० मलिक, मक्षम प्राधिका री महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1 ए, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिखित व्यन्तियों, अर्थात् :---

प्ररूप आइं.टी. एन. एस. -----

बायकर बाधिनवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

TISH SEEM

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जलाई 1987

सं० श्रई—1-ए/37ईई/218/13635/86-87:— श्रतः मुझे, जे० मलिक,

बायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकें प्रचात 'उक्त विभिन्नम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काउन हैं कि स्थावर सम्पत्ति. विश्वका उपित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या श्राफिस नं० 55—सी, सी० विंग, मिटल टावर श्रीमायसेम नारीमन पोइण्ट, बंम्बई 23 में स्थित हैं श्रौर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25—11—1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का करन है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूख, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का विश्वास से अधिक है बार अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरन के लिए तब पावा गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

हुँकों सम्बद्धण सं हुए किसी मान को नामत स्थव समितिया में समीत कह योगे के सम्बद्ध के क्षतिया में कभी कहने या उत्तरे समाने में सुनिधा को सिए; बीए/सा

(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में तृषिधा औ लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :-- 1. विनम डायमोण्डस ।

(भ्रन्तरक)

2. एसकेडी लीसिंग एण्ड इनवेस्टमेंटस प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से 45 दिन की जनिष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त बन्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

श्राफिस नं० 55-सी, जो पांचवीं मंजिल, सी० विंग, मिटल टावर प्रीमायसेस को० श्राप० सीसायटी, लिमिटेड, नारीमन पोइंड बम्बई-400023 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैंसा कि क्र सं० श्रई-1 ए/37ईई/11189/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 25-11-1986 को रिजस्टडं किया गया है।

जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 ए, सम्बर्द

दिनांक: 7-7-1987

मोहरः

प्ररूप बाईं ु टी ु एन . एस ., ********

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के बभीन स्चना

भारत सहकाह

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज 1 ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

सं० ग्रई-1ए/37ईई/219 13202/86-87:---श्रतः मुझे, जे० मलिक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 801, जमुना सागर बिल्डिंग, कोलाबा पोस्ट ग्राफिस के सामने, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रौर जो इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-11-1986

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रातिफल ने निम्नितियाँ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है के

- (फ) मंतरण से हुई किसी बाय की बायत. उकत विधिन्यम के अधीन कर दोने के बंतरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- ्क) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आनिस्तर्यां का, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

विता वर उस्त विविधित्य की धारा 269-म में बनुसरक के, कें, उस्त विधित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीत, निम्नसिवित प्रश्निक करें 1. सरदारनी धरम कौर पस्रीचा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती इन्दिरा ग्रनुश्का पास्टला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादिया करता हुं।

उक्त सम्मत्ति में बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष 🏗

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीख वें 45 दिन की जनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्द व्यक्तिस्में में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकाँगे।

रपष्टोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियसः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैंं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 801, जो, ग्राठवीं मंजिल, जमुना सागर बिल्डिंग, कोलाबा पोस्ट ग्राफिस के सामने, कोलाबा, बम्बई— 400005 में स्थित है।

ग्रनसूची जैंसा कि ऋसं० ग्रई-1-ए/37ईई-1095886-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रजैन रेंज-1 ए; बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप कार्द् .टर्। .एन .एन . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, दहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

मं० ग्रई-1 ए/37ईई/220/13204/86-87 — ग्रतः मुझे, जे० मिलक,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मू, 00,000/- रूपय से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या श्रपार्टमेंट नं० 403, भक्तवार, कोलाजा पोस्ट श्राफिस के सामने, बम्बई 5 में स्थित है (और जो इससे उपावद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-11-1986

को पूर्वेक्ति सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कर प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिंद्याल मन्याया के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

 की० तरण कुमार मुकर्जी श्रीर सारती मुकर्जी

(ग्रन्तरक)

 के० मेहरनूश ग्रार० खजीतिया ग्रीर झीनीया एम० खजीतिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य महिया भरता हों।

उक्त गंणीत को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरण:---इसमी प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है,

દાનુ મુધ્યી

श्रपार्टमेंट, नं० 403, जो चौथी मंजिल, भक्तवार, कोलाबा, पोस्ट श्राफिम के सामने, बम्बई-400005 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ सं० श्रर्द-1 ए/37ईई/10960/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज 1 ए, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

प्ररूप आहें टी.एन.एस ..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1 ए, बम्बई यम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

सं० प्रर्ह-1 ए/37ई5/221/13207/86-87:—श्रतः मुझे, जे० मिलक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृत्य 1,00,000//- रु. से अधिक हें

श्रीर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 13, मेकर टावर ए, बेकबे रीक्लेमेशन, कफ परेड, बम्बई 5 में स्थित है श्रीर जो इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 6-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्रूप से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थाप्त्रोंक्ष सन्मति का उचित बाजार मूल्य उसको दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती [बंतरितियाँ] के बीच एसे बंबरण के जिए तब पावा नवा प्रतिक क्या निम्निसित उद्देश्य से अकत कन्यरण शिचित के वास्तिक क्या है कथित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरम श्रं (हुई विक्षी नान की नान्त नक। भीधिनियम के स्थीन कर दोने के सन्तरक के द्वीयत्व में क्ष्मी करने या उन्नये स्थने में सुनिया के किए। और/या
- (क) इसी किसी बाद वा किसी धन वा कर्य आस्तियों को, चिन्हों आरतीय वावकर विधिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, स्प धनकर विधिनवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना वाहिए था, कियाने के इतिका के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा "'*) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मेकरस डेवलपमेंट सॉविसिस प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- मास्टर मनीश रनबीर मेकर (डा० रणबीर के सुपुत्र)

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया कुक कर्यता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (अ) इत सूचना से ध्वपन में प्रकाशन की धारीय वें
 45 दिन की बद्धीभ या श्रत्सम्बन्धी श्र्यक्तियों पर
 सूचना की धामील से 30 दिन की बद्धीभ, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य
 क्षित्रयों में से किसी स्पवित युवाय;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी मन्य म्यक्ति द्वारा नभाहस्ताक्षारी के पास सिवित में किए या सकेंगे ।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर व्यक्तिनवर्ग, नौ मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस मध्याय नौ दिवा पना हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 13, जो पहली मंजिल, मेकर टावर ए, प्लाट नं० 73 ए, 74, 83, 84, 85, ब्लाक 5, बेकबे ृरीक्लेमेशन, कफ परेड, बस्बई 400005 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं॰ ग्रई $-1/\sqrt{37}$ ईई/10961/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 ए, बम्बई

दिमांक : 6-7-1987

मोहरः

प्रकृतार्' टी. पुर् प्रवृत्तान्त्रान्त्रान्त्रान्त

बायकद्र वृधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत तरकाह

कार्यालय, सहायक आध्यक्त श्रायक्त (विरक्षिण) श्रापीन रेंत-1, बस्बई

बम्बर्ष, दिनांक 6 जुलाई 1987

निर्देण सं० 1-ए/37ईई−222/13262/86−87−-श्रतः मझे जे०मलिक

वानकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-या को अधीन सक्षम प्राधिकारों की वह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 5,00,000/- रहः से अधिक है

श्रौर सिकी सं० फ्लैंट नं० 44 मेकर टावर एल० कफ० परेड बम्बई 5 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, श्रोर िसका

करारनामा श्रायकर घधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याचय में रिस्ट्री है तारीख 7-11-1986

क्षे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति नाजार मृन्य से कम के ज्यसमन शितकल के लिए अन्तरित को गई है और मृत्ते यह विश्वास कश्नै का कारण है कि यमापृत्रों कत संपत्ति का उक्ति नाजार मृन्य,, उसके रूपयान प्रतिफल ते, एंचे ज्यमान प्रतिफल के पंक्ष प्रतिस्ति से निभक है और वंतरक (नंतरकाँ) और वंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एंसे अन्तरण के निए तय प्रया गया प्रति-कता, निम्ननिवित उद्देष्य से उक्त कन्तरण मिवित में वास्त्र-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिल्हा और/का
- (क) एसी किसी नाम या जिसी धन या नम्भ आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनम्भ, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा भा भा किया जाना चाहिए था, जिनमें के सुनियभ की तिया:

अत: अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
7—196 GI/87

- 1. श्री राजेन्द्र नाथ छड**्झौ**र श्रीमती रोमोला छडा (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती अंजु राम त्न्द्र झंटानी (श्रन्तरिती)

कों बहु सूचना बारी करके पृथानत सम्महित की वर्षन के विधः कार्यनाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की जनभि या तस्त्रवंभी व्यक्तियों नड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (अ) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिरिचन में किए जा सकेंगे।

स्यक्छिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

"फ्लैंट नं० 44, जो मेकर टावर एल० कफ परेड, बस्बई 400005 में स्थित है।

श्रमुखी जैसा कि कर संरु सई-1ए/37ईई-10980/ 8:-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-86 को रिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मितक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण). प्रजैन रेंज-1-ए बम्पर्य

दिनांक : 6-7-1987

अग्रिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रें 1्री, बम्बई

बम्बद्द दिलांक 6 ज्ञाई 1987

निर्देश सं० ग्रई-1-ए/37ईई-223/13107/86-87---भ्रतः मुझे जे० मलिक

व्यायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रकान 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26% व के व्यभिन सक्तम एथिकारी को, यह विश्वास करने का फ्रास्प कारण है कि स्थाइर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर िसका सु० श्राफिस नं० 202, 203 मैकर टावर एफ कफ गरेड बम्बई 5 में स्थित हैं (श्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णन्य दें विश्त है) श्रीर िसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई रिधत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिट्टी हैं तारीख 3-11-1986

को पूर्वोक्त नम्पित के उभित बाजार मृत्य ये कम के शश्यमान प्रित्रिस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निवनास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पृत्ति का उभित बाजार शृंख, उसके स्वस्थान प्रतिकत्त्व से एोंसे कामगान प्रतिकत्त का यन्त्रह प्रतिक्रत से विश्व है और बंदरक (बंतरका) और बंदिती (बंति। तियों) के बीच एोड़े बन्डरन के निए तम नाम नया प्रति-यान विश्व कि सम्बद्धिक के क्या में कि कि सम्बद्धिक के बाक्डिक क्या से किथल नहीं किया नया है है—

- किः कन्यप्रथ चं क्षू इं किसी बाद की बावक सक्त कि। 'नियम के अभीन कार दोन के कलरक के दायितक धा कारी कारत का उसमें क्कने में स्विभा के नियम कीक/बा
- (ल) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का. धिक् के अध्येत साम्रक अधितियम, 1022 (1322 का 21) ना सत्त किसी बाम्र के भागित्रका, का भागित्रका, का भागित्रका, 1057 (1957 का 27) धी जालना के अधितियम, विश्वा प्रथम अध्येत कहीं किस प्रथम प्रथम के लिए;

अतः अवः त तः अधिनियम का भारा 269-ग के अन्मरण म. मी. उन्त आधिनियम का शारा 269-ध की उपधारा (।) म. अातः, निम्नस्थिति व्यक्तियो, अर्थातः— मेकर एण्ड मेकर

(भ्रन्तरक)

(2) केनरा बैक

(ग्रन्तरिती)

को यह सुधना चारी करके पृवॉक्त संपरित के अर्जन के लिए। कार्यनाहिया गुरू करना हुए।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई नी बासोप ह-

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहिस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पद्धिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

श्राफिस नं ० 202, 203 जो बीसवी मंजिल मेकर टावर एफ प्लाटनं ० 73ण, 74, 83, 84; 85 वर्गक 5, कफ परेड, बम्बर्ट 400005 में स्थित है।

श्चनसूची जैसा कि क० स० श्चर्ड-1-ए/37ईई/10919/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाक 3-11-1986 को रिस्टई किया गया है।

> जे० मलिक, मक्षम प्राधिकारी, महायक सायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज-1ण् बस्दई

दिनाक: 6-7-1987

व्यक्त वार्^त, री. एम . एस_{्र} । =========

बारकर विश्वतिका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्वता

शास्त्र सुच्छात्र

कायालय, सहायक बायबार बाब्क्य (विरक्षिक)

श्रर्जन रेज-१-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

निर्देश स० मई-1-ए/37ईई-224/13646/86-87--भ्रत: मुझे जे०मिलक

काषक ए मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इटके पच्चार 'उसस मीमिनियम' कहा पता ही, की पारा 269-ज में अभीन समय प्राप्तिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण ही कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं कौर विस्कृति सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्रांफिस नं० 44 बजाज भवन, नारीमन पोइन्ट बम्बई 21 में स्थित है (भ्रौर इसमें उपायद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप में विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है तारीख 25-11-86

को प्रांचित संपर्ति के विचित बाजार मृत्य से क्षत्र को स्वयमाम शितका के तिए जन्दित की पर्द हैं बीर मुक्ते यह विश्वशस केरने का कारक हैं कि समाप्नींबत सम्मित का जिलत शालार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिकल के, एसे ध्वयमान प्रतिकल का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीकों) के बीच एसे जंतरित के तिस् श्व पाया क्या प्रतिकल का सम्मितिकां) के बीच एसे जंतरित के तिस् श्व पाया क्या प्रतिकल के विकास के विकास का कि विकास के कि कि साम कि देन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अधने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चे सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिश्वित अधिकरयों, अर्थात्:—

- श्री बेकटेण स्टील रोलिंग मिल्म (पी) लिमिटेड (भन्तरक)
- (2) मैंसर्भ श्रारेन ग्रंडवरटाइजग (पी) लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हूं।

व्यत कम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध वी कीर्य ही बार्क्य :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिर्वेश में किए या सर्वेग ।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के विध्याय 20-क में यथा परिभाषिष्ठ है, वहीं वर्ष होगा को उस विभाव में विवा वया है।

प्र**न्**सूची

श्राफिस नं० 44 जो चौथी मंजिल; बजाज भवन; नारीमन पोईन्ट, बम्बई, 400021 में स्थित है।

श्रनुसूचि जैसा कि कं मं श्रई-1-ए/11195/86-87 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक मझम प्राधिकारी महायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 6-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 जुलाई 1987

निर्वेग स० धर्द-1-ए/37ईई-225/13169/86-87---अत. मुझे जे० मलिक

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000∕-रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० अएफ हार्बर हाईटस बी० कोलाबा बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर जो इसमें उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्णकप में विणित है) श्रीर िसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन अम्बई स्थित मक्षम श्राधिकारी के कार्यान्य में रिस्ट्री है तारीख 3-11-1986 को पूर्वाक्ति संगरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान श्रोतफल है लिए असरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने

प्रातिफल हे लिए अतिरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर किधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा चै सिए॥

अतक्ष अंब अवत अभिनिधम की धारा 269-ग के अनुबरण में, मैं, अवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 मैमर्म मिल्मन

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स श्रोमील्बी बेनमन एण्ड माथर प्राईबेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकर्गे।

स्पष्टीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्स अधि-नियम के अध्याय 20-कूमें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्ची

फ्लैंट न० 3एफ जो तीसरी मजिल, हार्बर हाईटस बी, कोलाबा, बम्बई 400005 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-1-ए/37ईई-10938/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 33-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक, स**क्षम** प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेज-1-ए, बम्बई

दिनांक 6-7-1987 मोहर: प्ररूप आर्ड ्टी . एन . एस . ------

 श्रीमती बाची डी० कलक, कुमारी मेहर डी० कलक भ्रौर श्री भ्राटी डी० कलक

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भारती कोठारी

(भन्तरिती)

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

ेबम्बई, दिनांक 6 जलाई 1987

निर्देश सं० श्रई-1-ए/37ईई-226/13172/86-87—श्रतः मुझे: जे० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रांधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाकार मृष्य 5,00,000/~ रापये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ं पलैट गं ं 33-डी, डायल महल, दलामल पार्क, 223, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर जो इसमे उपाबद्ध प्रनमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिल है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के इष्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पा। नया गया प्रतिकल निम्नलिखित उब्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त . अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्वितियों, अर्थातु :--- को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पह स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्षिण बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियंस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमनची

पलैट गं० 33-डी, जो तीसरी मंजिल, डायल महल, दलामल पार्क, 223, कफ परेड, बम्बई 400005 में स्थिति है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि के सं श्रह-1-ए/37ईई-10944/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 1-ए बम्बई

विनांक 6-7-1987 ⁻मोहर प्ररूप् भार्चे दी . एन . एस . ------

नाम कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर जायुक्त (निराक्षण)

श्रजन रेज 1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 जलाई, 1987

देश स० ग्रई-1-ए/37ईई-227/13178/86-87---त. मुझे जे० मलिक

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपक्षि जिसका उचित बाजार मृल्य

5,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट ग० 73, उहर-नाज, 91, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर जी जिससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित स्क्षम भ्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-11-1986

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रसिक्षल के लिए अतिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान पितफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-दिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत', उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आह्र/या
- (स्त) एंसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

आतः। शव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 239-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभी र -

- (1) श्रीमती झांशा वसाल झौर श्री झरविन्द दलाल (झनीरक)
- (2) श्री सोली ए० मोडी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंगत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की सारीक स 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-मव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कार्ज्यों और पर्वो वा, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

4न्त्र्यों

फ्लैट नं० 73, जो सातवी मंजिल, मेहर नाज, 91, कफ परेड बम्बई, 400005 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-1-ए/37ईई-10946/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1986 को रजिस्टङ किया गया है।

> जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1-ए, बम्बई

दिनांक 6-7-1987 मोहर

अस्य जाड<u>ी, टी, युग, युग, ल्ल्ड</u>र-ल्ल्ब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वे सभीन स्चना

भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज 1-ए, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 जुलाई 1987

निर्देश स० ग्रर्ड-1-ग्/37ईई-228/13154/86-87—ग्रत: मुझे, जे० मलिक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूका 1,00,000/- रुपये में अधिक हैं

भौर जिनकी सं० फ्लैट गं० 191, जोली मेंकर, ध्र्पाटमेंट नं० 3, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (भ्रौर जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1986

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रीतफान के जिल् कन्तरित की नहीं हैं जौर मुखे यह विकास अस्ते का कारण हैं कि बचाप्योंक्य सम्मत्ति का उचित काबार कृष्य, उसके स्वयमान श्रीतफान के एचे स्थवान श्रीतफान के कृष्य प्रतिकृत संकृषिक हैं जौर मंचरक (मंचरकों) और संवरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया थया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई निश्ती नाम की नामरा, उक्त अधिनियम के संधीन कर योगे के अन्तरण के , वार्थित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा आर/मा
- (था) प्रेची किसी जाम ना किसी धन वा करून नाम्बनी की जिन्हों भारतीय आयकर निधित्यम 1922 (1922 का 1!) या उकत अपिनियम, या धन-कर निधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनाथ जन्मिती धनार अनद नहीं किया नयर ना किया नामित कार्या का किया नामित कार्या का किया नामित कार्य का मिन्द्र कार्या कार्या का किया नामित कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य क

कत. अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भे, मे, उसत अधिनियम की धारा 269-ग की समधारा (1) क अधीन, निस्तिवित स्पीयतवाँ, वर्वात् क्ष--- (1) सोली ए० मोडी

(भन्तरक)

(2) कें ॰ पी॰ इलेक्ट्रीकल्य प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सन्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवृधि, जो भी अवृधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी स्ववित्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोगे।

स्पन्नीकरणः --- इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट बिधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। च्या है।

नगुसूची

फ्लैंट नं० 191, जो जोली मेकर श्रपाटमेंट नं० 3, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई 400005 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-1ए/37ईई-10934/86— है 87 भीर जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 3-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जि० मिलिक सक्षम प्राधिक महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) • श्रर्जन रेज 1-ए,

दिनांक : 6-7-1987

मोहर

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

आगकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 प (1) के विभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज-1, वस्वई

बम्बई, दिनांक 6 ज्लाई 1987

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा \$69- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्नौर जिनकी म० ग्रपार्टमेट न० 7, गीरधार निवास कोडोमी-नीयम, गहीद भगतिनह रोड, बम्बई 5 में स्थित है (श्रौर जो इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रिजस्ट्री है तारीख 3-11-1986

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जार मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह (तिकत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिलिक में अरतियक रूप में अधित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण मं हुई किसी बाय की शहरत, उचल कमिनियन के अभीन कर को से सन्तरक के समित्य में कभी करने या बस्ती क्वन में सुविधा के लिख; अन्तर था।
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जाय-कर जीवनियम, 1922 (1922 की 11) वा उक्त जीवनियम, या धन-कर जीवनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गरा नी या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अधित .--- 1 मूलचन्द विश्वनदान श्रष्ठवानी श्रौण श्रीमती भागवन्ती मूलचन्द श्रष्ठवानी

(भन्तरक)

(2) कल्पना श्रर्षना मोहन श्रौर कुमारी प्रीती मोहन उर्फ बीटा श्रोगरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीता प्रविक्त स्थिता में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों
- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा वधाहस्ताकारी के शक्त स्थावर में किस का बकी ।

अनुसूची

श्रपार्टमेट त० 7, जो पहली मजिल, गीरधार निवास कोडो-मीनिया, $19/\sqrt{1-17}$ जी, शहीद भगतिंसह रोड, बम्बई 400005 में स्थित है।

श्रनुसूची जैभा कि के० स० श्रई-1 ए/37ईई-10933/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाक 3-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक सक्षम प्राधकारी हहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1-ए, बस्बई

दिनाक 6-7-1987 मोहर

THE STATE OF STREET

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन ब्यूना

1 श्रीमती रीतू रनबीर मेकर

(झन्तरक)

3 केनेरा बैक

(ग्रन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1-ए, बस्बई बस्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

निर्वेश सं० म्नई -1-ए/37ई -230 /13108/86--87-म्नतः भूभे, जे० मलिक

सावसर सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ५समें इसमें पश्चात् 'उन्त निथिनियम' नहां गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयाम करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं आफिस नं 201-ए, मेकर टावर एफ कफ परेड बम्बई - 5 स्थित है (भीर इसने उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप वर्णित है) जिसका करारतामा भावकरमधितियम, 1967 की धारा 269 क, ख के अधीत स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-1986

- (क) जन्तरण से हुद्दे किसी जाम की वाबत, उक्त जिल्लाका, विजयीत कार जोने की प्रतारक से वामित्व में कभी करने का उराजे स्थाने में सुनिधा वे जिए; जीर/वा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या सम्य आस्तिको को, जिन्हों भारतीय लाय-कर किमिनयम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त व्यधिनयम या कन-कर, अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारमार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया क्या था का किया काना काहिए था, दिल्याने में क्या की किया किया की किया किया की किय

की बहु सूचना कारी करके पूर्वोक्त इस्पत्ति के अर्थन् के जिल्ल कार्यनाहियां शुरू करता हुं ।

वयत बंपति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ये ---

(क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन की श्रवधि वा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नागील से 30 विन की स्वर्धि, को बी संवर्धि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृत्रीक्त स्वर्णम्लयों में से किसी व्यक्ति ब्वाधाः

[व] इस स्थान में रायपन में प्रकार की तार्रांत हैं
45 किन में ग्रीवर क्या स्थापर कम्परित में हितवहुध देखी कम्प मानित हुगारा अधोहस्ताक्षद्वी में राष्ट्र शिवत में किए जा वर्षों में !

क्ष्यक्षीकरण : -- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पद्यों का, को जनते वैचितियन, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना, को एस अध्याय से विका मधा है।

मगुत्र

न्नाफिस नं० 201-ए, जो बीसवीं मंजिल, मेकर टावर एफ, प्लाट नं० 73-ए, 74, 83, 84, 85, कफ परेड, बम्बई 400005 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं०अई-1-ए/37ईई-10920 /8.6-87 और जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-86 को रिजस्टर्ड किया गया ।

> जै० मलिक सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज 1-ए, **क्षम्बर्**

श्वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :—-8—-206GI/87

विनांक: 6-7-1987

भोष्टरः

प्रकथ बाहै. टी एन एस ----

बायकार विभिन्यम. 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीत सुवना

हारत बरकारं

कार्यासय, सहायक कायकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंत रेंज 1-ए, बम्बई बम्बई, दितांक 6 जुलाई 1987 िर्देश सं० श्रई-1-ए/37ईई-231/13144/86-87----बत: मुझे, जे० मलिक,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्ट पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 191, जोली मेकर प्रपार्टमेंट नं० 3, फफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर जो इसे उपा- बक्र प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करार- नामा ग्रायकर ग्रधि: यम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधी । बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-11-198

को प्रवीक्त सम्पत्ति को अचित बाजार मूल से कम को द्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विषयास करने का कारण है कि यथ्गपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंगरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधि-नयम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एस किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिका को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा औ सिन्;

बतः बच्च. उक्त बिधिनियम, की धारा 269-न के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के को अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :→→ 1 सोली ए० मोडी

(ग्रन्तरक)

के० पी० इलेक्ट्रीकल्स प्रायवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्वन पं लए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के गर्थं भी कोई भी बाक्षंप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन की अविभ या तस्सम्मन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील म 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित्वव्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति मों कि में वा सकति।

स्वच्छाकरण — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, वो उस अध्याय में दिव ववा हैं।

बन्स्ची

प्लैट नं 191, जो उन्नी त्वी मंजिल, जोली में कर ग्रपार्टमेंट नं 3, कफ परेड, गोलाबा, बस्बई 400005 में स्थित है।

ब्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1-ए/37ई -10932/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि तंक 3-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

> जे० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज 1-ए, बम्बई

विनोक: 6-7-1987

मोहर ;

प्रकथ ब्राइ. टी. एन. एस -----

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थान

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

द्यर्जन रेंज-1-ए, बम्बई बम्बई, विशोक 6 जुलाई 1987

िर्देश सं० भ्रई-1 /232/13682/86-87--- मतः मृक्षे, जे० मलिकः,

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपय म अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रलैट नं 20 में 90 प्रतिमत हिस्सा, राखी महल, डीवाचा रोड, बम्बई 20 में स्थित है (भीर इस । उपाबस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा श्रायकर भिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भधी । बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-11-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजौर मृस्य से कम के दश्यमान वितिकल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिस्त से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्मिलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) जम्मरण वे हुई किवी बाव की जावत अवत जीध-अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व के कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाब वा धन वा बच्च बास्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया वसा धा था किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा की लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री निवित्त सावनी, श्री प्रवित्त सावनी, श्री केवल सावनी, श्रीमती बीना बजाजा ग्रीर श्रीनती विनीता सावनी

(भग्तरक)

(2) श्री दिपक सावनी

(भन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पृशाँकतः सम्मत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षण ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 4.3 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मंचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तिय में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिड्डयक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पाड़ सिचित में किए या सकतें।

स्वक्षतिकरणः---इसमें प्रयुक्त संस्थे और पदों का, वो उक्त अधिनियम के बंध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा, वो उस वध्याय में विवा नवा है।

मनसची

् फ्लैट नं० 20 में 90 प्रतिशात हिस्सा, जो राखी महल, डी वाचा रोड, बम्बई 400020 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1ए/37-ईई/11214/8ठ-87 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा वि शंक 26-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलि ह सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1ए, बम्बई

विनांक: 6-7-1987

मोह्नर: ्र

प्रकथ बाइ . ठी. एम . एस . *****

बावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन सुवना

नारत सरकार

कार्याक्षय, श्रहायक मायकार मायुक्त '(निरीक्षण)'

ग्रजैन रेंज 1-ए, बम्बई बम्बई, विनोक 6 जुलाई 1987

निर्देश सं० ग्रई-1-ए/8७ईई-233/13676/86-87---ग्रत: मुझे जे० मिलक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 5,00,000//- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० 232, मेकर टावर बी, ब्लोक 5, बेकबे रीक्लेमेशन, कफ परेड, बम्बई 0 में स्थित (श्रीर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अभ्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निविचित उच्चेद्द से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (कः) बंग्सरण से हुई किसी जाय की बाबत अंबत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररसीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922) को 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिएं

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरेंग मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थास् :--- 1 मैसर्स पालनपुर ट्रेडर्स लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स ईंटर ईक्बीपमेटस (इंडिया) प्रायवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रविक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

जमत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकर्णे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या पता हैं।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 232, जो तेईसवी मंजिल, मेकर टावर बी, प्लिट नं० 73ए 74, 83, 84, 85, ब्लोक 5, बेकवे रीक्लेमेशन, कफ परेड बस्बई 400005 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कि नं ग्रई-1-ए/37ईई-11209-86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 25-11-88 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 1-ए, बम्बई

विनांक: 6-7-19-87

प्रक्य आर्थ . ही . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुकता

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 6 जलाई 1987

निर्वेश स० प्रई-1[ा]/37-ईई/234/13640/86-87--

द्यतः मुझे जे० मलिक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000//- रु से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5ई, हार्बर बी, कोलाबा, बम्बई 5 में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध भ्रनसूची भीर पूण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियस, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पाया क्या प्रतिक कल, अम्बिति उद्योदय से उक्त बन्तरक लिए तम पाया क्या प्रतिक कल से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, अवेत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. खिपाने में स्विभा के लिए;

ब्राप्तः अब , उपन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ध्रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्रोमती जैर घदी घोंडी, श्रो अदी णवाका घोंडी श्रीमती खोरमेंद सौलीदायू, कुमारी वोरा अदी घोंडी ग्रीर इस्सी अदी घोंडी

(भ्रन्तरक)

2. सीटी बेंक एन ए०

(श्रम्तरिती)

का यह सुकना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तत सम्परित को अर्थन की संबंध में कोई भी जाक्षेप 🕉 🗕

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विक की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में सन्माप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य न्यांक्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बास किसित में किसे जा सकानी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रभूषश शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहुी अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया

मनुसुची

फ्लैट नं० 5ई, जो पांचवी मंजिल, हार्बर हाईटस बी०, कोलावा, बम्बई 400005 में स्थित है।

• धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1ए/37-ईई/11199/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकः भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज-1ए, बस्बई

दिनांक । 6-7-1987 मोहर : प्रकल बाही, ही, एत. एख.-----

नायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म नो अधीन सुमना

· भारत सरकार कार्यालय, तहायक जायकार आयुक्त (निर्राक्षण)

म्रजन रेंज-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जलाई 1987

निर्देश सं० ग्राई-1ए-37ईई/235/13633/86-87--- ग्रात: मुझे, जे० मलिक,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ९६ । (जिसे इसमें इसके ९६ । (जिसे इसमें इसके ९६ । जिसे अधिन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण के कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000 //- रु. से अधिक हो

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 123-ए, जोली मेकर प्रपार्टमेट नं० 2, कफ परेंड रीक्लेमेशन, बम्बई 5 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध मनंसूनी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करार-नामा ग्राक्यकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रथीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-11-1986

क्ये पूर्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का दारच है कि स्थाप्नॉक्त संपत्ति का दिवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एंसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिदात से अधिक है और अंतरित (बंतरका) और अंतरित के बीच एंसे अन्तरच को लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिचित के बीच एंसे अन्तरच को लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिचित सक्विय से उच्न अन्तरच निचित में वास्तविक कप से काचित नहीं किया गया है किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की बाबस, सक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के पार्थिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निकित व्यक्तियों, जुर्धात् :-- 1. कुष्णा कुमार जी कपाडीया

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती संगीता कजरीबाल ग्रीर श्री संजीव कजरी-बाल

(भ्रम्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की सारीक्त से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवसव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणं:---इसमें प्रयम्भ शस्यों और पदों का, जो उक्त जिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया वहा है।

रम्सूची

प्लैट नं० 123-ए, जो तेरहवी मंजिल, जोली मेकर प्रपाटमेंट नं० 2, 94 परेष्ठ रीक्लेमेंशन, बम्बई 400005 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1ए/37-ईई/11188/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-86 को रजिस्टर्ख किया गया है।

> जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकंर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1ए/ बम्बर्स

दिनांक 6-7-1987 मोहर प्रकृष आई. टी. एम. एस. ------

कामकर कॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की नाड़ा भारत 269-ए (1) के मधीन क्यांत

नारत करनार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजैन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ज्लाई 1987

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69-व के नभीन मक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का गरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाबार मून्य 5,,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 123, टावर ए, कफ परेड, बम्बई-5 ग्रीर जैसे ग्रेड्यूल में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप विणित है) भीर जिसका करारतामा भ्रायकर अधिनियम, 1961की भ्रारा 269 के, ख के ग्रभीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिवत नाजार मृत्य से कम के ज्यामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुके यह विश्वास करने का कारण ही कि अभापनेक्ति संस्पत्ति का जीवत नाजार कृत्य, असके दश्यमान प्रतिकल के, एखे शस्यकान प्रतिकल का अपिक स्वाप्ति कार्यकान प्रतिकल का अपिक ही जोर जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरितात से जिथिक ही जोर जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिता (जन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के जिए हम बावा नवा प्रतिकल्य, जिल्लीकिया उद्योक्त के उपक अन्तरुष्ट जिल्लीक में जास्तिक रूप से कथिए नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वालह, सकत कांचित्रक की क्षेत्रित कह दोने की बनासक की वांचित्र में कांची करने वा बढ़ता दचने में बृद्धिना को लिए; मीर/मा
- (का) एोसी किसी आय या किसी धन वा जन्य आस्तियों की, जिन्हें धारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अन्त अधिनियम, दा वन-कर अधिनियम, दा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का विश्वा धाना चाहिए था, कियाने में वृत्यिधा के लिए;

वत: क्षत्र. उपत निभीनयम की भारा 269-न के अन्तरण मों, मीं, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै धर्मादा ट्रस्ट।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रकाश मेहता श्रीर ईला मेहता।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत इंपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधरे ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिव की बनिध या तत्त्वंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, को भी सनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में के जिल्ही व्यक्ति इवाहा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इितबक्ष किसी जन्म कावित ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त सब्दाँ और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पलैट नं॰ 123, जो बारहबी मंजिल, टावर-ए, बिल्डिंग, कफ परेड, वम्बई-400005 में स्थित है।

अनुसूची जैंश कि क० सं० अई-1ए/37-ईई/11165/-86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-86 को रजिस्टड किया गया है।

> जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज-1ए, सम्बर्ध

दिनोक: 6-7-1987

मोहर ।

हरूप बार्'. टी. एप . एस ., अवहरणार पण्यात

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43); की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

नारत तरकार

कार्याखण, महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 जलाई 1987

निर्देश स० श्रई-ए/37-ईई/13606/86-87---- मृत्ते जे० मलिक,

जायकर मीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्व रसमें इसके पश्चात 'उनत जीधिनयम' कहा बना हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 5,00,000/र रु से अधिक है

भौर जिनकी स० पलैट न० 131, मेकर टावर बी, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित हैं (श्रीर इसम उपायक्ष भनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिनका करारनामा भ्रायकर भिधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-11-1986

को पूर्वेक्ति सभ्यति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान निक्कत के लिए अंतरित की गई है और मभ्ने यह निक्वास अरने का कारण है कि स्थाप्येक्ति सम्बद्धि का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के स्वाह प्रतिपत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अनिरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण से बिए तब पाया बधा प्रतिपत , निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बाल्यकिक क्य से अधिक स्वी किया पता है किया का से बाल्यकिक क्य से अधिक स्वी किया क्या है किया का से किया का सिंक का से किया का सिंक का से किया का

- रिक्श सम्भारक के हुन किया बाब की बावत, उपत मांचरियम के संधीन कर दोने के अन्तरक के दाचित्य में स्टमी कट्टन या उसने बचने में स्ट्रीयका को किए, ऑड्र/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या सन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः वन, उक्त व्यक्तिनयम की भारा 269-म की वन्धरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीता, किस्सिवित व्यक्तियों, वर्षांद्र क्ला 1 मैन्स सीस्टमस को नबीकेशन

(ग्रन्तरक)

2 मैंसर्स पानबपुर ट्रेडम लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्नान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान के तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियाँ में स किनी व्यक्ति ब्राया,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व व 15 दिन के भाग विश्व सम्पर्दित में हितवबंध रेक्क क्षेत्र के कार्य प्रभाग विश्व की कि पान

स्वाक्तरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उनते सीमित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं कर्ष होगा को उस कथ्याय के दिया क्या

नन्त्रची

पलैट न 131, जो तेरह्वीं मजिल, मेकर टावर बी विल्डिंग, प्लाट नं 73-ए, 74, 83, 84, 85, क्लॉक 5, बैकवे रीक्लेमेशन, कफ परेड, बम्बई 400005 में स्थित है।

धनसूची जैसा कि क० स० ग्रई-10/37-ईई/11177/86—87 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनाक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ूंजे० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 6-7-1987 **मोहर** : प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

जायकर जिमिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा · 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्बालय, सहागक जायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रे ग-1ए वस्बई बम्बई, दिनाक 6 ज्ञाई 1987

निर्देश सं० ग्रई-1-ए/37ईई-238/13617/86-87-श्रत:, मुझे; जे० मलिक,

जाबकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर िसकी सं० पसेट नं० एफ-3 बिल्डिंग नं० 2 ब्रेडीस, हाउस कोलाबा बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुभूषी में श्रीर पूर्ण का से विश्वत है) श्रीर गिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 25-11-1986

नमें पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्मौतिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की वायस, उक्तः अभिनियम, के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उस्तः अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (!) के अभीनः निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थातः :—— 9—206GI/87 1 श्रीमती योग विनमन।

(ग्रन्तरक)

2 श्री श्रमीरली भाष गंकर श्रीर श्रीमती सुमता गए गंकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृक्षेंबर सम्पत्ति में वर्णन के लिए कार्यसाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्वान के राज्यक भें प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ताराँक कें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंछ-नृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

अनुसूची

फ्लैंट नं एफ-3 जो पहली मिलिंग बिल्डिंग नं 2 ब्रेडीम हाउस सोराब बरूवा रोड कीलाबा, बम्बई-400005 मे स्थित है।

श्चनुसूची जैमा कि क० मं० श्चई-1-ए/37ईई-11184/86-87 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 25-11-86 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> जै० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज-1-ए, बस्बई

विनोक: 6-7-1987

प्रकृष आहें .टी . एत . एत . , प्रवासन्तरमञ्जूष

बावकर विधिनियम, 1961 (1981 का 43) की "'रा 269-व (1) के अभीन सुवजा

नारत सरकार

कार्यक्षिक, सहायक जायकर बायुक्त (निर्दाक्षक)

श्रर्जन रें द-1ए**९** बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6 जुनाई 1987

निर्देश सं० अर्ड-1ए/239/13629/86-87----ग्रतः मुझे, जे० मलिकः -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जीचत बाजार मूल्य

5,00,000/⊬ रः.. से अभिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० रूम नं० 17 रोहिन नेंथर्म फोर्ट, बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रन प्रची में और पूर्ण कर में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रनिनियम 1961 की धारा 269 क, ख श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 25-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में हाम के द्रयमान प्रतिफल के जिए उन्तरित की गर्द है और मूझे यह विद्वास करने का कारम है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल म एस द्रयमान प्रतिफल को पंचल प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तियक रूप से केथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिचित्रियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दाविस्थ के कभी करने या उससे अवने में मुविधा के निए; करि/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिनी को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिन्दी स्वारा ४०-१ नेही किया गया का या किया जाना चाहिए था, भिष्णने में सुविधा चै विद्य;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुमरण बैं. बैं. अक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री भवीब यूसुफ रिजवी ग्रीर श्री यूसफ हमन रिजवी। (ग्रन्तरक)
- (2) मसर्स रोहीत पत्प एण्ड पेपर मिल्स लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सच्चा की नागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पर्वेक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं
 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितजद्ध
 किसी अन्य व्यक्तित वृशारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अनुसुधी

ं रूम गं० '17 जो रोहीत चेंबर्ग, गोगा स्ट्रीट फोर्ट बम्बई 400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि क० सं० प्रई-1ए/37-ईई/11186/-86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 25-11-86 को रजिस्टई किया गया है।

> जे० मिलक गक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) स्रजेन रोग-1ए, अस्वर्द

दिनांक : 6-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1-ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987 निर्देश सं० श्रई-1-ए/37ईई-240/13577/86-87←-श्रतः, मुझे, जे० मलिक,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 5,00,000/(- रु से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 82 गीता जि राधेश्याम सोसायटी प्लाट नं ० 397, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) स्रौर विसका करार-नामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम् प्राधिकारी के कार्यालय में रिन्स्ट्री है तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार ब्रुश्य से कम के क्रमान प्रतिफल के निए बंदरित की गई हैं और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि अथाप्योंकत सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया नया दवा प्रतिकल निश्निकिखित बबुव स्थ से उन्त बंदरण विविद्ध में सक्तिक कम से किथा बद्धी किया गया है है—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह—— श्रीयती द्रूपदी एम शिवदासानी और कुमारी शिरीन एम० शिवदासानी ।

(अन्तरक)

2. म्मर्स चेन्नूर्जी इस्टेटस प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति हो अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में को इंभी आक्षेप :--

- (क) क्य सूजना से रायपम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पड़ सूजना की ताशीन से 30 दिन की जनिथ, को और जनिश नाद में समाप्त होती हो, से भीतड़ पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्तित स्वार.
- (ज) इब ह्याना के राजपन में प्रकावन की तारींच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किस्सू वा स्केट हैं।

स्वच्यक्तिरणः—इसमें प्रगुक्त सन्दों बीह पर्यों का, की उपध विधितसंक विध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बच्याय में विवा मधा हैं।

बन्स्ची



फ्लैट नं० 82 जो गीतां नली राधेश्याम को० स्नाप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं० 397 स्नॉफ सार्थ्र बन्दर रोड्ड, कोलाबा, बम्बई 400005 में स्थित है।

अनु सूची जैसा कि कि स० सई-1-ए/37ईई-11163/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-86 को र त्रस्टिई किया गया है।

> जे० मेलिक . सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंगे 1-ए बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

क्षण बार्च हरी तुर तुर्व क्रान्स्ट

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से बसीन सुखना

RIVE STARS

कार्यालय, तहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1ए बम्बई बम्बई, दिनाव 6 जुलाई 1987

निर्देश स० श्रई-1ए/241/13570/86-87--श्रत

मुझे, जे० मलिक,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 5,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रौर िसकी स० फ्लैंट न० 5, लझ्मी भवन, डी रोड धर्चगेट बम्बई-20 मिश्यत है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्गित है) श्रीर सिका करारनामा भायकर श्रिधिनयम 1961 नी धारा 269 व, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी ने कार्यालय में रिस्ट्री है तारीख 25-11-1986

को पूर्वेशित सम्मित का चीजा बाका मेंच्य साका न दश्यका प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य में उस्त अन्तरण निम्लिखत में वास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है प्रत्न

- (का) अन्तरण से हुई जिसी आज की बाबस, उक्त अभिवियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की किए: आद्/सा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-न के अनुसरण क्रं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्निचित्रित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पथराज रायसी शाह ।

(ग्रन्तरक)

(2) वल्लभजी खेतसी गाह ।

(अन्तरिती)

का यह सुमना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षण के जिल्ला कार्यवाणिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन को संबंध में कोई भी बाबोक ए---

- (क) इस युजना को संघपण में प्रकाशन की बारीब है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तांधील से 30 दिन की संविध, को भी संविध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्यंक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों काः, जो उसके अधिनिया, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

नन्स्यी

फ्लैट न० 5 जो पहली मजिल, लक्ष्मी भवन, डी रोड वर्जगेट, बम्बई 400020 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्राई- 1ए/37-ईई/11160/86-87 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 25-11-86 को रजिस्टई किया गया है।

> जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1ए, बम्बई।

विनाक 6-7-1987 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन. एस-----

जावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन स्वना

साउउ सहस्रह

कार्याजय ह सहायक मायकड मायुक्त (निहासिक)

ग्रजन रें ज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुंलाई 1987 निदेश सं० भई-1 ए/37ईई/ 242/13565/ 86-87---श्रतः, मुझे, जैंँ∿ मलिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूख्य 1,00,000//- रु. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं श्राफिन नं 21. सुलेमान चेबर्स, 4 बेटरी स्ट्रीट, वम्बई-39 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकन के लिए अतिरित की गई है बार मुके यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफाल का चन्द्रह प्रतिखत से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) औं अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाता गया प्रतिफाल, निम्निसित उद्देश्य से उन्तर अन्तरभ लिखत में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) नंतरण संहुइ किसी बाय की बाबत, उक्त निर्मायन के नभीन कर दोने को अन्तरक को बायित्व में कमी करने या इससे बजने में सृविधा के सिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियाँ काँ, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-ंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदिक्शी व्वारा प्रकट नहीं कियो यया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में तृविधा से हिए॥

विष्य वर्ग, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के अन्सरण की, मी, बेक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) की वभीन, निम्नोलिडिस अविदायों, अर्थात् के--- (1) मेपसं पानपोर्ट स्टूडियो ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनेक श्रार० डूगाजी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कीई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवारों में से किसी न्यक्ति इवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाह निर्मालत में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क ज परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गवा हैं।

जन्मू की

श्राफिण नं० 21 जो सुलेमान चेबर्स, 3री मंजिल, 4 बेटरी-स्ट्रीट, बम्बई-39 में स्थित है। श्रनुस्ची जैमा किकल सं० श्रई-1ए/ 37ईई/ 11155/86-87-श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रेजिस्टई किया गया है।

जे० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष) श्रजन रेंज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6~7-1987

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) मूर्ती धारा 269-घ (1) ने बधीन सूचना

भारत सरकार

स्थानित क्रियक शायकर बायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 जुलाई 1987

निदेश सं० ग्रई-1-एँ/243/13367/86-87-- ग्रत:, मझ, जे० मलिक,

कावकर विभिन्नय, 1964 (1961 का 43) (विसं इस्में इसके परभात 'उक्त अधिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन एवान प्रतिभवारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति, विसका उचित काचार मुख्य 1,00,000/- रा. से विध्व हैं

ग्रौर जिसकी सं० 4 थी मजिल, पोडार हाउस, मैरिन ड्राईव प्लाट नं० 10 ब्लाक-। बैंक बे रिकिले मेशन इस्टेट, सी० एस० नं०-1688 ग्राफ फोर्ट डिवीजन बम्बई मे स्थित है (ग्रौर इम्से उपा-बृद्ध ग्रनुसूची मे ग्रोर प्णं रूप से विणिन है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 में धारा 269 क,ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, कार्यालय मे रिजस्ट्री है तारीख 10-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक बाबार मूल्य. उसको दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे असरण के लिए तम पाया गमा प्रतिकात, निम्नितिस्त उद्देश्य से स्वत अंतरण विविद्य में सम्बद्धिक स्थ से कविस्त वहीं किया गमा है है—

- (क) अलारण स हाई किसी आय की बाबस, उनत अधिनियस के अधीन कर दीन के अन्तरक के राधित्व से कबी करने या उसले बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ० ता कि गाँ त्याय या कि भी पन या नत्य आस्तियों का, जिन्हें आर्तीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या ध्य-्र उक्त के त्याम, 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सृविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् दं—

- (1) श्रीमित स्नेहलता काति कुमार पोडार ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) द ट्रावनकोर इलेक्ट्रो क्षेमिकल इण्डस्ट्रीज लि॰ । (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इंतरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त का अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

4क्षी मंजिल, पोडार हाउस, मैरिन ड्राईब, प्लाट नं० 10 ब्लाक ।, बैकवे रिक्लेमेशन इस्टेट, सी० एस० नं० 1688, श्राफ फोर्ट डिवीजन ।

श्रन् सूची जैसा कि क० स० श्रई-1ए/ 37ईई/ 11021 ए/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जे ० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्र-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987 निदेश सं० ग्रई-1ए/ 37ईई/ 244/ 3393/ 86-87— भ्रतः, मुझे, जे० मलिक,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अनके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, नवरोजी मेंशन, वूड हाउस रोड, बम्बई-39 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूण-रुप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग-के अनुसर्भू में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमित कार्य म्रोनिल ग्रौर श्री डेरेक ग्रार० ग्रनिल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति रंजनी कलाप्पा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 12, जो 4थी मंजिल, नवरोजी मेंशन, को०-ग्राप० हाउमिग- सोमाइटी लि०, वुड हाउम, वम्बई-39 में स्थित है। ग्रानुसूची जैमा कि क० मं० ग्राई-1ए/ 37ईई/ 11029/ 86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई हार्ग्र दिनांक 11-11-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक, स्थम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए, वम्बर्ड

तारीख: 6-7-1987

सक्य बाह्" टी धन एस . .-----

बायकर ब्रॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) भे तभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनाक 6 जुलाई 1987 निदेण सं प्रई-1-ए/37ईई/245/13547/86-87----धतः, मुझे, जे० मलिक,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु से अधिक है

जिसकी सं० को मर्स सेटर 1, कफ परेड, को लाबा, बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इन्में उपाबद्ध अनू सूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम; 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-11-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिसी (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यास्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जम्मरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त जिमित्रयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के अधित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सजिशा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उकत अधिनियम, ११ ११ का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अनः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1/) के अधीन, निम्निनिवित स्यक्तिसमें, अर्थात् :— (1) एम० विस्थेश्वरा इण्डस्ट्रियल रिसर्च एण्ड डिब्लप, मेट सेटर।

(भ्रन्तरक)

(2) एकमपोर्ट-इम्पोर्ट बैक आफ इण्डिया ।

(धन्तरिती)

को यह सूचीना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करका हूं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन की सबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वद सूचना की तामील से 30 दिन की बबीभ, वो औं अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यास;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक कें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगा।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क मे परिभाषित ही, वहां अब हांगा जो एस सम्भाग में विमः गया ही।

जन्स्ची

कोमर्स सेंटर 1, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 मे स्थित है। ग्रनुमूची जैमा कि ऋ० मं० ग्रई-1ए/ 37ईई/ 11142/ 86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 25-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> र्जे० मिनक पक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

मोह्न इ

प्ररूप आहर्, टी एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश स० अई-1-ए/ 37ईई/246/13549/86-87---ग्रत: मुझे, जे० मिनक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० कोमर्स सेटर, 1 कफ परेड, कोलाजा, अस्वई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, ब्रम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25-11-1986

के प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमम् प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल को पद्गह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्स अन्सरण लिखित में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

• अतः अब, उत्ते अधिनियम को भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन जिस्तिनिस्त व्यक्तियों, अधीत :--10 --- 206GI/87

(1) एम० विश्वेशवज्या इण्डस्ट्रियल िसर्घ एण्ड डिवलपमेंट सेटण ।

(श्रन्तरक)

(2) एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक भ्राफ इण्डिया ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक में 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स्त) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ितिशा भी किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कामर्स सेंटर 1, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-400005 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क्र० सं० श्रई-1-ए/ 37ईई/11143/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7#1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निर्देश सं० श्रई-1ए/ 37ईई/ 247/13550/ 86-87---अतः मुझो, जे० मलिक,

लायक र निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा ग्या हैं). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं कामर्स सेंटर, 1, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 वख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, अवस नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असित्यों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनिद्रम की धारा 269-ग के अनुसरण नक्त क्षिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) निकात व्यक्तियों. अर्थातः (1) एम० विश्वेणवरया इण्डस्ट्रियल रिसर्च एण्ड डिवलपमेंट भेटः

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स गर्मा इस्टेट ट्रेडिंग को० प्रा० लि० (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त विस्ताों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी क गास निहित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कामर्स सेंटर 1, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-400005 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क० सं० श्रई-1-ए/ 37ईई/ 11144/86-87, और जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनाक 25-11-86 को रजिस्टई किया गया है।

जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) - श्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

मोक्रर:

प्ररूप ब्राह् . टी. एन. एस.-----

शायक व्यक्तिमन, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत हरकार

कार्यार १, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण) ग्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

बम्ब़ई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश स० अई-1-ए/ 37ईई/ 248/13551/86-87--ग्रत: मुझे, जे० मलिक,

कायकर आँविशिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ब के अधीन स्क्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.003/- रु. से अधिक है

और जिसका स० कामर्स सेंटर, 1, कफ परेड, को लाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे मास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण से हुर्इ किसी जाय की बाबत उक्त निधिनियम के अधीन कर दोने की जन्तरक को दायित्व में कभी करने या उसते क्वने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी जाय था किसी धन या अन्य आस्तिए। हो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बर र के किया । 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

क्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जन्मरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधी निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) एम० विश्वेश्वरया इण्डस्ट्रियल िसर्च एण्ड डिवलप-मेंट, सेटर

(ग्रन्तरक)

(1) मेसर्स मेघना इस्टेट ट्रेडिंग को० प्रा० लि०। (ग्रन्तिश्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर
 सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीकर
 व्यक्तिया में सकिमी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस म्थना के राज्यश्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं ।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय , 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

ग्रनुसूची

कामर्स सेटर 1, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-1-ए/ 37ईई/ 11155/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

ोहर :

प्रकार नार्षे . टी . एन . एस . -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई-1-ए/ 37ईई/ 249/13552/ 86-87----ग्रत: मुझे, जे० मिलक,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० कामर्भ सेंटर 1, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), और जिसका राश्नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 का धारा 269 कल के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25-11-1986

को पूर्थिकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को बश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) स्ट्रैर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से किभित एटीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस को अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

क्तः वयं उक्तं विधिनियमं की भाष 269-मं के बनुतरण मों, मों, उक्तं अधिनियम की भारा 269-मं की उपधारा (1) के संधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) एम० ।वश्वेश्वरया इण्डस्ट्रियल रिमर्च एण्ड डिबलपमेट सेंटर ।

(भ्रन्तरक

(2) मेसर्स श्रायरेक्स इस्टेट ट्रेडिंग को० प्रा० लि० (ग्रन्तिग्ती)

की कह त्या बारी करके पूर्वक्त प्रशस्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्ते :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की तारीचं से A5 दिन की अनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर स्चान की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति हों से दें किसी अधिकाद सुवाहां
- (स) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

रक्षांकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्ती सूर्य क्यों का, की स्वस्त सीधनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं। "ही क्यों होंगा यो उस सध्याय में दिवर नवा है।

अन्सूची

कामर्स सेंटर 1, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है। अनुमुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1-ए/ 37ईई/ 11146/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को शिनस्टर्स किया गया है।

> गे० मलिक सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर् ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-1-ए, बम्बर्ह

ता**रीख** : 6-7-1987

प्रकृष काहाँ ही . धृत् यस . ---- - ------

शानकर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृथीन सुवना

भारत सरकार

व्यवानय, तहायक बायकह बायुक्त (विद्रामिक)

श्रर्जन रें ज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई-1-ए/37ईई/ 251/13554/ 86-87--श्रतः मुझे, जे० मलिक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ध को अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाधार नृष्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसका सं कामर्स सेंटर, 1, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसुच। में और पूर्णरुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कख के अधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यानय में रजिस्टर है। तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बोजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नृम्में वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूक्य, असके क्ष्यमान प्रतिफल से, एते क्ष्यचान प्रतिफल का उन्तर प्रतिफल का उन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्निलिसित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक का से किया नृमी है हुन्न

- (क) नन्तरण से शुर्व किसी नाम की बावत, जनत वहिंदिनम् श्री-वृदीन कह दुवें के बुन्तहरू से वहिंदान् में कती कहते ना कवाचे दुवाने भी बुर्दिका के लिए: वहिंदिन
- (क) एडी किसी बाब या फिसी धन वा बन्य बास्तिमं को विन्हों भारतीय याय-कट बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम ना बन्छड ब्रीम्रिक्ज, 1957 (1957 का 27) से ब्रुक्जियार्थ बन्द्रियी ध्वारा प्रकट वृहीं किया क्या था वा किया बाबा चाहिए था, कियाने में संविधा के बिए;

नतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनियत स्यक्तिमों, वर्षाक् क्र~~ (1) एम० विश्वेश्वरया इण्डस्ट्रियल रिसर्च डिक्लपमेंट सेंटर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स के० ए० माले लीसिंग कं० प्रा० लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्तरित के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🚁

- (६ उस सबना से राज्यत में प्रकाशन को तारीश से 45 दिन की जविभ ना तत्स्वस्त्रणी स्थितियों पर स्वता को तामील से 30 दिन की अविभ, को भी सबिथ नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक स्थितियों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (क) इस स्थना को राज्यन में त्रकासन की तारीख के 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर सांपरित में हिंतसब्ध किसी जन्म स्थानत ब्वारा जभोहस्ताक्षरी के पाल सिवित में किए या सब्हेंगें।

स्यक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उन्त विधिनियम, के सभ्याय 20-क में धीरभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, को जस सभ्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

कोमर्स सेंटर 1, कफ परेड, कोलाबा-5 में स्थित है। प्रनुसुची जैमा कि ऋ. सं० प्रई-1-ए/ 37ईई/ 11148/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक, सक्षमं प्राधिकार. सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

मोहरः

प्रथम बार्च हो . एवं . -----

बावध्दर विधिनवय, 1961 (1961 का 43) की पार्थ 269-म (1) के बचीन तुचना

भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रें ज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई-1-ए/ 37ईई/ 252/13548/ 86-87--ग्रत: मुझे, जे० मिलक,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कार्य प्रमान किया किया कार्य हैं), की वारा 268-व के वर्षीन प्रकृष शिवासी की यह विस्तास कार्य कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कामर्स सेंटर 1, कफ परेड, कोलाबा-5 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसुच में और पूर्णरुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रिजस्टर है। तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मंत्य से कम के बश्यमान प्रविक्त के लिए अन्तरिती की यह बार मुन्ने यह विश्वास स्माने का कारण है कि यथाप्वीका सम्पत्ति का उचित वाजार मूच्या, उक्के श्रम्यमान प्रतिपन्न से, इसे सम्पन्न प्रतिपन्न का पन्ना प्रतिपन्न के स्थान प्रतिपन्न का पन्ना प्रतिपन्न के सम्पन्न प्रतिपन्न का पन्ना प्रतिपन्न के सम्बद्ध प्रतिपन्न के सम्बद्ध के सम्पन्न प्रतिपन्न के सम्पन्न प्रतिपन्न के सम्बद्ध के स्वत्य के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की गांवत , जनत योधिनवथ के अपीन क्षेट्र देने की क्ष्मक की यानितन में क्ष्मी करने वा वसने क्ष्म में श्रीवक्त क श्लिल, मोर/बा
- (स) ऐसी किसी अन्य आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-स्थिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रवोध-नार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए वा किया में सुविधा के चिन्,

जतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन . रिक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम० विश्वेश्वरया इण्डस्ट्रियल रिसर्च एण्ड डिवलपमेंट सेटर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स हरी नगर सुगर मिल्स लि॰।

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

बक्त धम्पत्ति के वर्जन के बम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4.5 विश की अवित मा तत्त्वम्यन्थी म्यवित्यों पर स्वश्न की वाबीत से 30 वित की अवित, को भी नवीथ वाद में इसक्त हाती हो, के बीतर प्रॉवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भी तर उक्त स्वापर सम्पत्ति में दिलसपुध किसी पन्य म्यपित स्वाप नथाइस्तासरों के पास सिसिस में किए का स्वीपी ।

स्वकाष्ट्रस्य :-- इसमें प्रयुक्त प्रथ्यों बार प्रयों का, भी शक्त विश्वीत्रयम के संस्थाय 20-क में परिभावित हैं, कहीं अर्थ होता, को खब कन्याय में विद्या गरा है।

अनुसूची

कामर्स सेंटर 1, कफ परेड, कांलाबा, बम्बई-5 में स्थित है। ग्रनुसूर्चा जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1-ए/ 37ईई/ 11149/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक ﴿ सक्षम प्राधिकार सहायक ग्राथकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस. - - -

मानकर शीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के सभीन स्थना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० भ्रई-1-ए/ 37ईई/ 253/13366/86-87--भ्रत: मुझे, जे० मलिक,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मगा हैं), की भारा 209-स के अधीन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5.,00,000%- रु. से अधिक है

और जिसक सं० 4 थें मंजिल पर, प्रिमायसेस, पोदार हाउस, प्लाट नं० 10, बैंकवे रिक्लेमेशन, बम्बई, स ० एस० नं० 1688 जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 269 कर्ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में की धारा रिजस्टर है। तारीख 10−11−1986

को पूर्नोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल का लिए जन्दार कि. ए ह जोर मूले यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उरके रूक्पमति प्रतिफल में एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्सरक (अन्सरकों) और अंतरिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए बय पाया गया प्रसिक्षण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप इस हो किशा नहीं किया नहीं है

- (क, बन्तरण में इंड्र किसी आम की भावत उक्त विभिन्न के वधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उसस अवने में मृतिभा के लिए. आर्थिया
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अधितवाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने के प्रविधा के निए:

नतः वन, उन्त शीपनियम की धारा 269-ए वी सन्तर्थक हो, ही, उन्त बीधनियम की धारा 269-ए की उन्धारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, सर्थात् :---

(1) श्रीमित स्नोलता कांती कुमा र पोहदा र और श्री राजीव काती कुमा र पोदा र।

(ग्रन्तंरक)

(2) केमो-फार्मा लेबोरेटरीज लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिप कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धै 1, दिन को अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सारत का निवासी से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ मा स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन का भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- दर्शिव कर्य बाहा द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगी।

स्पद्धीर त्थाः - इसत । युक्त शब्दों और पद्यों का, **जो उनक्ष** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं अप होगा, जो उस अध्याय में दिया समा हाँ।

वगृत्वी

4 थी। मंजिल पूर प्रिमायसेस, जो पोवार हाउस, मरीन ड्राईव प्लाट नं० 10, ब्लाक नं०।, बेकबै रिक्लेमेशन इस्टेट, सी० एस० नं० 1688, फोर्ट डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1-ए/ 37ईई/ 11011ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

र्जे० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

ोहर :

यक्य बार्ड . टौ न पुन <u>न पुराञ्चलका</u>

नायकर मीधनियम . 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (विरक्तिक) प्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० श्रई-1-ए/ 37ईई/ 13632/254/ 86-87--श्रत: मुझे, जे० मिलक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की बाहा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विदेवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूम्य 1,00,000/- रापये से अधिक हैं

और जिसकी सं० श्राफिन नं० 113-सी०, विंग, मिसल टावर, 210 नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25-11-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि कथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके अध्यकान प्रतिकल से, एंसे इस्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंदारकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एंसे अन्तरण के तिए इस पासा ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्धरण से हुई कियों बाब की शबत, उक्क सीधितएय क्रिक्षित कर दीने को बनारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था कियाने में स्रोबधा के सिए;

कतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकत व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स्स

- (1) बुझा प्रशास ह्रायन और श्रोमित सूमो प्रशास्य। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स डीगीसन इपेक्स प्रा० लि०। (श्रन्तरिती)

को ग्रह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति क वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपन मों प्रकाशन की तारीच के 45 विन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की संवीध, जो भी व्यक्तियों में से समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की शारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्या में विष्णु का सार्ते ने ।

ल्याकीकरण -- हममें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो समझ अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

माफिस नं० 113-सी विंग, जो 11वीं मंजिल, मित्तल ढावर, को०-माप० हाउसिंग सोसाइटो लि०, 210, नरामाम पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि क. सं० $\frac{2}{3}$ $= 1 - \frac{1}{2}$ = 11181 U $= 11181 \text{$

जे० मलिक सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1987

निवेश सं० श्राई-ग्र-ए/37ईई/ 255/ 13588/86-88---श्रतः मुझे, जे० मिलक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000//- रु. से अधिक हे

और जिसकी सं० आफिस प्रिमायमेस नं० 181-बी, मेकर टावर ई, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसुची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25-11-86

को प्येक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, जर्थांत्:--- (1) श्री जे॰ शजमोहन पिलाई।

(घन्तरक)

(2) मेसर्स कोरो मेंडल ईडिंग प्रोडक्टस प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा, अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2:0-क में परिभाषित हैं, धही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिजा गया है।

अनुसूची

श्राफिस प्रिमायसेस नं० 181-बी, जो मेकर टावर ई. कफ-परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जेमा कि कर सर् अई-1-ए, 37ईई/11145 ए/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> जे० मिलक मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

प्ररूप आहर. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-1-ए, बम्बई

बम्बर्द, दिनाक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० अई-1-ए/ 37ईई/ 256/13306/ 86-87---भ्रत. मुझे, जे० मिलक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,,00,000/ रू. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 11. नायसन बेलवेडोर, महर्षी कर्वे रोड. बम्बई-20 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्णस्प से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। नारीख 7-11-1986

का पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित्र बाजार मंत्र, उसके कागान प्रतिफल से एसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की धासतः उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, न्वत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीन —

(1) पोली म्रार० उम्रीगार और श्रीमतो दिन् पोली उम्री-गार।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती करुना देवकीशन वाधवानी और श्रीमता वीनू देवकुमार वाधवानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में संभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्थत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सक्यों।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

प्लेट नं ० 11, जो 1 ली मजिल, मायमन बेलवेडोर, महर्षी-कर्वे रोड, कवीन्स रोड), बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सिं प्रई-1-ए/37ईई/10990ए/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 7-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मिलक, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1-ए, वम्बई

नारीख: 6-7-1987

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें-1-ए, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 जुलाई, 1987

निदेश सं० ऋई-1-ए/37ईई/ 257/13844/86-87--श्रतः मुझे जे० मलिक,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चोत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्रो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,,00,000/⊬ रु. से अधिक है

और जिसकी स० विषयप्रभा विल्डिंग, 12-ए, फोर्ग्योर रोड, ग्रबे रिक्लेमेशन, बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुमुची में और पूर्णेरुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकरण अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बूई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 26-11-86 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मुल्य से कम के इत्यमान

की प्राक्त सम्पत्ति के उपित बाजीर मृत्य संकम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझः यह विश्वास करने का कारण

है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उनित धाजार मूल्य, उसके इश्यमानप्रतिफाल सं, एसे इश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम चे हुई किसी भाव की बावत, उत्तर शीव-विवय में बभीन कह दोने के बन्तरक के वादित्य में कमी करने या प्रस्ते वचने में सुविधा के शिए; वर्षः/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविकार्यों, अर्थात्:— (1) श्री. नन्द किशोर लालभाई सेहता ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्स रामचन्दानी एण्ड मेहता।

(श्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दे 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं , वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

दिव्यप्रभा बिल्डिंग जो 12-ए, फोरशोर रोड, बैंकबे रिक्ले-मेशन, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि म. अई-1-ए/ 37ईई/ 11207ए/ 86-87, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26-11-1986 को रंजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

प्रकृत कर्त्रा, द्वी , स्व , प्रकृतकारका अवस्

नायकुर विधिनिवसं है 1961 (१961 का 43) की भाषा 269-न (1) में वधीन सूचना

कार्यात्रव, तहावक नायकर नायुक्त (वि<u>र</u>ीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 जुलाई, 1987

निदेश सं० अई-1-ए/ 37ईई/ 258/13653/86-87— ग्रतः मुझे, जे० मलिक,

कायकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त कथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवनास करने का अध्य हैं कि स्थावर संपर्तित, विसका अभित बाबार मूक्य 5,00,000//- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लेट न० 16, मेकर टावर जे० कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के इस्प्यान विकास के लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफन से, एसे अध्यान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गावा पथा प्रतिकत, निम्नसिसत उद्वेषय से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से किथा महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबल, उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दाविद्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्ध आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उर्पभारा (1) के अधीन, निम्नीनिधित व्यक्तियों सर्भात् :---

- (1) श्रीमपी मुमताज बेगम याकूब सुल्तान खान। (ग्रन्तरक)
- (2) बिजनेस प्रेस प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

वा यह प्यता जारी करके पूर्वों कर संस्पृतिस में वर्षन में जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

बनत् बन्धरित् के ब्र्चन के बन्धन्य में कोई भी बाधोर :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच वं 45 विन की जनविष या तत्सेंचंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए का सकोंगे।

स्थडीकरण --- १ समें प्रयुक्त एव्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पलेट नं० 16, जो 1 ली मिजिल, मेकर टकवर जे० कफ परेड, सम्बई-5 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-1-ए/ 37ईई/ 11188ए/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 25-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मिलकः सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1-ए, बम्बई

तारीख: 6-7-1987

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ के अधीन सूचना

भारत सरकार '

कार्याज्ञय, सहायक आयकर आय्क्स (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1-7, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1987

निदेश सं० ग्राई-1-ए/ 37ईई/259/13681/ 86-87— भ्रत मृक्षे, जे० मिलक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 83 गैरेज नं० 88 बसंत बिल्डिंग कफ परेड कोलावा बम्बई-5 में स्थित है (और जो इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्णरूप में विणित है) श्रार जिसका करारनामा श्रायकर अधिनिकम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित राक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख

26-11-1986

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (५) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

णतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उवतं अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीत्र विस्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दीपक चन्दर साहनी ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला रमेण दर्यानानी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :----इरामे- प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 93 श्रीर गैरेज नं० 88 बसंत बिल्डिंग 101 कफ परेड कोलाबा बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1-ए/ 37ईई/ 11213/86-87 श्रौर जो रक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 26-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1-ए बम्बई

तारीख: 6-7-1987

प्रकृप बार्ष . सी . एत . प्रास . -----

वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूच्या

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रें ज-2-ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जलाई 1987

निदेश सं० श्रई-2-ए/37ईई/ '41028/86- 87-- भत: मुझे ए० बैद्य

बायकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनयम' कहा गया है"), की बारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रह. से अधिक है

भीर जिसकी स० सी० टी० एस० नं० 294 (पार्ट) गुडवली-बिलेज अधरी बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाह्न अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) श्रीर जिसका रारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है। तारीख 12-12-1986 का पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभाग वरिफल म्हे लिए बन्तिरत की गद्द है विष्यास करने कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान क्रिक्स से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है वर्षर अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफस, निम्नलिखित ् पहुचारिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविकः रूप से ऋषित ना 📞 किया गया है 🏎

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उबसे बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के ब्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा े के सिए; बीर/या
- (च) ए सी किसी जाय मा किसी धर्ग या अन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1892 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-करें अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रेयोननाचे जन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविचा के जिए?

अस: अभ, खक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधरुष (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) विश्व मंगल इन्वेस्टमेट प्रा० लि० और चिन्तामनी इस्टेटस प्रा० लि० ।

(भ्रन्तरिती)

(2) श्री **ब**न।यों खूब^चन्द कृष्य मोटबानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

ंखकरा सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ३----

- (क) इस सूच्यता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में पकाशन की तार्यक्ष से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहरताक्षरी के वास निवित में किए का सकीं ने।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशायिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। गया है।

वन्स्वी

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एम० न० 294 (पार्ट) 294/4, 294/5, 294/6, 294/8, 294/9, 294/10, 294/11 294/12, सर्वे नं० 28ए, हिस्सा नं० 1, सर्वे नं० 28 बी सर्वे न० 18सी, सर्वे नं० 10ए, हिस्सा नं० 1, गडविल विलेज, चकाला विलेज, ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि क सं श्रई-2-ए/37ईई/41028/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 12-12-1986 को रजिस्तैंड किया गया है।

ए० बै**रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2-ए, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्ररूप आइ ती. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2-ए, अस्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

्_ निवेश सं० 37ईई/ 40721/ 86-87-- म्रतः मुझे ए० वैद्य

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000// रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं एस नं 7 एच नं 10 (पार्ट) स्वामी विवेकानन्द रोड जोगेश्वरी (प), अम्बई में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनम्भी में प्रौर पूर्ण रूप से विजत है), प्रौर जिसका करार-नामा आयकर प्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 28-11-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और√या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निषित्कि व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्रीमित धूलीबाई माथू कलवार उर्फ जयसवाल। (ग्रन्तरक)
- (2) रामनीकाल जीवराज नथानी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, धही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका एस० नं० 7, एच नं० 10 (पार्ट) सी टी० एस० नं० 181, 181/1 मे 12, स्वामी विवेकानन्द रीड, हंजार सिनेमा के पास, जोगश्वरी (प), वस्बर्ड में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1-ए/ 37ईई/ 40721/ 86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 28-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भर्जनरें ज-1-ए, बम्बई ३

तारी**ख**: 14-*7*-1987

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-1-ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई-1-ए/ 37ईई/39970/86-87—श्रतः मुझे, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

द्यौर जिस्की सं० गाला नं० 1, मधुवन इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अंधरी (प), ब्रम्बई-93 मे स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूणरुप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बंई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 14-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार यूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त औधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, नर्यात् :---

- (1) मैं । से पिन्ट्रम जबरलकं सप्रायब्हेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) मैमर्स ग्रेपका प्रकर्मप्रयहतेट लिमिटेक । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए-भार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, विक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

गाला नं० 1, जो तल मंजिल, मधुवन इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महा-काली केन्ज रोड, ग्रंधरी (प्), बम्बई-93 में स्थित है। ग्रनुसूची जैमा कि ऋ० मं० ग्रई-1-ए/ 37ईई/ 39970/86-87 ग्रौर जो शक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1-ए, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्रकल् जाहे .टौ. एन । एस . ------

बावकर बीधीनयथ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2-ए, बस्बई बम्बई, विनांक 14 जलाई, 1987

निदेश सं० श्रई-2-ए 37ईई-40685/86-87--- श्रतः मझे, श्रे० वैद्य,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के विधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 5,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं प्लेट न 603, प्राणशीण, वरसोवा, स्रधेरी (प) बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। नारीख 28-11-1986

का प्रवेक्त सम्बन्धि के उण्यत आभार भूक्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और सभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे असमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण ने हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए वरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कुन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महों किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

बतः जब, उक्त निर्मित्यम की धारा 269-ग के बनसरे के में, मी, जक्त निर्मित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--12-206GI/87

- (1) मेसर्स ग्रजित चिमनलाल शाह ग्रीर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बकुलेश एस० पटेल । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन की संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध , जो भी अविध बाद में समान्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त तथ्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैलेट न० 604 जो 6ठी मजिल श्राणशीश बिर्लंडग, वरसोवा श्रन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुत्वी जैसा कि कि॰ स॰ भ्रई-2-ए, /37ईई 40685/86 87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 28-11-86 को रजिम्टर्ड किया गया है।

> ए० भैद्य सक्षम प्राधिकारीः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2-ए, बम्बर्ड

तारीख · 14--7--1987 मोहर अरूप आर्ड.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रकी रेज-1-ए, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जलाई, 1987

निदेश स० भ्रई-1-ए, /37ईई /40546/ 86-87-- अतः मुझे, ए० वैद्य,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स हे उपीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लेट न० 401, प्राणशीश बिल्डिंग ए, श्रधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 27-11-1986

को पूर्वोवित सम्पत्ति के उचित राजार मूल्य से कम के एवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकृत से अधिक है और (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उत्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित वाग्निय हप से कथित नहीं निक्या गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क), ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए,

अत मृत उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उस्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिग्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—√

- (1) मेसर्स ग्रजीत चिमन लाल णाह ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तेरक)
- (2) श्री दीपक भाई गोबिन्द भाई शाह । (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोगे।

स्पट्टोकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ 'होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया हाँ।

मगुष्यी

फ्लेट न० 401, जो 4थी मजिल, प्राणगीश बिल्डिंग, ए, वरसोवा बीच रोड, श्रधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-1-ए/37ईई/ 40546/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 27-11-1986 को रस्टिई किया गया है।

> ए० वैद्य मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1-ए. बम्बई

नारीख 14-7-, 1987 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रें ज-1-ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 जलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई-1-ए,/37ईई/ 40860/86-87---ग्रतः मझे, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 302ए, कोस्मोम प्रपार्टमेट, प्रधेरी (प) अम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण स्प से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, अम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 4-1/2-1987

को पूर्वों कत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूं के यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किस्ति में बास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी कर्मे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) हीरानन्दानी बिध्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित भारती एम० बदलानी श्रीर श्री मनू एस बदलानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्नत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ख) इस सूचना भे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्स बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औा अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भौतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ब्यक्ति ब्वारा अधोहस्साक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लेट नं० 302, ए, जो 3री मंजिल, बी-विंग, कोस्मोस भ्रपार्ट-मेंट, हिरानन्दानी कम्पलेक्स, भ्रोशिवरा, चार बंगलाज, भ्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

श्रनुसूची जंमा कि क० सं० श्रई-2ए/ 37ईई/ 40860/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-86 को को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ज-1-ए,बम्बई

तारीख: 14-8-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-2ए, बम्बई बम्बई, दिनाक 14 जुलाई, 1987

निदेश सं श्राई-2ए/36ईई/39914/86-87— म्रतः ममे, ए० वैद्य,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

गीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 72-बी, गंगा भवन सोसाइटी, वरसोवा प्रधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा प्रायकर भिंधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 10-11-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह बिह्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर्क (अन्तरकों) और जन्तरित (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए त्य वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी लाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व मों कमी करने या उससे बोचने मों सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी बाय या भन त्या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए:

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, जर्थात् (—

- (1) श्री पेसी के मास्टर भ्रौर एम० पी० मास्टर। , (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एम० एम० संघवी ग्रौर श्रीमित सावित्री एम० संघवी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्तः सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा। गया ही।

अनुसूची

फ्लेट नं० 72-बी, जो गंगा भवन को०-म्रापि० हाउसिंग सोसाइटी लि०, जे० पी० रोड, बारसोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

स्रतुसूची जेसा कि कि कि सब् ग्रई-2ए/ 37ईई/ 39914/ 86-87 स्रीर ह्रोअसक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11 86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ं ए० वैद्य . सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2ए, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अभीन सुमना

भारत सरकार क्र कार्यांच्य, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-2ण, बम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जलाई, 1987 निदेश स० ग्रई-2ए/ 37ईई/ 403**2**7/ 86-87— ग्रतः मुझे, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० प्लाट न० 304, मोगा विलेज, अधेरी, बम्बई में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत हैं), भीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 21-11-1987

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकला करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से एसे इश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उक्षश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बासिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत. अब, उन्दत अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उभत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमति करुना भगवानदास चोपरा ।

(श्रन्तरक)

(2) जगदीश कुमार मेहरा।

(भन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में 'कोई' भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भौतर पूर्योक्स विक्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

जमीन एका हिस्सा जिसका प्लाट नं० 304, मोग्रा विलेज, मधरी, बम्बई मे स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-2v/37ईई/40327/86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 21-11-86 को रजिस्टड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायफ्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2ए, बनम्ह

तारी**य** 1'4-7-1987 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अन्यफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2ण, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जलाई, 1987

- निदेश सं० म्रई-2ए/ 37ईई/ 40131/ 86-87— म्रत: मुझें, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/৮ रहः से अधिक हे

ग्रौर जिसकी सं० प्लेट नं० 1001, जीघेल महल, वरसोवा, ग्रंधरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाद्ध ग्रनसूची में ग्रौर 'पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि- कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 20-11-1987

² को पूर्वायस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सृष्ट्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पीया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अक्रूतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उससे अचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अब्ब अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमित हे मरी वाई एच० मधानी और सरला एल० मधानी।

, प्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज कांचन ग्रीर मोहतलाल कौचन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या शरसंबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधी हस्साक्षरी के पास सिलिस में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुस्ती

पलेट नं० 1001, जो 10 वीं मंजिल, जीवेल मह्ल, को०-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सात बंगलोज, वरसोवा, जें० पी० रोड, ग्रंधरी (प) बम्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-20/37ईई/40131/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायफ्त (निरीक्षण) भ्रजन रें ज-2ए, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

मुख्य बार् . टी . युन . एस ..------

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याज्य, उद्दारक वांवकर वाव्यत (विर्वाज्य)

ग्रर्जन रेंज-2ए, ब∓बई

बम्बई, दिनांक 14 जलाई, 1987

निदेश सं० ग्रई-2ए/ 37ईई/ 41017/ 86-87— श्रत: मुक्ते, ए० वैद्य,

भायकर भिभित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् उन्तर अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के नभीन तकम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 3, श्रधरी, मोनीणा सोक्षाइटी, श्रंधेरी बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूण-रुप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीनह सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 12-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के क्ष्यू प्रतिखत से अभिक है और अंतरक , तरकों) और अंतरित (जंतरितियों) े तिय एसे बंतरण के निए तय पावा क्षा प्रतिकत किन्तिविक स्था से किए तय पावा को सामक किन्तिविक स्था से किए तय से विकास से वास्तिविक स्था से किएत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावसा, जनस समिनियम के सभीम कर दोने के अन्तरक बी दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसे किसी बाव वा किसी भन या अन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) भी अयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया बचा वा या किया जाना चाहिए वर, स्थिपने में अविका के लिए।

प्रतः कथ, उपतः विधिनियम की धारा 269-ए **सै वजूसरण** को की अक्त विधिनियम की धारा 269-**व की उपधारा (1) में वर्षीम, विकासिकित स्वित्यों वर्षात् क्र--** (1) श्रीमति मोहिनी एम० खीयारा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवान दास वरुलभदास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचवा थाड़ी इसको पुन्तीयस अन्तिस वो वर्षन के दिवर कार्यगाहियां चुक कड़ता हैं।

वक्त बन्दक्ति के बर्चन के बन्दन्य में कोई जी आक्षेप हन्तन ..

- (क) इस ब्रुचना के राजपून में प्रकाशन की शारीय ते 45 दिन की व्यक्तिया तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर ब्रुचना की दानीन से 30 दिन की वर्गीय, यो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के एवपन-में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य स्थानत इताय सभाहस्ताक्षरों के पास निर्माण में किए या सकेंगे।

स्वक्रीकरण ह—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उन अध्याय में विया स्वा है।

धनुसूची

गाप नं० 3, जो तल मजिल, श्रंधरी मोनीशा, को०-ग्राप० हाउमिंग मोमाइटी लि०, बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि ऋ० सं० श्रई-2ए/ 37ईई/ 41017/ 86- [●] 87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 12-12-86 को रजिस्टड किया गया है।

ए० वैद्य रक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2ए, बस्बई

तारीख: 14-7-1987

मोक्षण:

प्ररूप आर्च.टी.एत.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरक्तिक)

श्चर्जन रेंज-20, बम्बई बम्बई, दिनाक 14 जलाई, 1987

निवेश सं० ग्रई-2ए/ 37ईई/ 40612/ 86-87— ग्रत: मझे, ए० वैद्य,

अभ्यकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं फ्लेट न० 501, माउ ण्ट विल्डिंग वसींवा संभित्ती बस्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाद अनमूची में श्रीर पूणक्प से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर धिनियम 1961 की श्रीरा 269 कख के सधीन, बस्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 27-11-1986

को पूर्विका संभवित के जिन्दा बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिकास को सिए जन्दरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का अभरण हैं कि बजापूर्विका सम्बद्धि का उचित बाजार मुख्य, जसके दश्य-

क्या स्वाप्यावत सञ्चारक को उपयत बाधार मृत्य, उतक दश्य-काम प्रतिकास से, एसे कावमान प्रतिकाल का पन्छ प्रतिकात में अधिक ही बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिस्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकास, निका-सिकात उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्तित में वास्तजिक क्या के काशक नहीं किया गया ही है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने गा उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सतीश कुमार प्रग्नवाल ग्रौर श्रीमृति राज्यश्री ग्रग्नवाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री जितन जयन्ती लाल मेहता श्रीर श्रीमित् जया ' जयन्ती लाल मेहता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना करितामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुंवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्तक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्रस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त करों और पदों का, को उक्त 'अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया 'स्था है।

वनुसूची

पर्लंट नं० 501, जो माउण्ट बिल्डिंग, जयप्रकाण रोड, वरसोवा श्रंधरी, बम्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि के० स० ग्रई-2ए/ 375ई/40612/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 27-11-86 को रजिस्टफ किया गया है।

ण्० वैद्य सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ण्, बम्बई

अतं अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के बधीन, निक्मिसिसिस व्यक्तियों, अधात् :---

तारीख: 14-7-1987

स्था वार् ह हो. एक पूर्व ----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीम सूचना

ताह्य दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2ए, बस्बई

बस्बई, विनांक 14 जुलाई, 1987

, निर्देश सं० ग्रई-2ए/37ईई/41062/86-87—-श्रतः मझे ए० बैध

भावकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परकात् 'उक्त' अभिनियम' कहा गया हैं), की भाग्र 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्वात करने का छाउन है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मुस्य 5,00.000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० भाप न० 1, सिङ्किट चेंबर्स, ग्रन्धेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध म्ननसूची में ग्रीर पूर्ण प से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर प्रधिनियम की धारा क्ष69 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिंदी है तारीख 12-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रोतेफल के लिए अन्तरित की गई और मृभें यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापृवंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बेद्रह् प्रतिश्वत से विधिक है विदे वंतरक (वंतद्रकों) बार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने मा सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आएकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, हो, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारत (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स सिडिकेट बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री णंकर रमन्ना शेट्टी श्रौर श्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह त्युना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित से सुर्वन से हिन्द कार्यवाहियां शुरू करता हुं .।'

खबद बम्प्रित से वर्धन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस त्यना के राज्यका में श्रकावन की तारीच की 45 दिन की बदीच या तत्स्थ्यकी व्यक्तियों पूर कृषणा की तानीस से 30 दिन की जनिथ, जो भी श्रमीक नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंबद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी को 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास निविद्य भी किए जा स्केंगे।

स्वच्छीकरुण — इसमें प्रयुक्त प्रक्यों और पदों का, जो स्वक् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हुँ, वही अर्थ होगा वो उस स्थ्याय में दिवा प्रवाही।

अनुस्ची

णाप न० 1, जो तल मिज भीर बेसमेट, सिडीकेट चेंबर्स, महार रोड, भ्रन्धेरी (पु), बम्बई 400069 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० म० श्रई-2ए/37ईई/41062/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्ए० **बेध** सक्षम प्राधिकारी महायक फ्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) ग्रर्जन रेज−ए, बम्बई

तारीखः : 14-7-1987

मोहर .

इल्प आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1रेके अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई, 1987

निर्देश सं० ग्रई-2ए/37ईई/41252/86-87—श्रतः मुझे ए० नैध

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० पलट नं० 1, यूनिट नं० 17, मग्नम टावर कोम्पलक्स भ्रन्धेरी (प), बम्बर्ष 58 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रजिस्टी है तारीख 2-1-1987

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बाध्य से उक्स अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) वे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री महेश सी० बिजलानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जनीश भागवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो तल मंजिल यूनिट नं० 17, मेग्नम टावर कोम्पलक्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्चई-2ए/37ईई/41252/86-87 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्र० वैध सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-२ए, बम्बर्ट

तारीख: 14-7-87

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

स्रजीन रोज २ए, वस्बर्ड

बस्बई, दिनाक 14 जुलाई, 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० पलट नं० 22, स्रादर्ण स्यूचल, श्रन्धेरी (प०) वस्बई 99, मे स्थित है (स्रौर इसमें उपावद्ध स्रनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई से रजिस्ट्री है तारीख 17-11-1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिक्त को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पदह प्रसिक्त से अन्तरित को अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नालिक्त उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिसित धास्तिक है से किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुए किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बालकृष्णा वासुदेव गोडबोले

(ग्रन्तरक)

(2) डाक्टरं श्रीमती शशीकला शिवराम गोडबोले (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया हैं।

मभुस्ची

फ्लैंट नं ० 22 जो पांचवी मंजिल ए विग, आदर्श म्यूचल को ० ग्रोप० सोसायटी लिमिटेड बी० के० कृष्णमेनल मार्गः, चकाला, ग्रन्धेरी (प०) बस्बई 99 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० स्पर्ड-2ए/37ईई/40010/86— 87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० बेध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2ण, वस्बई

नारीख: 11-7-1987

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई, 1987

निर्देश सं० श्रई-2ए/37ईई/40850/86-87——ग्रतः मुझे भ०वैध

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण हैं जिरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. में अधिक हैं

श्मीर जिसका श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० ए-11, राम झरूखा, अन्धेरी (प०) बम्बई 400058 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-12-1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्वविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुक किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व म' कनी करने या उससे वचने में सुविभा में किए; जोड़/मा
- (का) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधि-ित्यम, या धन-कर अधि-ित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, रिज्ञपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुशिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भूपेंद्र मनमखलाल शाह

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती प्रतापराय शाह ग्रौर श्रीमती ग्रजय शाह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उपक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकने।

स्वष्ट्रीकरण:—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सू ची

फ्लैट नं ०ए-11, जो राम झखखा, एम० बी० रोड, भ्रन्धेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रर्द-2ए/37ईई/40850/86- 87 ग्रीर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-1986 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जलाई 1987

निर्देश सं० श्रई-2ए/37ईई/40770/86-87—-अतः मुझे, ए० बैध,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षमें प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/। रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सीटीएम नं० 131, लिक रोड, जोगेण्वरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-11-1986

को प्रवेक्ति सम्पत्ति कं उत्तित बाजार मूल्य से फम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक्तें) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे उन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं स्थित गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई िकसीं आय की बाबत, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पिधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाद्धा प्रकट नहीं किया नवा धार्या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा खें विष्;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखितं व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स मिश्रा कनस्ट्रक्शन को०

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स श्रंसाल श्रोपर्टी एण्ड इंडस्ड्रीज (पी) लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतां हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सीटीएस नं० 131, सर्वेनं० 26 लिक रोड, श्रोशिवरा, जोगेश्वरी (प), बम्बई मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-2ए/37ईई/40770/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 28-11-1986 को रजिस्ड किया गया है।

ए० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-∠ए, ब्र∓बई

नारीख : 14-7-1987

प्ररूप आहें. टी. एन. एस ----

भागा अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भागा 269-घ के अभीन सुचना

भारत सरकार

क्क्ष्मानिकः, सङ्गायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज 2ए, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 14 जलाई 1987

निर्देश स० श्रई-२ए/३७ईई/४०११७/८६-४७—श्रतः म्झे, ए०बैध, .

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 18 (पार्ट), भवानी नगर, ग्रन्धेरी (प०) बस्बई 59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 20-11-1986

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित हाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत स अधिक है और अंतरफ (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिधित उद्देश्य में उवा सन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (व्य) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा श्री सिए।

(1) कपांडिया डेबलपमेंट को० श्राप० हार्जासग सोसायटी लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) कानुगो कनस्ट्रक्णन्स लिमिटेड

(श्रन्तरिती)

को यह स्थन जारों करके पूर्वाक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के मम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) प्रस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रश्ना, कवरों और पड़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होंगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अवस्थी

प्लाट न० 18 (पार्ट), भवानी नगर, मरोत गराणी राउ, श्रन्धेरी (प०), बम्बई 400059 में स्थित है।

ग्रनुम्ची जैसा कि क्र० स० ग्राई-20/3755/10117/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारीबम्बई इत्स दिसांक 20-11-1986 को रस्टिई किया गया है।

एः वैध मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायवन (निरीक्षण) श्र्यान रेज 20, बम्बई

अतः अब् , उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण गैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थातः :---

नारीखाः 14-7-1987

प्रारूप आर्ड. टी. एन. एस.⊶––

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक भायकर बायुक्त (विरोक्षण)

श्रजन रेज २ए, बम्बई

वम्बई, दिनाक 14 जुलाई 1987

निर्देश स॰ श्रई-2ए/37ईई-40709/86--87---श्रत. मुझे, ए०क्षेप्र.

खायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मद्धि जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु सो अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 13, यूनियन पार्क, श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्राय्कर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-11-198,

को पृतंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विद्वास फरने का कारण है कि यथा पृवेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक रू और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए से अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अतरण निस्तित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, कंट/यः
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) सज्जनलाल कीशनलाल प्रीहित

(ग्रन्तरक)

(2) कामनवाला हार्जीसग डेंबलपमेट फायनेस कम्पनी लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनक्त संपर्शित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाध्येप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के औतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क्) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिनेकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>्ची

प्रोपर्टी जो प्लाट न० 13, यूनियन पार्क, सीटीएस न० 1111/17, दाडा विलेज, ग्रन्धेरी, बम्बई मे स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क्र० स० स्रई-2ए 37ईई-40709/86-87 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 28-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैध मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-20, बम्बई

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उवत अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) को अधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख ' 14-7 1987

मोहर '

प्ररूप आह^र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई, 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० प्लाट नं० 5 फेज 2, मरोल इंडस्ट्रियल एरिया भ्रन्धेरी (पु), बस्बई में स्थित है भौर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तितयों, अधीतः:—— (1) बोम्बे इलेक्ट्रोनिक्स को० प्रायवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) विकास टवीस्टर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

जमीन का हिस्सा कौर फक्टरी प्रीमायसेस जो प्लाट नं० 5, फेज 2, मरोल इंडस्ट्रियल एरिया, मुलगांव श्रन्धेरी (पु), बस्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० सं० भ्रई-2ए/37ईई/40662-86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 28-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रुजन रेंज-2ए, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस्न -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जलाई 1987

निर्देश सं० अई-2ए/37ईई-40669/86-87—श्रतः ॄ्मुझे; ए०वैध,

आयकर अधिनिमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रूपये से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० यूनिट नं० बी-55 नन्द भवन इंडस्ट्रियल इस्टेट अन्धेरी (पु) बम्बई 93 में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा भाय-कर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-11-1986

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए स्य पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बह्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना झाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

(1) प्रीमियर टेक्सटाईल मिल्स

(अन्तरक)

(2) सोलार सीन्थेटिक्स प्रायवेट लिमिटेड

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन, के लिए कार्यगिहियां शुरू करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

यूनिट नं० बी-55 दूसरी मंजिल नन्द भवन इंडस्ट्रियज़ इस्टेट महाकाली केव्हज रोड श्राफ श्रन्धेरी कुर्ला रोड, श्रन्धेरी (पु) वम्बई 400093 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि क० सं० श्रई-2ए/37ईई-40669/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैध संक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंत्र 2ए बम्बई

तारीख: 14-7-1987

ANT MINTER STREET, COM COMMENCEMENTS

भाषकार विभिन्न, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-पु (1) के स्पीन कुलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2ए बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० ऋई-2ए/37ईई-39771ए/86-87---**म**त. मुझे,ए०वैध,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) फिले इसमें इसके परवात् 'उपत अधिनियम' बद्धा पना हैं), की वाद्धा 269-क से अधीन सक्त प्राधिकारों को वह विश्वास करने का बादन हैं कि स्वावत सम्पन्ति, विश्वक क्षीत्रक नामार मृख्य 5,00,000/- उन्त से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 99 मरोल को० श्राप० इंडस्ट्रियल इस्टेट मरोल बम्बई में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण चप से वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-11-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्याम स्ट्रें का सारण है कि प्रमान्योंका सम्पर्ति का श्रीपत नावास मृत्य, उसके द्रममान प्रतिफल से, एसे सम्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वों) से बीच एसे सम्तरण से विश् तय पाया गया प्रति-क्ष निम्मीनिया उद्योक्य से उच्छ नंत्रण निचित्य में नास्तिक्य स्म से स्वित कार्ष किस्त स्था है

- (क), अन्तरण में शुर्ष किसी आय की बावता, उक्त अहैपित्वच के स्पर्धित कहा ये में जन्तरक के वासिरक में कमी कहा ने वासिरक में एतिया के लिए; अप्रिया
- ्वि एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियां की; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यन्ता प्रकट नहीं कियं या का बा किया जाना जाहिए था, कियाने में दिवस के सिएक

अदः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के संधीम, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधित् १---

- (1) मैंसर्स क्वा जर इलेक्ट्रानिक्स प्रायवेट लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स युनिलाईट इंडस्ट्री ज

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेवित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता श्रृं १

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'-जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 99 मरोल को० ग्राप० इडस्ट्रियल इस्टेट मरोल विलेज एस० नं० 50 हिस्सा नं० 3 पी बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि फि॰ सं॰ मई-2ए/37ईई-39771ए/-86-87 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2ए, बम्बई

तारीख : 14-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

(1) मैंसर्स पंजाब मैंटल्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अमर प्लास्टिक्स

(भ्रन्तरिती)

आवक्ष अभिनियस : 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीने सूचना

भारत सरकार

कार्यासय बहायक बायकर आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 198

निर्देश सं० भई-2ए/37ईई/40713/86-87--अत: मुझे, ए० बैध,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269 व के मधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सजित बाबाह न्स्व 1,00,000/- फ. से विभक्ष हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 103 मरोल इंडस्ट्रियल एरिया भन्धेरी बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28-11-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्श्यमान मित्रफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित घाजार बूख, उसके स्वयमान मित्रफल से, एके स्वयमाय मित्रफल का पन्तर मित्रफल से शिर्म स्वयमाय मित्रफल का पन्तर मित्रफल से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और विश्वित में मिन्र होने बंतरण के सिद्द हुए प्राप्त गमा मित्रफल का दिम्मित्रिक स्वयम्प से स्वयं बुक्त कुरू हुए से बास्त्रिक का विश्व हुए से बास्त्रिक का प्राप्त मिन्रफल के सिद्द हुए प्राप्त गमा मित्रफल का सिद्द हुए से बास्त्रिक का स्वयम्भ से स्वयं बुक्त का सिद्द हुए में बास्त्रिक का स्वयं का स्वयं हुए से बास्त्रिक का स्वयं क

- (क) मन्तरण वं हुएं किवीं भाग औं वावस्ता करक विविवयम् से स्वीक् कर वर्षे से मन्तरक से वाहित्य में कर्मी करने या उसके बच्चे में बृद्या में दिखा बहित्या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन वा कस्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आय-कड नीधनियम, 1922 की 11) वा चन्छ नीधनियम, 1922 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्लारिसी ह्याडा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह क्षणा आडी करके पूर्वीक्स सम्बद्धिः में अर्थन हैं किस्

उपन सम्मारित के मर्भन के सम्बन्ध में खोदों ही नासीय क्ष्म

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए आ अम्बेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीमामित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपूर्व हो

-प्लाट नं० 103 जो मरोल इंडस्ट्रियल एरिया एम श्राय० डी०सी० मुलगाव विलेज श्रन्धेरी बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2ए/37ईई/40713/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-247 बम्बई

तारीख: 14-6-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधादी (1) के अधीन में निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीन मन्न

THE BIT IN A REPORTED HER

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1), के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यक्रम् । शहरक नायसर नाम्स्य (विश्वीसन)

श्चर्जन रेज 2ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० [श्रई-2ए/37ईई/40687/86-87--श्रतः मुझे, ए० बैध;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रुपये से अधिका ही

श्रीर जिसकी सं० सीटीएस नं० 1193 सर्वे नं० 34 वर्सोवा श्रन्धेरी (प) बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-वियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-11-1986

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के उष्ध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उन्तित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, ऐसे उध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निक्निलिस उच्चेध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। ---

- '(क)' अन्तरण से हुंहै किसी आय की बाबत उपल अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना जाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

सत् अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधिर, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थाद के क

(1) कोपावा विल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) हरासीध कारपोरेशन

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के अर्जुन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ह--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर तम्पति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सीटीएम न० 1193 सर्वे नं० 34 हिस्सा न० 2 (पार्ट) वर्सीवा ग्रन्धरी (प) बम्बई मे स्थित

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2ए/37-ईई/40687/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2ए बम्बई

तारीख: 14-7-1987

THE STEE STEELS IN STREET

शायकड अभिनियम् । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) में अभीत सुख्या

BILL SEPTE

ख्यां अव्या अद्वावक बायका वायका (दिल्लीका)

श्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० ग्रई-2ए/37ईई-40142/86-87---ग्रतः मुझे, ए० बैध

भावकर विधिवियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इससें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थाबर संख्यित्र, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एस० नं० 54ए एच०नं० 2 स्रन्धेरी कुर्ला रोड चकलाला स्रन्धेरी बम्बई मे स्थित है (स्रोर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) स्रोर जिसका करारतामा आय-कर स्रधिनियम की धारा 269 क ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तोरीख 20-11-1987

मो पूर्वोंक्त संप्रद्वित को उज्जित बाजार मूल्य से कुन को दश्यमान हित्काल की लिए अन्तरित की लाई है और मूझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथाष्ट्रविका तंपित का उजित बाजार मूल्य , उसके दश्यमान प्रतिकल का यज्ञ प्रतिकल के प्रतिकल से वज्ञित वोजार मूल्य , उसके दश्यमान प्रतिकल का प्रतिक से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्दितियों) के बीच ए'से अन्तरण के निए तय वाया गया प्रतिकल , निक्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिख में बास्तिक रूप से किंथत नहीं किया गया है है—

- [क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत-, उद्युष्ट मिलिए के बन्दर के बन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/वां
- (क) एसी बिक्की आग्र या किसी भन या जन्य गास्तियों कार्य कार्य आस्तियों कार्य कर्ष अभिनियम , 1922 (1922 का 11) वा उनक अभिनियम , या भनकर अभिनियम (वा भनकर अभिनियम (वा भनकर अभिनियम (वा भनकर अभिनियम (वा भारतिस्ति हुकारा अभाग्य वहीं किया गया था या किया आना जाहिए था किया है किया के लिए;

ब्देश वन, उस्त अधिनियम की पाए 269-म भी ब्रमुहरक में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीम, निम्मलिखित अधिनत्वों, अधीत् हि— (1) विरमती विजयसिंग ग्रीर ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स अरीहंत बिल्डर्स

(ग्रन्तरिती)

ों यह सुन्ता जारी करके प्रश्रेष क्रम्पीड के कर्मा में जिल्ला कार्यवाहियाँ शुरू करता हो।

ब बत प्रश्नाति में अपने में प्रश्नेष में मादि ही बाहरे हैं-

- (क) इस स्चान को राज्यत में प्रकाशन की तर्शीय है 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. शृक्षना के हाज्यन को प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर सकत स्थावड संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अयोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकते।

स्पद्धिकारणे क्ष्यां प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत निवस, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, बह्धी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।?

अनुस्की

जमीन का हिस्सा जिसका एस० नं० 54एफ सीटीएस नं० 23; 23/1 से 23/15 अन्धेरी कुर्ला रोड चकाला अन्धेरी बम्बई में स्थित है।

ग्रन् सूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2ए/37-ईई/40142/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्रयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 2ए, बम्बई

तारीख: 14-7=1987

प्ररूप आहर् टो एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० ग्रई-2ए/37ईई/40702/86-87--श्रतः मुझे ए० बैध

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'अवतः अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- इ. से बिधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 50 विलेज मोग्रा श्रन्धेरी बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है वारीख 28-11-1987

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त के लिए जन्सरित की गई है और गुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उध्यत बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत का फ़ब्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थीन (——

(1) चन्द्रकांत लिगान्ना पुजारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरपतराय बेसरमल मेहता श्रीर श्री पुखराज भूनीलाल बफना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति खूँ अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिश ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वया ही।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 50 एच०नं० 3 (पार्ट) एस० नं० 46 एच नं० 9 एस० नं० 48 एच०नं० 1 (पार्ट) एस० नं० 48 एच०नं० 7 (पार्ट) सीटीएस नं० 185 185/1 से 6 विलेज मोग्रा अन्धेरी बम्बई है।

भ्रनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ घ्रई 2ए/37ईई/40702/86~ 87भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1986 को रैंजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2ए, बम्बई

बम्बई; दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० अई-2ए/37ईह/40885/86-87—-श्रन. मुझे जे०बैध

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/-रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सं० पलट गं० 901 एक्सलेसी विल्डिंग नं० 1 वर्सीवा अन्धेरी (प) बम्बई 58 में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनु सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्राय-कर श्रिविनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधाकारी के कार्यालय अम्बई में रजिस्टी है तारीख 5-12-1987

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्लूड प्रतिचत से स्थिक है वीर अन्तरक ((अन्तरका) कीर (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्षरेप से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य मों कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) लोखंडवाला प्रीमीयसेस लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) प्रविन मुल्तान प्रेमजी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापतः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी कन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 901 जो नन्थी मंजिल एक्सलैन्सी बिल्डिंग नं० 1 प्लाट नं० 75 एस० नं० 41 (पार्ट) चार बंगलोज श्रोणिरा वर्सीवा श्रन्धेरी (प) बम्बई 400048 में स्थित है।

श्चन मूची जैसा कि कि गं श्रई-2ए/37ईई-40885/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

सारीख: 14-7-1987

प्रस्प बाई टी एन एस उन्हरून

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० श्रई-2ए/37ईई/40186/86-87--श्रत मुझे ए० वैध

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिक्यम' कहा गया है), करी धारा 269-स के अधीन सक्षम ग्राधिकारी कर यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000//- रु. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 1201 क्वार्टर डेक वर्सोवा श्रन्धेरी (प) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 20~11~1986

को पूर्वों क्ल सम्मत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के जिए अन्तरित की गढ़ें हैं और पृत्रों यह विश्वास करने को कारण हैं कि स्थापनों कित सम्मत्ति का उचित बाजार मूला, उसके एश्वामान प्रतिकाल है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिवित्या) के बाँच एस अन्तरण के तिए तम पामा गमा प्रतिकाल, निम्नतिविद्या उच्छों के से इन्दर्भ मन्तरण कि तिए तम पामा गमा प्रतिकाल, निम्नतिविद्या उच्छों के से इन्दर्भ मन्तरण कि सिंह में बासित के सम्मतिवाल कर से कार्यित नहीं किया गमा है है—

(क) अल्लाका से इत्यं क्लिकी कार की बाबत अवत अविद्यानकों क्रपीत कार की के कन्तरक के वाधित्व में क्रपी करको या अस्मी बचने में स्विभा के लिए। वर्षिता

[(स) एंसी किसी साम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-करत अधिवियम, या धन-करत अधिवियम, वा धन-करत अधिवियम, वा धन-करत अधिवियम, वा धन-करत अधिवियम, वा धन-करत प्रकृष्ट दहिंगे किया गया भा या किया जाना आहिए था, कियान में सुविधा के जिए।

मतल ज़्ब उन्सर विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1)! के विभीन, निम्नितिवत व्यक्तियाँ, वर्षात् हि—

(1) व्हाय एम० इनवेस्टमेट

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स लोखंडवाला होटेल्म एण्ड प्रोपर्टीज प्रार्थवेट लिसिटेड

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अपित्रसर्गे पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हिन्न- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्न अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।.

अनुस्ची

फ्लैट नं० 1201 जो बारहवी मंजिल क्वार्ट्र डेक जे० पी० रोड वसोंबा श्रन्धेरी (प) बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2ए/37ईई/40186/86-87 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैध मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽2ए, बम्बाई

तारीख: 14-7-1987

त्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रें न- 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० श्रई-2ए/37ईई-40204/86-87—श्रतः मुझे, ए॰ बैध

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ण्ड्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 1002 एक्सलेंसी वी बिल्डिंग नं० 2 धर्सोवा श्रन्धेरी (प०) बम्बई 58 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2--111-986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रूयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 15—206GI/87 (1) लोखंडवाला प्रीमायभेस लिमिटेड

(भन्तरक)

(2) डिपल कपाडिया

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेटन० 1002 जो दसवी मजिल एक्सलेंसी बी बिल्डिंग नं० 2 प्लाटनं० 75 एस न० 41 (पार्ट) चार बंगलोज श्रीशिवरा वर्सोवा श्रन्धेरी (प) बम्बई 400058 में स्थित

श्रनुसूची जैसा कि कि॰ सं॰ श्रई-2ए/37ईई-20402/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैंध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए बम्बई,

तारीख : 14-7-1987

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रें त-2ए, बस्बई बस्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987 निर्देण सं० श्रई-2ए/37ईई-40886/86–87—न्य्रतः मुझे ए० बैध, शकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचाल उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधिन स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

1.00,000/- रा. सं अधिक हैं

प्रौर निसकी सं० फ्लेट नं० 1001 एक्सलेंसी बिल्डिंग नं० 1,

वर्सोवा ग्रन्धेरी (प) बम्बई 58 में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद्ध

प्रमुक्ती में प्रौर पूर्ण रूप में बिलित है) प्रौर जिसका करारनामा

प्रायकर श्रिष्ठित्यम की धारा 269 क ख के श्रिष्ठीन सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान

प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विक्वात

फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार

मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का

पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिकी

(अंतरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विष्य से उपक अंतरण सिचित में

बास्तिकल कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बस्तत, मायकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा चे सिए;

कतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसन्दर्भ जें, जें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) लोखंडवाला प्रीमायसेस लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लैला एच० रमोडीया श्रौर श्रीमती श्रनाहीता एच० रमोडीया श्रौर श्रक्तिन एच० रमोडिगा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्तः सम्परित के अर्जन के लिए काथवाहिया करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासीस से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समस्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 वित्र के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बवुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किविक्त में किए जा सकैंगे।

स्थब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकाम के अध्याव 20-क में पर्भावित ही, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 1001 जो पहली मंजिल एक्सलेंसी बिल्डिंग नं० 1 हिप्लाट नं० 75 एस० नं० 41 (पार्ट) चार बंगलोज ग्रोणिवरा वर्सीवा अन्धेरी (प) बम्बई 400058 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि क॰ सं॰ भई-2ए/37ईई-40886/86-87 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 5-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गयाहै।

> ए० वैध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च को अधीन सुचना

(1) लोखंडवाला प्रीमायसेस लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बिमलादेवी राधेश्याम कतारूका ग्रीर राजेण राधेश्याम कतारूका

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-2ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं॰ मई-2ए/37ईई-40280/86-87--मतः मुझे ए॰ वैध

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 301 एक्सलेंसी बिल्डिंग नं० 1 वर्सोवा अन्धेरी (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 20-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंदिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम हे अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित विकायों, अर्थात्:-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के जर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इं 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्वार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकृगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लेट नं० 301 जो तीसरी मंजिल एक्सलेंसी बिल्डिंग नं० 1 प्लाट नं० 75 एस नं० 41 (पार्ट) चार अंगलोज वर्सीवा अन्धेरी (प) बम्बई मे स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि कि सं श्रई-2ए/37ईई-40280/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 20-11-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायुक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, बस्बई

तारीख: 14-7-87

प्रकल बार्ड : की. एत . एत .] ------

वारकर वार्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-त (1) के सभीन स्वना

ज्ञारत सरकार

कार्यांतव , तहायक वायकर वाय्वत (हिनरांवाव)

श्रर्जन रेंज 2-ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987 निर्देश सं० श्रई-2ए/37ईई-40187/86-87—स्रतः मुझे, ए० बध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1301 क्वार्टर डेक वर्सीया ग्रन्धेरी (प) बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है) ग्रौर जिमका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 के ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 20-11-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रियमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझें यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान अतिफल से एसे दश्यमान अतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से बिभक है और अन्तरक (बन्तरका) जोर बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नहिस्हित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- [क] अच्चरण वं दुःवं फिली जान की नावर्षता सकत महिन्दिनन के अधींच कर वंगे के अस्परण के वासित्व में कमीं करने या उससे बचने में सूर्विधा के विषय; और/पा
- (च) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर बाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत बाधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ' छिपाने में सुविधा के लिए;'

अत् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्धाता :— (1) बाई एस० इनवेस्टमेंटस

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स लोखंडवाला होटेल्स एण्ड प्रोपर्टी न प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्रिय हु---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्मा;
- (क) इसं सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुस्चीं

फ्लेटनं० 1301 जो तेहरवीं मंत्रिल क्यार्टर डेक जे०पी० रोड वर्सीवा अन्धेरी (प) बम्बई में स्थित है।

श्रनु सूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2ए/37ईई-40187/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

तारीख: 14-7-1987

प्रारूप आ**र्ष** .थी . एवं . एक स्टूर्स भूतराज्यक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेक्र ए, बम्बई

बम्बई दिनाक, 14 जुलाई 1987 निर्देश स० श्रई-2ए/37ईई, 40396/86~87--श्रतः मुझे ए० बैद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी स० पलट न० 402 एक्सलेसी-ए (बिल्डिंग 2) अधेरी (प) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रिधिनयम की की धारा 269 क ख के ग्रेबीन सक्षम व्रव्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 21-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान विद्याल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है ——

- (क) बन्तरक छं हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व के कमी कड़ने या उससे क्यने में स्विधा के सिए; औड़/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसल अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना धाहिए था, छिपाने में सुनिधा भी किहा.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तिकर्णों, अर्थात् :---- (1) लोखंडवाला प्रीमायसेस लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरी प्रसाद एम श्रगरवाल

(ग्रन्तरिती)

को वह बुचना बारों करके पूर्वोक्स सन्यक्ति के धर्मन के बिह्र कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त तम्मिल के वर्षान के संबंध के कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में अकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविभ दा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तित;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमृक्त घट्यां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

"फ्लट गं० 402 जो चौथी मिजिल एक्सलेसी—ए (बिल्डिंग 2) प्लोट न० 75 एस न० 41 (पार्ट) चार बगलाज वर्सोवा ध्रधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० स० श्रई-2ए/37ईई/40396/86-87 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1986 को रिम्हर्ट किया गया है।

ए० बैंद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त श्रर्जन रेज-2ए, निरीक्षण बम्बई

दिनांक : 14 जुलाई 1987

प्रस्प नाह^र्टी <u>एन एस -----</u>

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

TOTAL STREET

क्षाबास्य, सहायक बायकर वायुक्त (विरक्षिक) श्रर्जन रेज 2ए, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० भई-2ए/37ईई/40019/86-87--श्रतः मुझे ए० बैंच

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्म 5.,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० फ्लैट नं० 702 एक्सलेंसी-बी बिल्डिंग नं० 2 वर्सीना श्रंधेरी (प) बम्बई 58 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 17-11-1986

का पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अं जारिविक रूप से किश्त नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की बाबत उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए। सर/या
- (स) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्सरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए वा, जियाने में स्विधा वे विद्या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीवत व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) लोखंडवाला प्रीमायसेस लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम परकाश मुंजल

(घलरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें
 45 विन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अविच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए का द्वीपे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिशाषित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"पर्लैट नं० 702 जो सातवीं मंजिल एक्सलेसी—बी बिडिंग नं० 2 प्लोट नं० 75 एस० नं० 41 (पार्ट) चार बंगलोज ग्रौणिवरा वर्सोबा ग्रंधेरी (प) बम्बई 400058 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं० श्रई-2ए/37ईई/40019/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1986 को रिजस्टिंड किया गया है।

> ग्रे० वैध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2ए, बम्बई

दिनांक :-14-7-1987

मोहर:--

शारूप आई.टी.एन.एस.-----

जासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

थायाँजब, सहायक बायकर बाबुबत (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2ए, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 जूलाई 1987

मिदेश सं० मई-2ए/37-ईई/40433/86-87--मनः मुझे म्रे० बैध

आयकर अधिनिवज, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धार 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, किसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000//- रु. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं प्राप्त नं 702 एक्सलेंसी -ए (बिल्डिंग-2) ग्रंधेरी (प) बम्बई - 58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 269 क खंके ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 21-11-1886।

करं पूर्वोक्तः सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मसिचित उच्चेस्य से उसत अंतरण सिचित में नास्तिकल कप से कथित नहीं किया गया है

- (क) मंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त विभागियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के शावित्व में कर्मी करने वा उससे बचने में सूबिका के सिद्ध बॉर/का
- (बा) एंनी किसी जास था किसी वन वा जस्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्का अर्थिजिक्का करी धारा 269-घ की उपध्यरा (1) के अर्थाम, जिस्सीसिक्का स्वितिकों, अर्थात् ६ (1) लोखंडवाला प्रिमायसेस लिमिटेड।

(श्रन्सरक)

(2) कृष्णा कुमार मरहेश्वरी श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस् 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अविक्तयों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसीं अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूवत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 2 जो सातबीं मंजिल एक्सलेंसी-ए (बिल्डिंग 2) प्लाट नं० 75 एस० नं० 41 (पार्ट) चार बंगलोज वर्सीबा श्रंधेरी (प) बम्बई-400048 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसािक क्र॰ सं॰ प्र $\hat{\xi}-2v/37-\hat{\xi}\hat{\xi}/40334/86-87$ प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

श्रे० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2ए बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, वम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जूलाई 1987

ज निदेश सं० म्रई-2ए/27ईई/40386/86-87--म्रतः मझे ग्रे० बैंघ

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलट नं० 102, एक्सलेंसी-बी (बिल्डिंग 2), वर्सीवा श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीमें श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्थत है। दिनांक 21-11-1986

क्षं पृवास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्ने क्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीरा, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लोखंडवाल प्रिमायसेम लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मती बिल्कीस ए० गफार स्नौर श्रन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी, करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्न्नां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्णे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

फ्सैट नं० 201, जो कि दूसरी मंजिल, एक्सलेंसी-बी (बिल्डिंग-2), प्लाट नं० 75 एस० नं० 41, (पार्ट) चार बंगलोन वर्सोवा, ग्रंधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ०सं० श्राई-2ए/37-र्डिं/40386/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए.० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्र–2ए, बम्बई

दिनांक :-14-7-1987

प्रस्त वाह. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक कायकर कायकत (भिरीक्षक) श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

ंबम्बई, दिनांक 14 जूलाई 1987।

निदेश सं० ग्रई-2ए,/37-ईर्र्श/40331/86-87--ग्रत मुझे ग्रे० बैध

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संजपनैट नंज 302, एक्सलेंसी—ए (बिल्डिंग 2), वर्सोवा, श्रंश्वेरी (प), बम्बई में स्थित है। (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 ख के श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिलांक 21-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेक्ट प्रतिशत से बाधक है बीर अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट शहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——
16—206GI/87

(1) लोखंडवाला प्रिमायसे १ लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरि प्रमाद एम० ग्रगरवाल

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष्ट कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समप्त होती हो, के भीतर पृबेक्ति करित्यों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 302, जो कि तीसरी मजिल, एक्सलेंसी-ए (बिल्डिंग-2), प्लाट नं० 75, एस० नं० 41 (पार्ट), चार० बंगलोज वर्सोवा ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है। ग्रंत्सूची जैगािक ऋ० सं० ग्रई-2ए/37-ईई/40331/86-87 श्रीर जो स्क्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

श्रे**ृ बैध** पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज–2ण, बस्वई

दिनांक: 14-7-1987।

प्ररूप आहरी, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ण, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश मं० ग्रई-2ा//37-ईई/40250/86-87-ग्रतः मुक्ते ग्रे० वैध

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास क्रनें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5 00,000/- रा. से अधिक है

पलैट नं. 602,-ए एक्लेंसी बिल्डिंग नं० 2, इसींबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है। दिनांक 20-11-1986

को पृत्रोंक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और अझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्कह प्रतिशत से बीधक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरितीं (बन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के तिए तय पाया भवा बित्यका, निम्नविचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिन्ति में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- विश्व कम्बर्थ के शुद्ध किसी बाब की शावत उपत अधिविका को शरीभ अर दोने को सम्बर्ध की वर्तीकाल की कभी करने या उसते वचने में स्विका में किए; करि/वा
- (क) एकी किसी वाय मा किसी भग ना जन्य जास्तिनों को, विश्व धारतीय जाय-कर वर्डणिननन, 1922 (1922 को 11) मा उनत अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जनतिराती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) लोखंडवाला प्रिमायसेम लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोहरएस० कांचवाला श्रौर श्री श्रनीस एस० कांचवाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टाकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्मर अधिनियंस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

"फ्लैंट नं० 602-ए, जो छठवीं मंजिल, एक्फलेसी बिल्डिंग नं० 2, प्लोट नं० 75, एम नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, ग्रोणिवरा, वसीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित हैं।

धनुसूची जैमा कि कि नं प्रई-2ए/37ईई-40250/86-87ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहूायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊷2ए, बम्बई

दिनांक : 14 जुलाई 1987

प्रकप जार्च . टी. एन . एस ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार भायकत निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश मं० श्रई-2ए/37ईई-40030/86-87-श्रत: मुझे ए० वैद्य,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के लधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000 /⊦ रा. से अधिक है

भ्रौर जिस्की सं० फ्लैट नं० 802, एक्लेंसी बिल्डिंग नं० 1, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपावद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित.है ग्रौर जिसका करारनामा, श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के ब्राधीन रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे राजिस्ट्री है नारीख 17-11-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इड्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विश्वास करन का कारण है कि सथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नामा गदा प्रतिफल, निम्नि वित उद्वरेग से उन्त बन्तरण भिक्तित में वास्तविक अन्य से क[ि]त नहीं किया गया है कु----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत डफ्त जिभिनियम के ज़बीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने वाउत्तर्से वचने में सुविधा के सिए;। मौर∕या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भाररतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विभा ने लिए:

अतः सम उत्तर सिंधियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन , निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् हः—

(1) लोखडवाला प्रीमायसम् लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह कलरा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारकै पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी गाशोप :---

- (क) इ.स. सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीय तै 45 दिन की अविधि या. तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अविभि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकरा **भ्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इ.स. स्वाना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितवहुष किसी अन्य व्यक्ति बुवाररा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरेंगें।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रमुंबत शब्दों और पदों का जो उन्तत अधि-नियम के अध्याय 20-क में: परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भूगसूची

"फ्लैट न० 802, जो श्राठवी मंजिल, एक्सलेसी बिल्डिग नं० 1, प्लोट नं० 75, एस० न० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

भनुसूची जैंका कि क० सं० ग्र**ई-2**ए/37ईई-40030/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी अस्बई द्वारा दिनांक 17-11-1986 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० दौद्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज--2ए, बम्बई

नारीख: 14 जुलाई 1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2ए, बम्बई धम्बई, दिनांक, 14जुलाई 1987

निदेश सं० ग्रई-2ए/37-ईई/40338/86-87--ग्रत: मुझे ग्रे० बैध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, एक्सलेंसी-बी (बिल्डिंग 2), ग्रंधरी (प), बस्बई-58 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है। दिनांक 21-11-1986

को पूर्वोक्त संभाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे धृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकट से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किस्क्री आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; . और/या
- (स) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या. उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लोखंडवाला प्रिमायसेस लिमिटड ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ ए॰ गंकार एम॰ दोशानी और अन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में करोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपका अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं 101, जो पहली मंजिल, एक्सलेंसी-बी (बिल्डिग-2), प्लाट नं 75 एस० नं 41 (पार्ट), ग्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैनािक ऋ० सं० ग्रई-2ए/37-ईई/40338/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21/11/1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, वस्वई

दिनांक: 14-7-1987

मोधर:

7701

प्रकृष बार्ड . हो . एन एस् २००००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में सभीन समा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-2ए, बम्बई

बम्बई दिनाक 14 जूलाई 1987

निदेश सं अई--2 $\frac{\pi}{3}$ 7--ईई/39929/86-77--अत. मुझे अ बैध

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार् मृल्य

1,00,000 // रु. से अधिक है और जिसेको स पलैट न 802, एक्सलेसो रूबो, बिल्डिंग न 2, वसोंवा, अंधेरो (प), बम्बई - 58 में स्थित है। (और इस ग उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप संबर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269 क, खंक अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रई है। दिनाक 13-11-1986

प्र**को पूर्वोक्त कम्पत्ति को उवित वाबार गृत्य से कम को अध्यक्षण** प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझो

क्ष्म विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का कांचत बाजार मृभ्य, उसके द्रम्यमान प्रतिकास से, एवे द्रम्यमान प्रतिकास से, एवे द्रम्यमान प्रतिकास से, एवे द्रम्यमान प्रतिकास को तंतरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के निए; जौर/वा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, भरं वब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया भवा या किया वाना वाहिए वा क्याने के ब्रियम के बिक्स ।

जत: बज, उनत अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण कों, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:---

(1) लौखडवाना प्रिमायसम लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रो मत मोना मुजल।

(अन्तरित)

को बह सूचना जाड़ी कारनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत र्रपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ३---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र स्थान की सामील से 30 दिन की अविभ, जो भी विदिश्य वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उच्ते स्थावर स्म्पत्ति में हिन बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारों अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए वा सकिथ।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नशा है।

अभूसूची

प्लैट न 802, आठवी मजिल, एक्सलेसी–बी, बिल्डिंग द 2, प्लाट नं∍ 75, एस न 41, (पार्ट), चार वंग-लोज, ओशिवरा, वर्सोवा, अधेरो (प), बम्बई-400058 मे स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क स अई-2ए/37-39929/86-87 और जो सक्षम प्राधिकार वस्बई द्वारा दिनांक 13-11-1986 की रजिस्टई किया गया है।

(ओ बैंध) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--2ए, बम्बई

दिनांक '-14-7-1987 मे(हर:--

प्रक्रम भाषील टील प्रकल प्रकल्य व्यवस्थान

बायकड वृधिनियस्त 1961 (1961 का 43) की कारा 269-न (1) के वृधीय तुषरा

तार्व परकर

कार्यासन, सहारक नायकर नायका ((नर्यक्षक)

अर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निदेश सं अई $-2 \nabla /37 -$ ईई-40619/86 -87 -- अतः मुझे थे बैध

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्टे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5.,00,000//- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० पलैट नं 401, एक्सलेंसी—ए, बिल्डिंग नं 2, अंशिवरा अंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है। इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रई है। दिनांक 27-11-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफस के लिए अन्तरत गह है की मभ्दे विश्वास करन यह कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं बर्रि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित **अव्योग्य से जन्त जन्तरण लिखित में नास्त्रिक रूप से कथित** ाहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किवी बाव की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन फार बोने को अंतरफ के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियां को, चिन्हें भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, डिपाने में बृदिका के लिए;

बतः कवः, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लाखंडवाला प्रिमायेसेस लिमिटेड ।

(अतरक)

(2) श्री विजय अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्धन के सिधु कार्यवाहियां शुरू करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाबन की तारींब 45 दिन की अविध या तत्सेबंधी न्यवित्तयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यवित ब्वायः
- (व) इस सूचना के स्वप्तृ में प्रकासन की तार्शिव वे 45 दिन् के भीत्र उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्यकृष किसी अन्य ध्यक्ति इतास अधिहस्ताक्षरी के वाद सिवित में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त प्रकार बीद वर्षों का, वा अवस् वृधिनियम, के बध्याय 20-क में पीरआवित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 301, जो कि तींसरी मंत्रिल, एक्सलेंसी-ए, बिलिंडन नं 2, प्लाट नं 75, एस० नं 41 (पार्ट) चार बंगलीज, ओक्शिवरा, बसीबा, अधेरी (प), बम्बई, 40005 हु में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-2ए/37–ईई/40619/86+87 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27–11–1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अे० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2ए, बम्बई

दिनांक :-14-7-1987 मोहर:

म्बन् भार्षं दी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई,, दिनांक 14 जुलाई 1987

निदेश सं अई-2ए/37-ईई/40022/86-87—अतः मझे अ बैध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- क में अधिक हो

और जिसकी फ्लैट नें 702, एक्मलेंसी बिल्डिंग नं 1, बर्सोवा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269*क, ख के अधीन बम्बई स्थिन श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 17-11-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उाचत माजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तिरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पावा पवा प्रतिकचा, विश्वसिद्धित कुद्धिक से उच्त बन्तर्ज विश्वसिद्ध के वस्त वन्तर्ज करण से किया नहीं किया गया है है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 195% (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लोखंडवाला प्रिमासिस लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश कालरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ग्यस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- ध्समे प्रकृतत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिका गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 702, जो कि सातवीं मंजिल, एक्सलेंसी विल्डिंग नं० 1, प्लाट न० 75, एस सं० 41, (पार्ट), चार बंगलोज, ओशियरा, वर्मोवा, अंधेरी (प), ब्रम्बई--400058 में स्थित है।

अनुसूची जैंगािक ऋ० सं अई-2v/37—ईई/40022/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17–11–1986 को रजिस्टई किया गिया है।

अे० **बैध** मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2ए, बम्बई

दिनांक: 14-7-1987

मोहर

प्रकथ आहे. टी. एन. एक. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुखना

नारत शहकार

• कार्यासक, सहायक कायकर वाव्यत (निराक्षक) अर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निदेश सं० अर्ह-2ए/37-ईई-40246/86-87--अतः मुझे, अ बैध

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिंते इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000//- रु. से अधिक हो

और जिसकी सं फ्लैंट नं 502, एक्सलेंसी-ए, बिल्डिंग नं 2, वसींवा, अंधेरी (प), बम्बई-56 में स्थित हैं। (और इससे उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विध्तित हैं), और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 21-11-1986

को श्वेंक्त सम्पत्ति के उपित आजार मृस्य में क्षम के इस्यमानं प्रतिप ल को लिए अंतरित की भद्दं हैं बार मृश्वे यह विश्वास करने करने का आरण हैं कि मथाप्वां कर संपत्ति का खिलत वाचार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं बार मंतरक (अंतरकाँ) बार मंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पावा गया प्रति-का निश्विमित्ति उद्वेद्य से उक्त बंतरण विकित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्) अस्तरण ते हुई किसी आप की थाअस, इनस जिल्लामियम औं अधीन अर वंने औ अभ्यरफ औ वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, धिन्ही अगर हेय आप-कर अधिनिषम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उचलं विधिनियम की धारा 269-म के वनसरण में, र्वे उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल :-- (1) लोखंडवाला प्रिमसिस लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री जूजार एम० कांचवाला और श्री फरजाना एस० कांचवाला।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

डक्ट सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्रेफ g----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जन्म मा तत्मस्वन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्वित्यों में से जिसी क्यक्ति इसारा:
- (ल) इंग्र स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हिलचड्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयंक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त निर्मात दो नध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही नधी होगा, को उस सध्यास में दिसा गर्थ ही !

अनुस्ची

पलैट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, एक्मलेंसी-ए, बिस्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 75, एस० नं० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि० सं० अई-2ए/37-ईई/40246/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 21-11-1986 को रजिस्टर्ड किशि गि है।

ञे० बैध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2ए, वम्बई

दिनांक: 14--7-1987

प्ररूप आहू .टी. एन . एस . -----

(1) लोखंडवाला प्रीमायसेस लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री विजय अगरबाल

(अन्तरिती)

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा । 269-व (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

यसिय , सहायक आयकर मामृक्त (निर्दीक्रण)

अर्जन रैंज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० अई-2ए/37ईई-40554/86-87---अतः मुझे, ए० **बैग**

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस की सं पलैंट नं 401, एक्सलेंसी-ए, बिल्डिंग नं 2, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 27-11-86

का' पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (कन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया -प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित वास्तीचिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गहा आ या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उवत ऑधीनयम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—--17—206GI/87

उक्त सम्पृतित् के वर्षत् से सम्बन्ध में कोई भी सामीप :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में नितबक्ष किसीं अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास मिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम को अध्याय 20-का में परिभाषिक हैं,। वहीं कर्ष होगा को जस अध्याय में विका गया हैं।

ननुसूची

फ्लैंट नं 401, जो घोधी मंजिल, एक्सलेंसी--ए, बिल्डिंग नं 2, प्लोट नं 75, एस न 41 (पार्ट) चार बंगलोज, ओशिवरा, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2ए/37ईई-40554/ 86-87 और जो सक्षम प्रोधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~2ण, वस्वई

विनांक: 14 जुलाई 1987

प्रारूप आहें, टी. एन े एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सङ्घायक बावकर आगुक्त (निरीक्रक)

अर्जन रेज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश मं० अर्ध-- 2ए/ 3 7र्हर्घ-- 40 3 8 8 / 8 6 -- 8 7 -- अत: मुझे ए० बैद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/-रुपय से अधिक हैं

और जिस की सं पर्लंट नं 402, एक्सलेंसी बिल्डिंग 1, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रो विगत हैं और जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 21-11-1986

का पृत्रांकित सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से मृत्य अन्तरण लिखित बास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उचत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती ब्वारा प्रकट नहां किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जत. जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के जन्तरण मं, मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) लोखंडवाला प्रीमायसेस लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डोन लीसींग एण्ड फायनेंनिशियल कनसहटंसी प्राईवेट लिमिटेड

(अन्सरिसी)

को ग्रह सूचना जारी कारके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांइ भी आक्षेप द---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की सर्विध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रय्वत शब्दों और पक्षी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वगुसूची

"फ्लैंट नं 402, जो चौथी मंजिल, एक्सलेंसी (बिल्डिंग-1) प्लोट नं 75, एस न० 41 (पार्ट), चार बंगलोज, वर्सोना, अधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई $-2\pi/37$ ईई-40388/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 21-1: 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैंग्र सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (ैं(निरीक्षण) अर्जन रेज–2ए, बम्बई

दिनाक : 14 जुलाई 1987 मोहर :

प्रक्ष आर्द . ही . एन् . एस . ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक कायकर आयुष्टरा (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2ए, धम्बई

बम्बई, दिनाक 14 जुलाई 1987

निर्देश स अई-2ए/37ईई-40245/86-87--अतः मुझे, ए० बैंद्य

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षमं प्रधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/৮ रु. से अधिक है

और जिस की सं० पलैट तं 302, एक्सलेसी बिल्डिंग 2, वसोंवा, अधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत हैं और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी हैं तारीख 20-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रइ प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भितिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे नास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है।——

- (का) भन्तरण वें हुई कितीं भाग की वाबत, उक्क नियम की अधीन कर वोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भिं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) लोखंडवाला श्रीमायसेस लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) अन्हें फेब्रीक्स प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कींड भी नाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी क्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्वितियों में से किसी व्यक्ति ह्वारां
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्परीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"पलैट नं 302, जो तीमरी मजिल, एक्सलेसी बिल्डिंग 2, प्लाट नं 75, एस न 41, (पार्ट), चार बगलोज, ओणिवरा, वर्सोवा, अधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैमािक क म अर्ड-2ए/37-ईर्ट/40425/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ट द्वारा दिनांक 20-11-1986 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

अे० वैध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~2ए, बम्बर्ड

दिनाक :-14-7-1987 मोहर :-

प्रकृत लाहु _च डी स्पृत् प्रकृत------------

अध्यक्त विश्वविषयं, 1961 (1961 था 43) पूर्व भारा 269-थ (1) से अभीन सूचना

STATE STATES

कार्यालय, तद्वायक भावकर जायुक्त (विरासिक्)

अर्जन रेंज-2ए, बम्बई बम्बई, दिनाम 14 जुलाई 1987

निदेश स० अई-2v/37-ईई/40149/86-87--अतः मुझे अे० वैध

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिचत बाजार मूल्म 5,00,000/- रु. से अधिक है

ु और जिसकी स सी टी एस न 145 (पार्ट), विलेज नापनाला, अंधेरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनाक 20-11-1986।

को दुर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार भून्य से कम के स्थमान प्रतिक्त के जिए अन्तरित की वह है और भूको यह विद्यास करने का काउन है कि सथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिक्रल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिक्रल, निम्निलिखित अक्रिक्त से उच्क अन्तरण कि लिए ता पाया गया प्रतिक्र क्य से स्त्रीवन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आसे था किसी वन का अन्य बास्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोगनार्थ अन्तिरियी हवाड़ा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में भूषिया में किसी

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन :---

(1) कपाक्रीया डेवलोपमेंट को आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेक्ष।

(अन्तरक)

(2) निना इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को नह सूचना जाशी कारके पृक्षीनस संपरित भी वर्णन के विक्

जनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 विन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूजा की तामील से 30 दिन की अवधि, चो शे कवृधि वाद में समाप्त होती हो, के बीता प्रांतस्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (च) इब स्चना के राजपन में प्रकाशन को तारांश शं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी बन्य व्यक्ति व्यास क्षेत्रस्ताक्षरी के पास निवित् में किस आ क्षेत्रें

स्वक्षिकरणः - वतनो प्रमुक्त कर्मा शांतु पृथा का, शां सक्कः निमित्रमा, को नध्याय 20-कः मां परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होगा, यो उस बच्याय में दिशा धनः

प्रनुसूची

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं सी टी एस नं 28 से 32, 36 से 39, 10 से 13, 41, 42 से 45 46, 47, 145 (पार्ट), विलेज नापनीस्सा अधेरी (पु), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमािक क स० अई-2ए/37–ईई/40149/86–87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20–11–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैंग्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज--2ए, बम्बई

विनांक .-14-7-1987। मोहर :- प्रारूप मार्ड ुटी. एन. एस्. . . 🖂

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 थ (1) के अभीन सुवना

भारत चरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-2ए, बम्बई

बम्बई, विनाक 14 जुलाई 1987

निदेश सं० ग्रई-2ए/37-ईई/50033/86-87----ग्रतः मुझे श्रे० बैध।

ज्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है 5,00,000/- रु. से अधिक है

रापये से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 303, तीसेरा माला प्राणशीश,
श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजहर्री है। दिनांक 17-11-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ने कम केंद्रध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ह्य पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उव्यक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्ह फिसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर होने की बन्तरक की वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिद्द; बार/का
- (क) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. किया में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स ग्रजीत चिमनलाल शहा श्रौर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भूपेन्द्र मनसूखलाल शहा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ता ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हों।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्री के पाड़ सिवित में किए का सकेंगे।

स्थव्दक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एक्स कैं ह

अनुसूची

पलैट नं 303, जो तीसरी मजिल, प्राणणीश बिल्डिंग 37 वर्सीवा बीच रोड, श्रंधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित हैं। श्रृतुसूची जैसाकि कि सं श्रई-2ए/37 ईई/40033/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 17-11-1986 की रजिस्टई किया गया है।

भे० वैध सक्षम प्राधिकारी सेहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2ए, बस्बई

विनांक 14-7-1987

प्रारूप आर्ष: टी. एन. एस .--

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बर्ध

बम्बर्ड, दिनांक 14 ज्लाई 1987

निर्देश सं० अई-2ए/37ईई-40980/86-87----- भ्रतः मुझे ग्रे० बैट

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्राफिस यूनिट नं 1ए, पी एम सी काम्प्लैक्स, मरोल श्रंधेरी, (पु), बम्बई-59 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 11-12-1986

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम सरमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एोसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती [अन्तरितियों] के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में क्षमी करने दा उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसिक व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) प्रेम मेटल कारपोरेशन लिमिटेड।

(भन्तरक)

(2) लेमुश्रर ग्रेर एक्सप्रेस।

(भन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्तंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथानित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (रू) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी। न्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्भी

ग्राफिस यूनिट नं० 1-ए, शेड यूनिटनं० 3 जो तल मंजिल पी० एम० गसी० कम्प्लेक्स सी टी० सर्वे नं० 78 मक्वाना रोड, ग्राफ ग्रंधेरी कुर्ला रोड, मरोल ग्रंधेरी (पु०), वस्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक किं सं ग्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्रे० बैरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, बस्बई

दिनांक: 14-7-1987 **।**

मोहर:ग्र

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 ज्लाई 1987 निदेश सं० ग्रई-2ए/37-ईई/41038/86-87--- प्रतः मुझे ग्रे० वैद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 5-00,**000∕- रा∴से अधिक ह**ै

ग्रौर जिसकी सं० डुप्लेक्स बंगला, मनीश नगर के पासे, श्रंधेरी (प) बम्बई में स्थित है। (श्रौर इससे उपावद श्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसेका करारनामा ग्रायकर पिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 12-12-1986

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त अधि-सभिनियम भी सभीम कर दोने को समारक वी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (শু) ऐसी किसी आर्य था, धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उकत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती प्रभादेवी भागवा श्रीर श्री रजनीश भागवा (अन्तरक)
- (2) श्री धीरजलाल मगनलाल मेहना ग्रीर श्रीमती धीरजलाल मेहता। सरला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी झ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रैकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध **किसी अन्य व्यक्ति द्**वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रवी

डप्लेक्स बंगला जो मनीश नगर, के पास, डी० उन नगर, के पिछे पुलिस स्टेशनचार बंगला श्रंधेरी (प), बम्बई मे स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कि ने ग्रई-2ए/37-ईई/41038/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधकारी बम्बई द्वारा दिनाक 12-12-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> श्रे उबैद्य सञ्जस प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) भ्रजीत रेज-2ए, बम्बई

दिनांक :--14-7-1987

प्ररूप नाइ ं टी ु एन ु एस ुरू का

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेंज 2ए, बम्बई बम्बर्ड दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्वेश स० भई-2ए/37ईई-40688/86-87--- मूले ए॰ वैर्थ

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता नाजार मृख्य 5,00,000/-रु. में अधिक है

श्रीर जिस की सं० सी०टी० एस० नं० 1188, सर्वे नं० 35, वर्सोवा अधेरी (प), बम्बई में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर अधि-तियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल को एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखि उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है कुन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त नियम के बभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (भ) वासी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण बे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 क की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अधीत:—— (1) कोपोक्षा बिल्डर्स

- (भ्रत्सरक)
- (2) हरासीध कोरपोरेगन

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति थो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयावत शब्दी और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मनुसूची

"अमीन का हिस्सा जिसका सीटीएस नं० 1188, सर्वे नं० 35, हिस्सा नं० 2 वर्मीवा, प्रधेरी (प), बम्बई में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2ए/37ईई-40688/ 86-88 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 7ए, बस्बर्ह

दिनांक: 14 जुलाई 1987

प्ररूप आइ[‡]़ टी.एन..एस..-----

जायकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1986

निर्देश सं॰ श्रई-2ए/37ईई-41057/86-87--- ग्रतः मुझे,

^r ए० वैद्य

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्ब 5,00,000//- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 6 , चकाला, श्रंधेरी, धम्बई में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूणे रूप से वर्णित है श्रीर जिसका करारतामा, श्रायकर श्रधितियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-12-1986

को पूर्वीक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उनके इध्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ग) ऐसी किसी खाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन. निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---18—206GI/87 (1) मेंसेर्स मलका कनस्ट्रवशन्स

(ग्रानरह)

(2) नीलकंठ डेवलोपर्स पी० लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इत त्याना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य धिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थानिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अभिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाधित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया गवा है।

अनुसूची

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे तं० 60, 56, 57 हिस्सा तं० 13, चकाला, ग्रंधेरी, बस्बई में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि करु स० श्रार्ड-20/37 5 -41057 86-87 श्रीर जो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि तक 12-12-1986 को रिजिस्टई किया गया है।

ए० वैय सञ्जम प्रापिकाणी **महायक श्रायकर श्रा**यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2ण, बम्बई

विनांक: 14 जुलाई 1987

REAL RIGHT WELL STATE THE TAXABLE IN THE REPORT

मानमार मणिनिन्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अचीन सुध्या

新疆 欧洲

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1987

निर्देश सं० श्रई-2ए/37ईई-40769/86-87-श्रतः मुक्ते, ए० वैद्य

नायकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वचीन तक्षक शाविकारी को यह विस्थाद करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति , विस्थात बीचत बाजार मूक्त 5,00,000/- रु. से अधिक है,

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के पायित्व में कभी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्रिं प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्विधा औं श्रियः;

मता का , अवय विभिन्न की बादा 269-म के सम्बद्ध में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन , निम्निसिक रूपिक्तग्यों . अर्थात :---

(1) जमनादास एच मूरजानी

(भ्रन्तरक)

(2) सेंटोजन सिल्फ मिल्स प्राईवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के कर्जन के विषु कार्यवाहियां करता हुं।

करत ब्रम्पित के शर्मन के सम्बन्ध में खोड़ें औं मार्बंप हन्तः

- हिंचीं इस स्कृता के हाजवन में प्रकाशन की हरतीय है 45 दिन की ब्रिंग मा सरस्यान्धी व्यक्तियों पूर स्कृता की सामित से 30 दिन की जनभि, को की ब्रिंग मानित में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वीवय कानित्यों में से किसी काजित ब्रांग ;
- (व) इस ज्यान के राजपूत्र में प्रकाशन की तार्यां के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किती बाच कानित दुवाय वशोहस्वाजर्दी के पास विविद्य में कियू जा क्यों ने []

श्वकाकरणः - व्यंगे प्रयुक्त वर्णो वीर पदी का, जो दक्त स्वितियम में अभ्याय 20-क में परिमापित हो, वहीं वर्ण होता जो यस वश्याय में विका प्रवादीस

भन्त्ची

"प्लोट नं० ए 69, जो मरोल इंडस्ट्रियल एरिया, मरोस, श्रंधेरी (प), बम्बई 400093 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर ग्रई-2ए 37ईई-40769 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2ए, **बस्ब**ई

दिनांक : 14 जुलाई 1987

प्रसम् अहि । व्यक्ति प्रमान प्रस्कृतका

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकार भायक्त (निर्ह्यांश्वाम)

अर्ज़न रेंज 2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुलाई, 1987 🛮 🤻

निर्देश सं॰ भ्रई-2ए 37ईई-41058/86-87--अतः मझे ए॰ वैद्य

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दर्सने परभात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन एक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्यु 5,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे न० 60, 56, 57, विलेज चकाल ा, ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित हैं ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित ह ग्रीर जिसका करारनामा, श्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज्ञित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिक्रण के लिए जन्तिरत को गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का एसे दृश्यमान प्रतिफल का बच्चह प्रतिक्रत से विभक्ष है बार जंतरक (जंतरका) बार जंतरिती (जन्तिप्रतिक्षें) के भीच एसे बन्तरूण के लिए तय पाया गवा प्रतिक्रम, मिक्नामिक्त उज्जे वस्ति से उचत अन्तरूण तिक्रिय वे वास्थिक क्य से कथित नहीं किना गवा है है—

- (क) जन्मरण में शूर्व किसी बाय की वाबस, उक्स विभिन्नियम जी नधीन कार दोने के जन्तरक की वाजित्य में किसी कहने का उससे वचने में सुरिधा की सिद्द की प्राप्त
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा वी क्रिएए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:— (1) मसर्स लीला बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) नीलकंठ डेवलोपर्स पी० लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त, संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में शादि ने बाजेन : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से फिन्मी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपथ में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर अवस स्थायर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी व्यक्ति स्वारा, मुभोहस्ताकारी के पांची लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दी और पदों का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

बन संकी

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 56, 57, 60, हिस्सा नं० 13, विलेज चकाला, विलेज कोंडिविटा, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित ह।

अनसूची जसा कि ऋ० सं० अई-2ए 37ईई-41058-86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12+1986 को रजिस्टर्ड किया गया ह।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

दिनांक 14 जुलाई 1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुलाई कृ 1987

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसर्वे इसर्वे पश्चात् 'उत्तन अभिनियम' कहा गया हैं), की पास 269-म के अथीन सम्मम प्राभिकारी की, यह विस्थास कड़ने का कारण है कि स्थानर सम्मति, 'अएका अभित तामार मृत्य 1,00,000/- रा. से विभक्त हैं

श्रार जिसेकी सख्या शीमासेम नं०505, 504, गुडेचा चेम्बर्स, एन मास्टर रोड, फार्ट, बम्बई 23 से स्थित है (श्रीर जो इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप बणित है), श्रीर जिसका काररनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है तारीख 7-11-1986।

की पूर्वोवित सम्परित के उचित वाजार मृत्य से कन के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उभागृतींक्त सम्पत्ति का उचित वाजार वृत्य, उभके कथ्यमान प्रतिफल सं, एके क्यमान प्रतिफल का बन्दि कर्मा प्रतिफल का उच्छ प्रतिणत सं अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) जोर अन्तरिती (अंदरिकियों) के बीच एके अन्तरम के लिए तब पावा च्या मृद्धिक कल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथ्यत नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के निर्; और/या
- (स) ग्रसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैसेस सी के पीठावाला प्राइवेट लिमिटेड। (म्रन्तरक)
- 2. मैसर्स झवेरी मैनेजमेंट कन्सलटेटस प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरित)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

डक्त इंग्लिटि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोई ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बर्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमा प्रयासता शब्दों और पदों का, जो उनतं अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अमुस्ची

प्रीमायसेस नं० 505, 504, जो पांचवी मंजिल, मुडेचा चेम्बर्स, एन मास्टर रोड, फोर्ट, बम्बई-400023 सेंस्थित है।

भनुसूची जैमा कि कि कि मई-1ए/37ईई/10978/ 86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 7-11-198 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> जे० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 ए, बम्बई

दिनांक: 6-7-1987

ENFORCEMENT, DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 22nd July 1987

APPOINTMENT

No. A-11/9/87.—Deputy Director of Enforcement hereby appoints Shri N. P. Seshan in this Directorate to officiate as Enforcement Officer in Delhi Zonal Office of this Directorate with effect from 1-6-87 (Forenoon) and until further orders.

KALI CHARAN
Chief Enforcement Officer (Admn.)
for Dy. Director (Admn.)

New Delhi-3, the 23rd July 1987

No. A-11/29/76.—Director of Enforcement hereby appoints Shri S. L. J. Gallyot in this Directorate to officiate as Chief Enforcement Officer in Madras zonal office of this Directorate with effect from 27-4-87 (Forenoon) and until further orders.

KALI CHARAN Chief Enforcement Officer (Admn.) for Director

CENTRAL BURFAU OF INVESTIGATION New Delhi-110003, the 29th July 1987

No. S-164/67-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Tiwari, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Deputy Legal Adviser in C.B.I. with effect from the forenoon of 29-6-87.

No. 3/17/87-AD.V.—The Director. Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Delhi Special Police Establishment hereby appoints Shri Vinod Kumar Sharma as Public Prosecutor in C.B.I. w.e.f. 29-6-87 (F.N.) in a temporary capacity until further orders.

P. N. ARYA Administrative Officer (A) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 28th July 1987

No. 18/8 '85-Adm. II.—In continuation of this Bureau's Notification of even number dated 3-9-85 the period of deputation of Shri C. V. Sudhakar Rao as Dy. S. P. (Instructor), Central Detective Training School, Hyderabad is extended for a period of two years from 1-6-86 to 1-6-88 on the same terms and conditions.

No. 18/4/86-Adm.II.—In continuation of this Bureau's Notification of even number dated 1-5-86 the period of deputation of Shri M. V. Narasimha Reddy as Dy. S.P. (Instructor). Central Detective Training School. Hyderabad is extended for a period of two years from 31-1-87 to 31-1-89 on the same terms and conditions.

No. 18 6/87-Adm.II,—Shri G. H. Ramdas, an Inspector from Andhra Pradesh Police, is appointed as Deputy Supdt. of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Hyderabad with effect from 7-7-87 (F.N.) for a period of one year in the first instance.

No. 18/11/85-Adm.II.—In continuation of this Bureau's Notification of even number dated 16-8-85 the period of deputation of Shri J. Swamv Rao as Dv. S.P. (Instructor). Central Detective Training School, Hyderabad is extended for a period of two years from 14-6-86 A.N to 14-6-88 on the same terms and conditions.

No. 18/13/85-Adm II—In continuation of this Bureau's Notification of even number dated 3-9-85 the period of deputation of Shri B Vasudev Reddy as Dy. S. P. (Instructor), Central Detective Training School Hyderabad is extended for a period of two years from 20-6-86 to 19-6-88 on the same terms and conditions.

The 30th July 1987

No. 18,7,87-Adm.II.—Shii Balwant Singh Bedi, an Inspector of C.R.P.I. is appointed as Deputy Superintendent of Police on deputation in the Bureau of Police Research and Development. New Delhi with effect from the forenoon of 22nd July 1987 for a period of one year in the first instance.

R. S. SAHAYE Dy. Director

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 27th July 1987

No. A.VI-7 86-Fstt.l.—The President is pleased to appoint Shri Suresh Chander Pande (SSCO) as Dy. S.P./Company Commander in the Central Reserve Police Force with effect from 18-7-1987 (FN) in a temporary capacity until further orders. He is posted to 16th Bn. CRPF the same date.

No. O.11-2356/87-Estt.1.—The President is pleased to appoint on deputation Shri P. S. Bawa, an IPS officer of UT cadre as Deputy Director (Adm.), Directorate General in the Central Reserve Police Force.

2. Shri P. S. Bawa took over charge of the post of Deputy Director (Adm.), Directorate General, CRPF, New Delhi on the forenoon of 17th July 1987.

The 28th July 1987

No. D.I-48. 86-Estt.I.—The services of Shri D. S. Mosses, Dy. S. P. are placed at the disposal of S.P.G. (Cabinet Secretariat) Government of India, New Delhi on deputation basis with effect from 7-7-1987 (AN).

M. ASHOK RAI Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 29th June 1987

No, E-16014(2)/5/87/Pers,1/1153.—On appointment on deputation, Shri Ramesh Chandra, Asstt. Comdt. CRPF assumed the charge of the post of Comdt. CISF Unit, MPT, Goa with effect from the forenoon of 6th June 1987.

The 22nd July 1987

No. E-16014(1)/6/79-Pers 1/70.—The President is pleased to promote Shri S. S. Kiipekar, Commandant to the rank of Deputy Inspector General, CISF Unit, HEC Ranchi with effect from the forenoon of 1st July 1987 in the pay scale of Rs. 5100—150—5400 (18th year or later)—150—6150/without special pay.

No. E-16014(2) /7 '87-Pers.I/71.—On appointment on deputation. Shri G. S. I. Saxena, Asstt. Comdt, CRPF assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit. CCWO Dhanbad with effect from the forenoon of 2nd July 1987

Sd./- ILLEGIBLE Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 27th July 1987

No. 11/6/86-Ad-I. The President is pleased to appoint Shri Gasper Britto, Deputy Director (Economics and Statistics). Government of Pondicherry as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Pondicherry, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 3rd July 1987 till 29th

February 1988 in the first instance, which is likely to be extended upto a maximum period of 3 years or till further orders.

2. The headquarters of Shri Britto will be at Pondicherry.

V. S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 28th July 1987

F. No. BNP/C/5/87.—The following permanent Engravers are appointed to officiate as "Artist, Designer and Engraver" on regular basis in the revised scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 (Group 'B' Gazetted) in Bank Note Press, Dewas (MP) w.e.f. 21-1-1987 (FN) until further orders.

S. No., Name of the Officer

S/Shri

- 1. B. T. Jadhav.
- 2. R. R. Dandekar.
- 3. N. Janakiramulu (SC).

M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) MADHYA PRADESH

Gwalior, the 14th July 1987

No. Admn.I/G.O's/PF BHC/F. N. 43|142'A'|634.—Shri B. H. Choudbary, Accounts Officer (01/333)-an officiate Accounts Officer, Office of the Accountant General (A&E)-I, Madhya Pradesh, Gwalior shall retire from Central Government Service with effect from 31-10-87 afternoon after attaining the age of Superannuation.

[Authority:--A.G. (A&E)-I's order dated 11-7-87].

Sd./- ILLEGIBLE Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I) ORISSA

Bhubaneswar, the 15th May 1987

E.O. No. 11.—Accountant General (Audit) I, Orissa is pleased to appoint the following Assistant Audit Officer's of this office to officiate as Audit Officer in the scale of pay of Rs. 2375—75—3200—EB—100—3500/- from the date noted against each in accordance with the provisions of I.A. & A.D. tAdministrative Officers/Accounts Officers and Audit Officers) Recruitment Rules 1964. Their promotion is on ad hoc basis and subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the courts and without prejudice to the claims of their seniors.

- (1) Shri Md. Elias Khan, Audit Officer 21-4-87 (A.N.).
- (2) Shri Mani Mukherjee, Audit Officer 16-4-87 (A.N.).

The 18th June 1987

E. O. No. 17—Accountant General (Audit). It Orissa is pleased to appoint Shir K Natarajan, Assit. Audit Officer of this office to officiate as Audit Officer in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500/- with effect from 2-6-1987 (F.N.) in accordance with the provisions of I.A. & A.D. (Administrative officers/Accounts Officers and Audit Officers) Recruitment Rules, 1964. His promotion is on ad hoc basis and subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the courts and without prejudice to the claims of his seniors.

M. G. MHASKAR Senior Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I TAMIL NADU & PONDICHERRY

Madras, the 28th July 1987

No. AG (Audit) 1/Admn. 1/GB/87-88/134.—Shri M. M. KUMAR (Date of Birth 15-4-1931) Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit) I, Tamil Nadu and Pondicherry, Madras, expired on 21-7-1987.

M. BALAKRISHNAN Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL Calcutta-700 001, the 231d July 1987

No. Admn-I/C/470/1035-36.—The Director of Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint Shri Sadhan Chandra Gangopadhyay, Asstt. Audit Officer (Group-B') to officiate as Audit Officer (Group-B) in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500/- from 3-6-1987 (F/N) in the Regional Audit Office, Port Blair under the Director of Audit, Central, Calcutta, until further orders.

P. K. GHOSH Dy. Director of Audit (Admn.) Central Calcutta.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110 066, the 27th July 1987

No. AN/II/2606/86.—The Controller General of Defence Accounts New Delhi regrets to notify the death of the undeermentioned Accounts Officers with effect from the dates shown against each:—

No., Name of the A.O., Date of Death & Date on which struck off strength

S/SHRI

- K. RAMA RAO OFFG. A.O.—18-2-87 (A.N.). (O/389)
- 2. J. K. DARGAN PT. A.O.—5-7-87 (A.N.). (P/500)

They have been struck off strength of the Department from the dates shown against each.

D. K. CHET SINGH Addl. C.G.D.A. (AN).

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 21st July 1987

No. A-32013/1/87-Estt.II.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 29th June, 1987 and until further orders, Shri Rajindra Kumar, as Director (Processing) in the Weavers' Service Centre, Guwahatl.

INDIRA MANSINGH Joint Development ommissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 27th July 1987

No. 12(299)/61-Adm.(G).—On attaining the age of superannuation Shri H. D. Ghosh, Deputy Director (Leather/

Footwear) Small Industries Service Institute, Hubli retired from Government service with effect from the afternoon of 30-6-1987.

No. 12(489)/65-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri M. K. Udaya Verma, Director (Leather/Footwear) Small Industries Service Institute, Hubli retired from Government service with effect from the afternoon of 30-6-1987.

The 29th July 1987

No. A-19018(815)/85-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Wanlombok Synrem as Assistant Director (Grade I) (Economic Investigation) at Branch Small Industries Service Institute, Shillong under Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 18-5-87 until further orders.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION: A-6)

New Delhi-110 001, the 27th July 1987

No. A-17011/233/83/A-6.—Shri A. K. Bandyopadhyay, permanent Examiner of Stores (Engineering) and officiating Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Director of Inspection, Calcutta expired on 06-07-1987.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi-110 001, the 15th May 1987

No. A-17011/316/86-A.6.—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Paritosh Singhal in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A' in the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000. with effect from the forenoon of 8th April, 1987 and until further orders.

2. Shri Singhal was relieved of his duties from National Hydroelectric Power Corporation Limited, Hemkunt Tower. Nehru Place w.e.f. 6-4-87 (A.N.) and he assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in this office on 8-4-87 (F.N.). He will be on probation for a period of two years w.e.f. his appointment. He should serve the DGS & D upto 13-2-1989 (A.N.) i.e. for the balance period of the original bond executed by him with National Hydroelectric Power Corporation Limited.

R. P. SHAHI Dy. Director (Adm.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 21st July 1987

No. 3400B/A-32013/1-DIR(GEOL.)/87/19A—The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department on pay according to rules in the prerevised scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000 (since reuised at Rs. 3700-125-4700-150 5000) in an officiating capacity, with

effect from the dates mentioned against each, until further orders.

Date of appointment
12-6-87 (afternoon) 12-6-87 (forenoon) 12-6-87 (forenoon) 12-6-87 (forenoon) 12-6-87 (forenoon) 12-6-87 (afternoon)

D. K. GUPTA Sr. Dy. Dir. Gnl. (Personnel)

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 28th July 1987

No. 10/4/87-M.—In exercise of powers conferred under rule 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959 I, Dr. C. Margabandhu, Director (Monuments), hereby direct that the Archaeological Area, Red Fort, Delhi will remain closed to the visitors with effect from afternoon (2.00 P.M.) of 12th August 1987 to 12.08 hrs on 15th August, 1987.

C. MARGABANDHU Director (Monuments)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 20th July 1987

No. A-12026/4/83-Est.—Consequent on his selection to the post of Senior Lecturer in the Regional Institute of Printing Technology, Calcutta, Government of West Bengal, the resignation submitted by Shri Diptendu Chaowdhury, Assistant Production Manager (Printed Publicity) is hereby accepted with effect from the afternoon of June 30, 1987.

S. L. SINGLA Dy. Director (Administration)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF NFWSPAPERS FOR INDIA

New Delhi, the 29th July 1987

A-19011/1/86-Admn.—In continuation of this office notification No. A-19011/1/86-Admn. dated 10-6-1986, the period of deputation of Shri R. C. Bhardwaj, Accounts Office in the Principal Accounts Office, Ministry of Industry, is hereby extended for a period of one year from 30 5-87 to 29-5-88 under existing terms & conditions as Sr. Circulation Officer in the O/O Registrar of Newspapers for India New Delhi in the Pay Scale of Rs. 3000-100-3500-125-4500.

KIRPA SAGAR Registrar of Newspapers for India

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 27th July 1987

No. A-19025/99/78 A-III/A-L.—Dr. Shalendra Kumar, Asstt. Marketing Officer (since redesignated

as Marketing Officer), of the Directorate of Marketing and Inspection at Kanpur has been suspended by the Competent Authority with effect from 25-6-1987.

BAKHSHISH RAM
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

Faridabad, the 27th July 1987

No. A-19023/5/82-A.IU./A.I.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri S. S. Bimbra. Assistant Marketing Officer (Group III) has retired from the Government service with effect from 31-3-1987 (afternoon). Accordingly, his rame has been struck off from the rolls of this Directorate.

BAKHSHISH RAM Director of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 4th May 1987

ORDER

Ref. 7(30)/86/Vig/1195.—Whereas it was alleged that: "Shri R. G. Apte, Scientific Assistant (C). Desalination Division, BARC who was granted Earned Leave from January 1, 1986 to January 17, 1986 is overstaying the said leave with effect from January 18, 1986 onwards unauthorisedly. By not responding to the various official communications sent to his known addresses, he has also deliberately kept the office in dark about his whereabouts.

By his aforesaid conduct the said Shri Apte has shown lack of devotion to duty and has acted in a manner unbecoming of a Government servant thereby contravening the provisions of sub-rule (1) (ii) and (1) (iii) of Rule 3 of the Central Civil Services Conduct) Rules, 1964".

AND WHERFAS the said Shri Apte was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him wher Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 vide memorandum No. 7(30)/85 Vig/111 dated January 13, 1987.

AND WHEREAS the envelopes containing the said memorandum sent to the last known addresses by Registered A.D., post of the said Shri Apte have been received back undelivered with the remarks 'Left' and 'Left address not known' and 'Returned to sender respectively.

AND WHEREAS it was then observed that there were minor errors while writing the address on the envelopes viz on the local address envelope name of the building was written as 'Palam Sojapal' instead of 'Palam Sojapal' and on the rative place envelope name of the place was written as 'Ramcha Gote' instead of 'Ramacha Gate'. Even though these were minor errors, the above charge-sheet was re-issued by writing the correct local and permanent addresses. However, both the covers containing the above charge-sheet sent to the local as well as permanent addresses by Registered A.D. post have been received back undelivered with the remarks 'Left' and 'I eft full address not known, hence returned to carder' respectively.

AND WHFREAS the said Shri Apte has failed to keen this office informed of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Apte continues to remain absent from the without keeping this office informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965.

NOW. THEREFORE, the undersigned in exercise of the nowers conferred under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, hereby removes the sa'd Shri Apte from service with immediate effect by taking recourse to the provisions of Rule 109 (ii) *ibid*.

P. K. IYENGAR Director Copy to:
1. Shri R. G. Apte
75/A, Palam Sojapal
S. K. Bole Road
Dadar
BOMBAY-400 028.

2. Shri R. G. Apte 160, Ramacha Gate Satara-415 002 MAHARASHTRA STATE.

Bombay-400 085, the 30th July 1987

No. D/608/PREFRE/Estt.II/3911.—Shri Andrew Francis Dias relinquished charge of the post of Scientific Officer (SB) on 2-6-1987 FN consequent on his voluntary retirement.

K. VENKATAKRISHNAN

Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 23rd July 1987

No. SAC:EST:3·19:87—Director is pleased to appoint the undermentioned official(s) to the posts and with effect from the forenoon of the date as indicated against each, in the Space Applications Centre of the Department of Space, Ahmedabad, in an officiating/temporary capacity and until further orders:—

Sl. No.	Name	Date	Post to which appointed.
1.	Shri Vishwajit Pariyal	9-2-87	Sci./Engineer 'SB'
2.	Shri Jaimin T, Desai	13-2-87	Sci./Engineer 'SB'
3.	Shri V. P. Shingadiya	16-2-87	Sci./Engineer 'SB'
4.	Shri K. R. Dave	16-2-87	Sci./Engineer 'SB'
5.	Shri Ashish A. Pandya	2-3-87	Sci./Engineer 'SB'
6.	Shri N. P. Thacker	16-4-87	Sci./Engineer 'SB'
7.	Shri Sudhakar Rao	10-6-87	Sci./Engineer 'SB'
٤.	Shri Harshad M. Modi	22-6-87	Sci./Enginees 'SB'
9.	Shri Kanti U. Patel	19-6-87	Sci./Engineer
10.	Shri Himanshu M. Shah	25-6-87	Sci./Engineer
11.	Shri K. A. Havanurkar	26-6-87	Sci./Engineer 'SB'
12.	Shri David D. Russel	1-7-87	Sci./Engineer 'SB'
13.	Kum. Anita Jain	3-7-87	Sci./Engineer 'SB'
14.	Shri S. P. Kanodia	8~7-87	Sci./Engineer

K. S. KRISHNAN, Administrative Officer-II (Estt.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th June, 1987

No. A. 32014/1/83-FA—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the adhoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers for the period shown against each:—

Sl. No.	Name	Continuance of ad hoc appointment		
		From	То	
S/S	Shri			
1. R. C. Ferrier		1-4-86	28-4-86	
2. Amarjit Singh		Do.	Do.	
3. Shyambabu Sharma		Do.	Do.	
4. R. A. Narayanan		Do.	Do.	
5. B. K. Verma		Do.	`Do.	
6. B. B. Srivastava		Do.	Do.	
7. Subhash Chander		Do.	Dυ.	
8. A	. S. Kadian	Do.	Do.	
9. Subrata Ghosh		Do.	Do.	
10. V. K. Mehra		Do.	Do.	
11. A.	. K. Srivastava	Do.	Do.	
12. P.	K. Brahma	Do.	Do.	
Ram Kumar Sharma		Do.	Do.	
14. P.	P. Srivastava	Do.	Do.	
G. Bhattacharya		Do.	Do.	
	V. Singh	Do.	Do.	
17. M. S. Bharaj		Do.	Do.	
18. V. P. Gemini		\mathbf{D}_{0} .	Do.	
19. T. C. Gurnani		Do.	31-5-86	
20. M. S. Narang		Do.	Do.	
21. S. K. Talukdar		Do.	Do.	
22. P. K. Mukherjee		Do.	Do.	
23. S. K. Sarkar		Do.	Do.	
24. P. Sengupta		Do.	Do.	
25. L. C. Aslia ·		Do.	Do.	
_	'R, R. Naldu	Do.	Do.	
27. P.	C. Goswami	$\mathbf{D_0}$,	Do.	

2. The Officers mentioned at S. Nos. 1 to 18 have since been appointed Assistant Aerodrome Officers on regular basis.

The 19th June 1987

No. A-38013/1/86-EC—The undermentioned officers of the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department, (on deputation with National Airport Authority with effect from 1-6-1986) relinquished charge of their office with effect from the date indicated against each on retirement from Government Service on attaining the age of superannuation:—

Si. Name & Designation No.	Station I	Date of retirement
S/Shr1		
1. P. Bose, Asstt. Commn. Officer.	ACS Calcutta	30-9-86(A.N.)
2. V. Subramanian, Asstt. Commn. Officer	ACS Madras	31-10-86(A.N.)

The 23rd July 1987

No. A. 32013/9/86-EI—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Director of Airwarthiness in the pay scale of R. 4100-125-4850-150-5300, on an ad-hoc basis, in the Civil Aviation Department, for a period of 6 months w.e.f. the date shown against each :—

Sl. Name No.	Posting	Date from which appointed as Director of Airworthiness.
1. Sh. S. L. Srivastava	O/O the DAW,	17-6-87
2. Sh. S. S. Das,	Delhi. Headquarters	29-6-87

M. BHATTACHARGEE, Dy. Dir. of Administration

New Delhi, the 17th July 1987

No. A. 32013/8/83-E.I.—In continuation of this Office's Notification No. A. 32013/8/83-E.I. dated 24-3-1984, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri N. S. Chellappa in the grade of Scientific Officer from 5-4-1984 to 23-11-1984.

M. I. SINGH Dy. Dir. of Administration.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 27th July 1987

No. 3-816/87-CH-Estt.—Shfi Abhey Kumar Pandey STA (Hydrogeology) is promoted as Assistant Hydrogeologist, CGS Group-B (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/-P.M. in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, with his Headquarter at Central Ground Water Board K. S. Ploject Jamshedpur w.e.f. 25-5-87 (FN) till further orders.

No. 3-801/87-CH. Estt.—Shri Nandan Bangar, is appointed as Assistant Hydrogeologist G.C.S. Group-B (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- P.M. in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, with his Headquarter at North Central Region Bhopal w.e.f. 12-5-87 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrothgeologist & Member

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the July 1987

No. 87/RE/161/6—It is hereby notified for information of all users of Raiway Lines and Premises situated on the under noted sections on Central and Western Railways that the overhead traction wires on these lines have been energised at 25,000 Volts A.C. on the date specified against the section below. On and from the same date the Overhead Traction lines shall be treated as LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines.

(a) Section on Central Rullway

Date

Dabra station to Jhansi (Km. 1184/11-12 to 1123/19-20 11-3-1987.

- (b) Section on Western Railway (i) Swaimadhopur/SSP to Ghat-ka-Varana 31-3-87. (Km. 1032/3-4 to 966/9-10).
 - (11) Berawaniya/SSP to Vikramgad Alot 31-3-87.
 - (Km. 687/441 to 733/717
 - (iii) Vikramgad Alot to Shamgarh/SSP 15-7-87. (Km. 733/717 to 789/221).

S, M. VAISH Secretary, Railway Board

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1956 and of Adlayhvee Tea Growers Private Limited

Madras-600 006, the 23rd July 1987

No. DN/102/560(3)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-sect on (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Aalaghvee Tca Growers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

AI AGIRI FXPORTS PRIVATE LTD.

In the matter of Companies Act 1956 and of Alagiri Experts Private Ltd.

Madras-600 006, the 23rd July 1987

No. DN/6750/560(3)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Alagiri Exports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Sampath Kumai Transport Private Limited

Madras-600 006, 'the 23rd July 1987

No. DN/5084/560(3)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date nercof the name of Sampat Kumar Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Senker Agencies Private I lmited

Madras-600 006, the 231d July 1987

No. DN/2628/560(3)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sankar Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> In the matter of Companies Act 1956 and of Authika Bus Company Private Limited

Madras-600 006, the 23rd July 1987

No. DN/4110/560(3)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ambika Bus Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

T. AMARNATH Assisstant Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras.

The part of the second second

FORM ITNS-(1) M/s. CKG. Pithawalla Private I imited. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Javeri Management Consultants P. Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natise in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussie. (b) by any

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/176/13259/85-86.—Whereas, 1, J MALLICK,

> EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-text Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Premises Nos. 504 & 505 on 5th floor, Gundecha Chambers, Nagindas Master Road, Bombay-400 023

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). and more third described in the Schedule annexed leterol, as been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesteid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfera

(a) accilitating the reduction of evasion of the liability

(b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises Nos. 504 and 505 on 5th floor, Gundecha Chambers, N. Master Road, Fort, Bombay-400 023.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10978/86-87 on 7-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 6-7-1987

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Chandan Suresh Chandarana.

(Transferor)

(2) Shri Dhanya Travels Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

AR IA/37EE. 177/13156/85-86.—Whereas, I, Ref. No J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Ks. 1,00,000/- and bearing No.

Office Premise No. 514,

5th floor, in Rewa Chambers

New Marine Lines, Bombay-400 020

Bombay-400 020 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269Ad of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to exceed the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and a by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Office Premises No. 514, 5th floor, Rewa Chambers, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/IB/37EE/10935/86-87 on 3-11-1986

> J. MALLIČK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the deresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :-

Dated: 6-7-1987

Seal .

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) H. B Vaswani & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/178/13496/86-87.—Whereas, I, MALLICK.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 18 on Ground floor
& Parking Space Nos 18 &

19 in 'Ashoka Shopping Centre' at G.T. Hospital Complex, L.T. Marg, Bombay-400 001 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the mansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No 18 on Ground Floor & Parking Space Nos. 18 19 in Ashoka Shopping Centre, G.T. Hospital Complex, L.T. Marg, Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IV/37EE/11106/86-87 on 24-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 6-7-1987

- (1) M/s. Herbertsons Limited.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Fatema Yahya Zaveri.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA 37EE/179/13373/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income text Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102/A, 10th floor in Jolly Maker 1, Jolly Maker 1 Premises CHSL,

Colaba, Cuffe Parade, Bombay-400 005 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has a gleen truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrumnt of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 102/A, 10th floor in the building known as Jolly Maker I belonging to Jolly Maker I Premises Co-op. Hsg. Society Ltd., Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11035/86-87 on 11-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ensection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 6-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OR 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37FF/180/13499/86-87.--Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

18, Maker Bhavan No. 2, 5th floor, New Marine Lines, Bombay-20.

Lines, Bombay-20. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Mrs. Alka M. Bharucha & Anr.
- (2) Infin Consultants Private Limited.

(Transferor)

(3) ICPL. Industries Limited.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this nonce in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18, Maker Bhavan No. 2, 5th floor, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11107/86-87 on 24-11-1986.

J. MALLICK, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay.

Dated: 6-7-1987

(1) Smt. Manjarı Dılipkumar.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Ramanlal Jain & Anr.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/181/13501/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 21 on the 5th floor of "Shyam Sunder"

F-Road, Marine Drive Bombay-2.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less man the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer as with the chiral of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 21 on the 5th floor of "Shyam Sunder" F-Road, Marine Drive, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/IB/37EE/11109/86-87 on 24-11-1986.

J. MALTICK. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-7-1987

Seal 3

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-1A, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

AR.IA/37EE/182/13374/86 87.—Whereas, I, Ref. No. J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fairmarket value exceeding Rs. 1,00.000- and bearing Flat No. 65-B, 6th floor in the building known as

'Sealord' at 117,

Cuffe Parade, Bombay-400 005. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the market has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—206GI/87 (1) SEM Engineering Products Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. R. P. Rele & Anr.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property sy be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 65-B, 6th floor in the building known as "SEA-LORD" situated at 117, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11036/86-87 on 12-11-1986.

J. MALLICK, Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay.

Dated: 6-7-1987

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Jethanand Wadhumal Chatlani.

(Transferor)

(2) Mr. Bhagwandas W. Chatlani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/183/13525/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immevable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. D-83, 8th floor, Dial Mahal, Dalamal Park, 223, Cuffe Parade,

223, Culfe Parade,
Bombay-400 005
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 24-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moretys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferes for which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-83, 8th floor, Dial Mahal, Dalamal Park, 223, Coffee Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11125/86-87 on 24-11-1986.

> J. MALLICK, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA. Bombay.

Now, therefare, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-7-1987

FORM NO ITNS-

(1) Nivedita Sabnis

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Poonam Sawhney

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombay the 6th July 1987

Ref No AR 11/37EE/185/13536/86 87—Whereas, 1, J MALUCK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

and bearing Southlands Building Flat No. 1, Ground floor, Colaba

Bombay 400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bomb iy on 24 11 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southlands Building, Flat No 1, Ground floor, Colaba Bombay-400 005

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay, under S No AR 1A/37EF/11133/86 87 on 24/11/1986

J MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA Bomb iy

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 6-7-1987 Seal:

FORM I.T.N.S.----

(1) Mr. Firoze E. Hyderabadwalla & Anr. (2) Mrs. Alka Mareba Bharucha & Anr.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR. IA/37EE/186/13463/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 7-E on 7th floor and one covered parking space in Hurbour Heights "A" N.A. Sawant Marg, Colaba, Bombay-

Harbour Heights "A" N.A. Sawant Marg, Colaba, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule anexed derecto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7-E on 7th floor and one covered purking space in Harbour Heights 'A' N. A. Sawant Marg, Colaba, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR. 1A/37EE/11082/86-87 on 24/11/1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Dated : 6-7-1987

(1) Mrs. Khorshed Pesi Colabawalla & Anr. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Firoze E. Hyderabadwalla & Anr. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/187/13464/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11/E, 11th floor, with one covered car parking space, Harbour Heights 'A' N. A. Sawant Marg, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7-E on 7th floor and one covered parking space in Harbour Heights 'A' N. A. Sawant Marg, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR. IA/37EE//11082/86-87 on 24/11/1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-7-1987

(1) Miss Krishna T. Ramchandani & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Madhu Ruia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/188/13375/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, 4th floor, Dial Mahal, Dalamal Park, 223, Cuffe Parade, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aisd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 4th floor, Dial Mahal at Dalamal Park, 223, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S No. AR, JA/37EF-11037/86-87 on 12/11/1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR. 1A/37EE/189/13537/86-87.—Whereas, I, MALLICK,

heing the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'ead Act'), have reason to believe that the immovable preparty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 507, "Panchsheel" C-Road, Near Churchgate

Apartment No. 507, "Panchsheel" C-Road, Near Churchgate Stn. Churchgate, Bombay-400 020 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1967, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-86

Competent Authority at Bombay on 24-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Executors of the Estate of Late B. T. Merchant (Transferor)

(2) Messrs Sincere Packers Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offical Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires filters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 507, Panchsheel, "CE Road, Near Churchgate Station, Churchgate, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR. IA/37EE/11134/86-87 on 24/11/1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Dated: 6-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF, INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

AR-JA/37EE/190/13441/86-87.—Whereas, I, Ref. No. J. MALLICK,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

As per Schedule hereto situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the eonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate presentings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Makers Development Services Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Dr. Ranbir Appar Maker in his capacity as the father & natural guardian of his minor son Master Ambrish R. Maker.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat consisting of units 141, 142, 151, 152 on 14th & 15th floors, in Maker Tower 'L' on Plot Nos. 73A, 74, 83, 84 & 85, Cuffe Parade, Bombay-400 005, along with double closed garage No. 4 in the said building.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR, IA/37EE-11065/86-87 on 13/11/1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Dated: 6-7-1987

FORM IINS-

(1) Mrs. Jayashree Baneriee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kirpal Singh Sawhney & Mis. Joginder Sawhney

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/191/13446/86-87.-Whereas, I, J. MALLICK,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 18, 3rd floor, Indus Court, "A" Road, Churchgate, Bombay-400 020 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and agreement as registered under Sec-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—. ment of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writin gto the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Indus Court, "A" Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent *Authority, Bombay, under No. AR. IA/37EE/11069/86-87 on 24/11/1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons unmely :- 21--206GI/87

Dated: 6-7-1987

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Leonard Gabrial Thomas D'SA

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sanjay S. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE IA. BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR. IA/37EE/192/13459/86-87.—Whereas, I,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Lovedale Apartment, Flat No. 2, 1st floor, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; no/bas
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lovedale Apartments Flat No. 2, 1st floor, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under S. No. AR. IA/37EE/11078/86-87 on 24/11/1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:~

Dated: 6-7-1987

(1) Mrs. Saraswati B. Masand.

(Transferor)

(2) Mrs, Rupa Amar Hargunani & Ars.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, ROMBAY

Bombay, the 6th July 1987

AR.IA/37EE/193/13462/86-87.—Whereas, I, Ref. No. J. MALLICK,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 26, Vijay Mahal, 6th floor, D-Road, Churchgate, 100,000 (20)

Bombay-400 020

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by and other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION: - The terms and expressions most herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 26, Vijay Mahal, 6th floor, D-Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR, IA/37EE/11081/86-87 ол 24-11-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons namely:-

Dated: 6-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Pratoul Khanna.

(Transferor)

(2) Phiroze Dadabhoy Narielwala,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

AR.IA/37EE/194/13346/86-87.—Whereas Ref. No. J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 29, 5th floor, Suleman Chambers, Battery Street.

Bombay-400 039

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 29, 5th floor, Suleman Chambers, Battery Street, Colaba, Bombay-400 039.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11020/86-87 on 10-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 6-7-1987

(1) Mrs. Bachi D. Katrak & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhopinder S. Chaudri & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-IA. BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37FF/195/13365/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 34-D on 3rd floor of the building known as "Dial Mabal" 223, Cuffe Parade, Bombay-400 005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Mann 223, Cline Parade, Bornony-400 003 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument re transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 34-D on the 3rd floor of the building named and known as "Dial Mahal" situate at 223, Cuffe Parade, Bombay-400 005,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11031/86-87 on 11-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-7-1987

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Eddie N. Perry.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushila Vijay Papriwal & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IA. BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

AR.IA/37EE/196, 13358/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Flat No. 25, 6th floor, (Top floor), Vijay Mahal CHSL, Plot No. 57, D-Road, Off. N.F. Road, Bombay-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1986 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 6th floor, (Top floor) Vijay Mahal Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 57, D-Road, Off: N.S. Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S No. AR.IA/37EE/11028/86-87 on 11-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, **Bomb**ay

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Dated; 6-7-1987

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR IA/37EE/197/13354/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000/- and bearing No. Flats No. 3, 2nd floor, "Rajhans" 88, Marine Drive, Bom-

bay-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; respect and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Mohini Assumal Babroo & Anr.

(Transferor) (2) Smt, Kamala Ratanchand Jain & Anr.

(Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, II floor, Rajhans, 88, Marine Drive, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR, IA/37EE/11026/86-87 on 11-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Dated: 6-7-1987

(1) Bharatkumar Khetsi Shah

(Transferor)

(2) Nareshchand Balwantsingh Jain.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IA, **BOMBAY**

Bombay the 6th July 1987

Ref. No. AR, IA/37EE/198/13336/86-87.—Whereas, I,

J. MALLICK, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, 3rd floor, Churchgate Mansion, Churchgate CHSL, 17-A Road, Churchgate, Bombay-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under

has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration of such apparent consideration and that the consideration of such apparent consideration and that the consideration are the consideration and that the consideration of such apparent consideration and that the consideration are the consideration and the consideration are the consideration and the consideration are the c tion for such transfer as agreed to beween he paries has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :~

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); A flat bearing No. 23, 3rd floor in the building known as Churchgate Mansion, Churchgate Co-op. Housing Socitty Itd. 17, A-Road, Churchgate, Bombay-1

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11015/86-87 on 10-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-7-1987.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/200/13194/86-87.-Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 1001 in Maker Chambers V, Nariman Point,
Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any issueme arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

persons, namely:— 22—206GI/87

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1 Mr. Douglas D'Souza & Mrs. Veda D'Souza.

(Transferor)

(2) Mrs. Vasumati P. Seth & Ors.

(Transferce)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1001 in Maker Chambers V, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10953/86-87 on 5-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bonibay

Dated: 6-7-1987.

FOM 1.T N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Krishna G. Gupta & Anr.

(Transferor)

(2) Smt. Manjari Dilpkumar,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1Λ, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/IB/37EE/204/13296|86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 7, in Anand Niwas CHSL, 25, A-Road, Marine

Drive Bombay-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Anand Niwas Co-op, Housing Society Ltd., 25- A-Road, Marine Drive, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10995/86-87 on 7-11-1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA,
Bombay

Dated: 6-7-1987.

(1) Shi Inder Kumar Gupta (HUT) & Anr. (Transferor)

(2) Shri M. L. Gupta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE SCHEDULE

may be made in writing to the undersigned :--

(3) Transferees.

(Person in occupation of th eproperty)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1A, BOMBAY

> Bombay the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/205/13402/86-87 --- Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 215 in Maker Chamber V, Nariman

Point, Bombay-400 021

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE 5CHEDULE

Office Premises No. 215, in Maker Chamber V, Natiman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. ARIA/37EE/11049/86-87 on 13-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-JA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-29---196 GI/87

Dated: 6-7-1987.

(1) Shri Joginder Singh Sahni.

(Transferor)

(2) M/s. Rajendra Penta Computers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/206/13337/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 913 on the 9th floor of Dalamal Tower, 211, Natiman Point, Bombay-400 021 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the at Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 913, on the 9th floor of Dalamal Tower, 211,

Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11016/86-87 on 10-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-7-1987

FORM ITNO-

(1) Mrs. Ganga C. Nihalani.

(Transferor)

(2) Mrs. Mohini R. Moorjani & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

AR.IA/37EE/207/13331/86-87.—Whereas, I, f. MALLICK,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing No.

Office No. 404 on the 4th floor of "Tulsiani Chambers" situated at 212, Nariman Point, Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 169AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 404 on 4th floor in "Tulsiani Chambers" situated at 212, Natiman Point, Bombay-400 021,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11012/86-87 on 10-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IA, Bombay

Date: 6-7-1987

- (1) M/s. Excel Apparals Exports Pvt. Ltd.
- (2) M/s Digital Electronics Ltd.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/208/13268/86-87.--Whereas, I, J. MALLICK,

J. MALLICK, being the competent authority Under section 269 B of the Income-tax Act, '961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises at Room No. 86, Jolly Maker Chambers 2, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the schedule appeared hereta)

(and more fully described in the schedule annaxed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 169AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the the Competent Authority at Bombay on 7-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liab ity of the transferor to pay tax under the said Act respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises at Room No. 86, Jolly Maker Chambers

No. 2, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.1A/37EE/10984/86-87 on 7-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-7-1987

(1) Mrs. Pushpa Jayantilal Shah.

(Transferor)
(2) M/s. Kamling Inv. & Trading Co. Pvt. Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/209/13226/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

30% share in the Office Premises No. 707 on the 7th floor, Raheja Centre, Nariman Point, Bombay 400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

Competent Authority at Bombay on 6-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fineen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; while face
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30% share in the Office Promises No. 707 on the 7th floor, Raheja Centre, Natiman Point, Bombay-400 021

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10969/86-87 on 6-11-1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Date: 3-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Narayan Singh & Co.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Jindal & Others.

(Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/210/13225/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 145, Maker Chamber VI, Nariman Point, Plot No.

220, Bombay-400 021 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later:

may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 145, Maker Chamber VI, Plot No. 220, Nariman

Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No AR.IA/37EE/10968/86-87 on 6-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombar

Dated: 6-7-1987

(1) M/s. H. Gopaldas & Co.

(Transferor)

(2) M/s Phoenix Phototype Setters

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/211/13355/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 708 at Dalamal Tower on 7th floor, Plot No. 211, Nariman Point, Bombay-21 situated at Bornbay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the

under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Competent Authority at Bombay on 11-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have feason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the somelderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: persons. namely :— 23—206GI/87

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 708 at Dalamal Tower on 7th floor, Plot No. 211, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.IA/37EE/11027/86-87 on 11-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Date: 6-7-1987

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY **BOMBAY**

Bombay, the 7th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/212/13396/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 113 in 'A' Wing on 11th floor of Mittal Court, Plot 224, Nariman Point, Bombay-400 021 subsated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo.esaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ashvin & Sons.

(Transferor) (2) M/s Volkart Fleming Shipping & Service Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 113 in 'A' Wing on 11th floor of Mittal Court, Plot 224, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11044/86-87 on 12-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following mereous, namely :-

Date: 7-7-1987 Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Kamal Electronics & Engineering Ltd.

- (Transferor) (2) M/s Industrial Credit & Development Syndicate Ltd.
- (Transferee) (3) Transferor.
 - (Person in occupation of the property,.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/213/13315/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R-, 1,00,000,- and bearing No. Office premises No. 616 on 6th floor in Dalamal Towers, 211,

Nariman Point, Bombay-400 021 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAIL N:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aricing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office premises bearing No. 616 on 6th floor and open car parking area in the building known as Dalamal Towers, 211, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11004/86-87 on 10-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Dao t: 6-7-1987

FORM ITNS...

(1) Mr. Pal S. Chandani.

(Transferor)

(2) Mr. N. K. Sawhney.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/214/13327/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the miniovacion property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. 3/8th share of Transferor in Office No. 53, 5th ficor Fice Press House, Plot No. 215, Block III of Backbay Recl. Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

3/8th share of Mr. Pal S. Chandani in Office No. 53 on the 5th floor of the Building known as Free Press House on Plot No. 215 of Block-III of Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EB/11010/86-87 on 10-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-7-1987

(1) Mrs. Kanta Jhangiani.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Anjani Jaswani.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/215/13260/86-87.—Whereus, I. J. MALLICK,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair murket value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No.

Hat No. C-10, Sangam Bhavan CHSL, Colaba, Bombay-

400 005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been rewhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ltd., Opp.: Strand Cinema, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10979/86-87 on 7-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dae t: 6-7-1987

PORM I.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR IA/37EE/216/13678/86-87.--Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 29, 2nd floor, Jolly Maker Chamber No 2, Nati-

man Point, Bombay-400 021 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-11-1986

at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property—as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(6) and transferee(8) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ramchand Naraindas.

(Transferor)

(2) Mahesh R. Jethmalani.

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or r period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 29, 2nd floor, Jolly Maker Chamber No. 2, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11196. 86-87 on 25-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-IA, Bombay

Dae t: 6-7-1987

FORM I.T.N.S.

(1) Venus Diamonds.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Esskaydce Leasing and Investments Pvt. Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 7th July 1987

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IA/37EE/218/13635/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act') have reason to believe that the insmov-Rs. I lakh and bearing
No. Office No. 55-C on 5th floor, of C-Wing
in Mittal Tower Premises CHSL, Nariman Point,

Bombay-400 023,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986

sombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 55-C on 5th floor of C-Wing in Mittal Tower Premises Co-Premises Co-operative Society Ltd., Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11139/86-87 on 25-11-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA/Bombaw

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-7-1987

(1) Sardarni Dharam Kaur Pasricha.

(Transferor)

(2) Mrs. Indica Anushka Pastala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR IA/37EE/219/13202/86-87.—Whereas, I, MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. I lakh and bearing
No. Flat No. 801, on the 8th floor, in Jamuna Sagar
Ruilding One Colube Post Office Colube

Building, Opp. Colaba Post Office, Colaba, Bombay-5,

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Secion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. w 5

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 801 on the 8th floor in Jamuna Sagar Building, Opp. Colaba Post Office, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10958/86-87 on 6 11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA/Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :-

Date: 6-7-1987 Seal:

(1) Col. Tarun Kumar Mukerji & Anr.

(Transferor)

(2) Capt Mehernoosh R. Khajotia & Anr.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bonibay, the 6th July 198.

Ref. No. AR-IA/37EE/220/13204/86-87.—Whereas, I. J. MALLICK.

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value acceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Apartment No. 403, 4th floor, Bakhtavar, Opp. Colaba Post Office, Bombay-400 005 with covered parking space.

parking space,

situated at Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Secion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office bf the Competent Authority at Bombay on 6-11-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Apartment No. 403, 4th floor, Bakhtavar, Opp. Colaba Post Office, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10960/86-87 on 6-11-1986,

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA/Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameters remarkly:—— 24-206GT/87

Date: 6-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1981

Ref. No. AR-I --- Whereas, I, J. MALLICK,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 13, 1st floor Maker Tower 'A' Block V, Back bay Reclamation, Cuffe Parade Bombay-400 005, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Secion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at

Bombay on 6-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Makers Development Services Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Ranbir Appar Maker.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13 on the 1st floor of the building Maker Tower 'A' in the complex known as Maker Towers on Plot Nos. 73A, 74, 83, 84 and 85 of Block V, Backbay Resignation, Cuffe Parado, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR. 1A/37EE/10961/86-87 on 6-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA/Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 6-7-1987

FORM NO. ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE IA

BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/222/13262/86-87.-Whereas, I, J. MALLICK,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 44, Maker Tower "C" Cuffe Parade,

Bombay-400 005.

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Rajendra Nath Chadha and Avr.

(Transferor)

(2) Mrs. Anju Ramchand Jhantani and ors. -(Transferos)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44, Maker Tower 'C' Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay, under S. No. AR.IA/37EE/10980/86-87 on 7-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of It a rectar Acquisition Range IA, Bombay

Data: 6-7-1987

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1982

Ref. No. AR.IA/37EE/223/13107/86-87.—Whereas, I. J. MALLICK.

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Nos. 202 and 203 on 20th floor of the building Maker Tower 'F' in the complex known as 'Maker Towers' Block V, Cuffe Parade, Bombay-5, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Maker and Maker.

(Transferor)

(2) Canara Bank.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULI

Office Nos. 202 and 203 on 20th floor of the building Maker Tower 'F' in the complex known as 'Maker Towers' on Plot Nos. 73A, 74, 83, 84 and 85 Block V, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR,IA/37EE/10919/86-87 on 3-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA/Bombay

Date: 6-7-1987

(1) Sri Venkatesh Steel Rolling Mills P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) M/s. Aaren Advertising (P) Ltd.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37LL/224/13646/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK, J. MALLICK., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Office No. 44 on 4th floor, "Bajaj Bhaval

Nariman Point, Bombay-400 021,

situated at Bombay,

situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Office No. 44 on 4th floor of "Bajaj Bhavan", Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11195/86-87 on 25-11-1986.

. (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1987

(1) Ms. Milson.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) (1 1)(1)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/225/13159/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refered to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 3-F on the 3rd floor in the building known as Harbour Heights 'B' Colaba, Bombay-5, situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1986

for an apparent consideration which is fess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the for consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitaing the concealment of any lcome or any of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1937). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) M/s. Ogdvy Benson & Mather Pvt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3-F on the 3rd floor of the building known as Harbour Heights 'B' situate at Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10938/86-87 on 3-11-1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcressid property by the issue of this notice under sub-cention (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1987

(1) Mrs. Bachi D. Katrak & Ore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bharat Kothary

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. ARJA/37EE/226/13172/86-87 -- Whereas, J. J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 33-D on 31d floor of the building known as "Dalamal Park" situated at Cuffe, Parade, Bombay-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arbing from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used hereto as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33-D on the 3rd floor of the building known as "Dalamal Park" situated at Cuffe, Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. ARIA/37EE/10944/86-87 on 3-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA Bombay

Date: 6/7/1987 Seal:

(1) Mrs. Asha Dalal and Mr. Arvind Dalal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Soli A. Modi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.1A/37EE/227/13178/86-87.—Whereas, I. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. /73 on 7th floor "Mehr-Naz" Building, 91, Cuffe

Parade, Bombay-400 005.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 73 on 7th floor "Mehr-Naz" Building, 91, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10946/86-87 on 4-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Date: 6/7/1987 Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMDAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/228/13154/86-87.—Whereas, 1, MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 191 on 19th floor of the building known as "Johy Maker Apartment No. 3' situated situate at Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section, has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sale apparent consideration therefor hy more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-- 25-206GI/87

(1) Soli A, Modi

(Transferor)

(2) K. P. Electricals Private Limited

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 191 on the 19th floor of the building known as "Jolly Maker Apartment No. 3" situate at Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10934/86-87 on 3/11/1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date: 6/7/1987

Scal ;

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

> Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/229/13146/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Apartment No. 7, 1st floor Girdhar Niwas Condominium 15-G-17-G, Shahid Bhagatsingh Road, Bombay-400 005, (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Mulchand Vishindas Advani & Anr.
- (Transferor)
- (2) Kalpana @ Archana Mohan & Anr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 7, 1st floor Girdhar Niwas Condominium 15-G-17-G, Shahid Bhagatsingh Road, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/10933/86-87 on 3/11/1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date: 6/7/1987

(1) Mrs. Ritu Ranbir Maker

(Transferor)

(2) Canara Bank

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA, 230/13108/86-87.—Whereas, I. J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 201A on 20th floor, Maker Tower 'F' Cuffe Parade

Bombay-400 005.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3/11, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of_30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 201A on 20th floor of the building Maker Tower 'F' in the Complex known as "Maker Towers" on Plot Nos. 73-A, 74, 83, 84 & 85, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Compete Authority, Bombay, under S. No. ARJA/37EE/10920/86on 3/11/1986.

Inspecting Assistant Cor

Date: 6/7/1987

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/231/13144/86-87.--Whereus, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No.

191, Jolly Maker Apartment No. 3, Cuffe Parade, Colaba, Paralle 100,005

Bombay-400 005.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Conpetent Authority at Bombay on 3/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inhibate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Soli A. Medi

(Transferor)

(2) K. P. Electricals Private Limited.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dake of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

191. Jolly Maker Apartment No. 3. Custe Parade, Colaba. Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay, under S. No. AR.IA 37EE/10932/86-87 on 3/11/1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date: 6/7/1987

(1) Mr. Naveen Sawhny & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Deepak Sawhny

(Transferee)

NOTIGE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/232/13682/86-87.--Whereas, I, J. MALLICK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 90% undivided interest in Flat No. 20, Rakhi Mahal D.

Wachha Road, Bombay-400 020, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax nder the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

90% undivided interest in Flat No. 20, Rakhi Mahal Dinshaw Wachha Road, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11214/86-87 on 26/11/1986

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6/7/1987

- (1) M/S. Palanpur Traders Limited
- (Transferor)
- (2) M/S. Inter Equipments (India) Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-LA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA, 37EE/233/13676/86-87.—Whereas, 1, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 232, 23rd floor, Market Tower B, Block V, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the terms in resolution of the forms of the schedule annexed hereto).

has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 26-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 232 on the 23rd floor of the building Maker Tower B in the complex known as Maker Towers on Plot No. 73A, 74, 83, 84 & 85 of Block V of Backbay Reclamation, Cufle Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Comp (Authority, Bombay, under S. No. AR.JA/37EE/11209/86-87 on 26/11/1986.

J. MALLICK Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date: 6/7/1987

(1) Mrs. Jer Adi Dhondy & Ors.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

(2) Citibank N. A.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

.ef. No. AR.IA/37EE/234/13640/86-87.-

Whereas, I. J. MALLICK,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5-E on 5th floor of "Harbour Heights 'B' at Colaba,

Bombay-400005

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1987

Bombay on 25-1-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, b respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5-E on the 5th floor of Harbour Heights 'B' situate at Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR IA/37EE/11199/86-87 on 25-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1987

- (1) Krishna Kumar G. Kapadia, HUF,
- (Transferor)
- (2) Sri Sanjeev Kajriwal,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/235/13633/86-87.— reas, I. J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 123-A, 13th floor, Jolly Maker Apartment No. 2, 94, Cuffe Parade, Bombay-400 005 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bornbay on 25-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been er which ought to be displaced by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 123-A, 13th floor, Jolly Maker Apartment No. 2, 94, Cuffe Parade Reclamation, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE11188/86-87 on 25-1-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1987

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Dharmada Trust.

(Transferoi)

(2) Prakash Mchta.

(Transferce)

NOJICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II ВОМВЛҮ

Bombay, the 6th July 1987

Ref No AR, IA/37HE 235/13580/86-87—Whereas, I, J. MALLICK,

Whereas, I, J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and beating No Diverse Premises in Buildings & structures on Plot of lands Nos. 73A, 74, 83, 84 & 85 in Block V together with Flat No 123 on 12th floor in bldg. Tower 'A' Backbry Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Sec-in 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 25-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or; (a) facilitate the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-- 26-206GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a cried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per soils, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULB

Buildings and structures on the amalgamated plots of land Nos. 73A, 74, 83, 84 & 85 Block V of the Backbay Peclamation Scheme together with Flat No. 123 on the 12th floor in the residential bldg, known as Tower 'A' Cuffe Parade, Bombay-40 005

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR IT 37FF/11165-86 vo. 25-1-1986

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-7-1987 Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Systems Communications.

(Transferor)

(2) M/s. Palanpur Traders Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7778

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Bombay, the 6th July 1987

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IA/37EE/237/13606/86-87.-- whereas, I. J. MALLICK. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 131 on 13th floor of the Bldg. Maker Tower 'B' in the Complex known as Maker Tower. Block V of Bombay Reclamation Cuffe Parade, Bombay-400005 situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), then transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986

normal on 23-11-1960 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and (have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mid/er

Flat No. 131 on the 13th floor of the Bldg. Maker Tower 'B' in the complex known as Maker Tower on Plot No. 73-9, 74, 83, 84, 85 of Block V of Backbay Recl. Cuffe Parade, Bombay-5,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957):

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR,IA/37EE/11177/86-87 on 25-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the Morasaid property by the issue of this ratios under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-7-1987 Scal:

The state of the s

FORM ITNS

(1) Mis. Yvonne Wilson.

(Transferor)

(2) Shri Amirali I, Jaffer & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. ARIA/37LE/238/13617/86-87.— Whereas, I. J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000, - and bearing Flat No. F-3 on 1st floor in the Bldg. No. 2 known as Braddy's House, Sorab Bharucha Road, Colaba, Bombay-400 005

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-1-1987 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--transfer with object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-3 on the 1st floor in the Building No. 2, known as Brady's House, Sorab Barucha Road, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Notherity, Bombay, under S. No. ARIA/37EE/11184/86-87 on 25-1-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA 37FE/239/13629/86-87.--"heicas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office premises adm. 438 sq. ft. (built up) on 1st floor, Rohit Chambers, Ghoga St. Fort, Bombay-1

and more fully described in the Schedule annexed hereto) n's been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Shabeeb Yusuf Rizvi & Anr.

(Transferor)

(2) M s. Rohit Pulp & Paper Mills Ltd.

(Transferce) (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises admeasuring 438 sq. ft (built up) on 1st floor, Rohit Chambers, Ghoga Street, Fort Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37FE 11186/86-87 on 25-1-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-7-1987

FORM NO. I.T.N.S. 187

(1 Smt, Drupati M, Shivdasani & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chemurjy Estates Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR IA 27WW/13577/86-87.-

Whereas, I, J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-, and bearing

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 82, Gitanjali Radheshyam CHSL., Plot 397, Off: Athur Bunder Rd., Colaba, Bombay-400 005

uated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 25-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 82, Gitanjali Radheshyam Co-op. Housing Society Ltd., Plot 397, Off: Arthur Bunder Road, Colaba, Bombay-40 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11163/86-8/ on 25-1-1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionér of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 6-7-1987 Seal : FORM I.T.N.S.——

(1) Pethraj Raisi Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vallabhji Khetsi Shah, Karta & Manager of Vallabhji Khetsi Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,M' BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37Lt-/241/13570/86-87.—
Whereas, I. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,00/- and bearing

Flat No. 5, 1st floor, Laxim Bhavan, D Road, Churchagate,

Bombay-400 020

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transleried and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 25-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrment of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Laxmi Bhavan, 'D' Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.IA/37EE/11160/86-87 on 25-1-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th Juy 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/242/13565, 86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 9161 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 21, Suleman Chambers, 3rd floor, 4, Battery Street, Bombay-400039.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority at Bombay no 25-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. Passport Studio.

(Transferor)

(2) Shri Maneck R. Doongaji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 21, Suleman Chambers, 3rd floor, 4, Battery Street, Bombay-400039,

The agreement has been registered by the Competent Bombav, under S. No. AR.1A/37FF/11155/86-87 on 25-11-1986.

"Strike off where not applicable.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-IA, Bombay

Date : 6-7-1987

FORM I.T.N.S.---

Anr. (1) Smt. Snehlata Kanti Kumar Podar & (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. The Travancore Electro Chemical Industrial Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th Juy 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.IA/243/13367/86-87.—Whereas, I, MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the sale Act of having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 4th floor, Podar House, Marine Drive, Plot No. 10, in Block I of Backbay Reclamation Estate, C.S. No. 1688 of Fort Division.

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority at Bombay no 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th floor, Podar House, Marine Drive, Plot No. 10, in Block I of Backbay Reclamation Fstate, C.S. No. 1688 of Fort Division.

The agreement has been registered by the Competent Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11155/86-87 on 25-11-1986.

"Strike off where not applicable.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-raw Act. 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269p of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-7-1987

(1) Mrs. Kaye O'Neil & Anr.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ranjini Kalappa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY

> ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th Juy 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/244/13398/86-87.—Whereas, I,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 /- and bearing Flat No 12, 4th floor, Nawroji Mansion CHSL., Woodhouse Road, Pombay-400039.

situated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of Competent Authority at Bombay no 25-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aresets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 4th floor, Nawroji Mansion Co-operative Housing Society Limited, Wood House Road, Bombay-400039

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11155/86-87 on 25-11-1986

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—
27—206GI/87

Date: 6-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th Juy 1987

Ref. No. AR.IA/245/13547/86-87.—Whereas, I.

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. Three floors admeasuring area of about 49,1555 sq. ft in Commerce Centre I, Cuffe Parade, Bombay-400005.

situated at Hombay

(and more fully described in the Schedule anexed hereto)

tand more third described in the Schedule Breed detector has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Cilice of Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. M. Visvesvaraya Industrial Research & Development Centre.
 - (Transferor)

(2) M/s, Export Import Bank of India.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three floors admeasuring area of about 49,1555 sq. ft in Commerce Centre I, Cuffe Parade, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR, IA 37EF 11155/86-87 on 25-11-1986.

"Strike off where not applicable,

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-IA, Bombay

Date: 6-7-1987

(1) M/s. M. Visvesvaraya Industrial Research & Development Centre.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Export Import Bank of India.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1A, **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/246/13549/86-87.-Whereas, I. J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3 floors admeasuring 32,770 sq. ft. area in Commerce Centre I, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400005.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay no 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per constant of such apparent consideration and these than the fair market of such apparent consideration and these than the constant of such apparent consideration and these than the constant of such apparent consideration and these than the constant of such apparent consideration and these than the constant of such apparent consideration and the same is registered under Section 25-11-1986. tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three floors admeasuring area approximately 32,770 sq. ft. in Commerce Centre I, Cuffe Parade, Colaba, Bombay--5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11143/86-87 on 25-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1987

(1) M/s. M. Visvesvaraya Industrial Research & Development Centre.

(Transferor)

(2) M/s. Erma Estate Trading Co. Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-JA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/247/13550/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.
Area admeasining about 1222 aq ft. in Commerce Centre 1, Cufte Parade, Colaba, Bombay-400005

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed heleto), has been manifered and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any factors or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property by be made in writing to the undersigned: may be made in will

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lawn
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area admeasuring about 1222 sq. ft. in Commerce Centre Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400005

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.IA/37EE.11144/86-87 on 25-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Date: 6-7-1987

MUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. M. Visvesvaraya Industrial Research & Development Centie.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor) (2) M/s. Megha Estate Trading Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/248/13551 86-8/.---Whereas, I, J. MALLICK,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,07,000/- and bearing No Commerce Centre 1, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-4000051, 200005.

400005.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay no 25-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have re ason to believe that the fair market value of the property as a foresaid to be the property as a foresaid to be the property as a foresaid to the property as a foresaid to be the property and the property as a foresaid to be the property and the property as a foresaid to be the proper exceeds the apparent consideration therefor by me ire than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion, of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India in Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Commerce Centre 1, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA '37EE/11145/86-87 on 25-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-7-1987

FORM I.T.N.S,--

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IA, **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Rs. No. AR.IA/37EE/249/13552/86-87.—Whereas, I. J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. In Commerce Centre 1, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-Area adm. about 1,222 sq. ft. situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as af presaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Session 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. M. Visvesvaraya Industrial Research & Development Centre.

(Transferor)

(2) M/s. Irex Estate Trading Co. Pvt. Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area admeasuring about 1,222 sq. ft. in Commerce Centre 1, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11146/86-87 on 25-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-IA, Bombay

Date: 6-7-1987

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/251/13554/86-87.--Whereas. I. J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No.
Commerce Centre 1, Cuffe Parade,

Colaba, Bombay-400 005

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M. Visvesvaraya Industrial Research & Development Centre.
- (Transferor) (2) M/s. K. A. Malle Leasing Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

In Commerce Centre 1, Cuffe Parade, Colaba, Bombayadmeasuring area of approx, 8,192 sq. It. built up.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.IA/IB/37EE/11148/86-87 on 25-11-1987.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date: 6-7-1987

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. Visvesvaraya Industrial Research & Development Čentre.

(Transferee) (2) M/s, Harmagar Sugar Mills Pvt. Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Re. No. AR. A/252/13548/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office accommodation of the quarter floor adm. 4096 sq. ft. situated at Commerce Centre I, Cuffe Parade,

Colaba, Bombay-5

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Ac', 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office accommodation of the quarter floor admeasuring 4096 sq. ft. built up area situated at Commerce Centre-I, Custe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR,IA/37EE/11149/86-87 on 25-11-1987.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bumbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saic Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 6-7-1987

FORM TINS

(1) Smt. Snchlata Kanti Kumai Podar & Anr

(Transferor)

(2) Chemo Pharma Laboratories Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/253/13366/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4th floor in Podar House Marine Drive Plot No. Block 1 of Backbay Reclamation Estate C.S. No. 1688 of Fort Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Capter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th floor, Podar House, Marine Drive, Plot No. 10, in Block I of Backbay Reclamation Estate, C.S. No. 1688 of

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.IA/37EE/11010/86-87 on 10-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-28--206GI/87

Date: 6-7-1987

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. A. J. MALLICK, AR IA/37EE/254/13632/86-87 —Whereas, I,

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Office No 113-C-Wing on 11th floor, Mittal Tower CHSL 210. Neurosci. Boxelow 400,021

210, Nariman Point, Bombay-400 021 aituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr Vettath Abraham Kunan & Anr

(Transferor)

(2) M/s Deegeeson Impex Pvt Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 113, C-Wing on 11th floor of Mittal Tower Co-operative Society Ltd, 210, Nauman Point, Bombay-400 021.

agreement has been registered by the Competent The Authority, Bombay, 86-87 on 25-11-1986, under S No. AR IA/37EE/11188 Λ/

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date. 6-7-1987

(1) Mr. J. Rajmohan Pillai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Coromandal Indag Products Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1A **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.1A/225/13588/86-87.—Whereas, I, J. MAULICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 181-B, Maker Tower E, Cuffe Parade,

Bombay-400 005

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 181-B on 18th floor in Maker Tower 'E' Plot Nos. 73-A, 74, 83, 84 and 85 of Block V, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.IA/37EE/11145A/86-87 on 25-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1987 Seal :

(1) Polly R. Umrigar & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Karuna Devkishan Wadhwam & Anr. (Transterce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR IA/37EF/256/13306/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11. 1st floor, "Maison Belvedore" Maharshi Kaive

"Maison Belvedore" Maharshi Kaive

Road, Bombay-400 020

of transfer with the object of :-

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more tnan fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as -are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 11, 1st floor "Maison Belvedore" Maharshi Karve Road, Bombay-400 020

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR IA/37EE/10990A/86-87 on 7-11-1986

 MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 6-7-1987 Seal:

. (1) Mr. Nandkishore Lalbhai Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ramchandani & Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

D OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGL-IA **BOMBAY**

. Bombay, the 6th July 1987

Ref No. AR.IA/257/13844/86-87.—Whereas I, J. MALLICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Property situated at 12-A, Foresanc Road, 'Divya Prabha' Backbay Reclamation, Bombay-400 021

situated at Bombay

situated at Bombay (and fore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cont of such apparent consideration and that the c find area in such against as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income of may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being building known as "Divya Prabha" situated at 12-A, Foreshore Road, Backbay Reclamation, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11207A/86-87 on 26-11-1986.

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Date: 6-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37FE/258/13653/86-87.—Whereas, I, J. MALLICK.

transfer with the object of : -

J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, 1st floor, Maker Tower 'J' Cufle Parade, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986. of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the racties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maconeys or other assou which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. Mumtaz Begum Yakub Sultan Khan. (Transferor)
- (2) Business Press Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 16. 1st floot. Maker Towor 'J' Cuffe Prade. Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.JA/37EE/11181A/86-87 86-87 on 25-11-1986.

> J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1987

FORM ITNS——

- (1) Mr. Deepak Chander Sawhny.
- (Transferor)

- (2) Mrs. Vimla Rame h Daryanani.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMR-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

3 Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1987

Ref. No. AR.IA/37EE/259|13681|86-87.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding

property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 83 on 8th floor + one garage No. 88 on the C. D. Flooi in the bldg. known as "Basant" 101, Cufle Parade Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 83 on the 8th floor and one Garage No. 88 on That No. 83 on the 8th floor and one Garage No. 88 on the C. D. Floor in the building known as "Basant" situated at 101, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority; Bombay, under S. No. AR.IA/37EE/11213[86-87 on 26/11/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Vishwamangal Invenstments Pvt. Ltd. and Chintamani Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Kanayo Khalland Motwanic

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-LL(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/41028[86-87,-Whereas, I,

Ref. No. AR.II/37EE/41028[86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing C.T.S. No. 294 (Part), Village Chakala, Andheri Kurla Rd., Gundavli, Andheri (F), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or. which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (110f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ga set.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULED

C.T.S. 294 (part), 294/4, 294/5, 294/6, 294/8, 294/9, 294/10, 294/11 and 294/12 and Survey No. 28A, Hissa No. 1, Survey No. 28B, Survey No. 18C and Survey No. 19A, Hissa No. 1, Village Chakala, Gundavli, Andheri (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/41028,86-87 on 12-12-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-7-1987

(1) Smt. Dhulibai Mathru Calwar alias Jwiswal. (Transferor)

(2) Shri Ramiklal Jivraj Nathwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40721|86-87.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 7, H. No. 10 (part), Swami Vivekananda Road, Jogeshwari (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

of the Competent Authority
at Bombay on 28-11-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

29-206GI/87

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXUANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 7, H. No. 10 (part), CTS No. 181, 181/1 to 181/12, Swami Vivekananda Road, Hanjir Cinema (Nedi) Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/40721|85-86 on 28-11-1986.

> BAĬDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(Λ),

Date: 14-7-1987

FORM ITNS

(1) M/s. Spectrum Rubber Works Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Aqua Proofers Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EF/39970|86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 1, Madhuban Indl. Estate, Mahakali Caves Rd., Andheri (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section $269\Delta B$ of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 1, Ground floor, Madhuban Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andherf (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR,II/37EF,39970/85-86 on 14-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-7-1987

(1) M/s. Agit Chimanlal Shah & Others.

('Transferor)

(2) Mr. Bakulesh S. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40685|86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter, referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000,- and bearing Flat No. 603, Pranashish, Versova, Andheri (W), Bombay-61 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, anmely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, Pranashish bldg. Versova, Andhen (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE, 40685/86-87 on 28-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Date: 14-7-1987

(1) M/s. Ajit Chimanlal Shah & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mr. Deepakbhi Govindbhai Shah.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.11/37EE/40546|86-87.-Whereus, I, A. BAIDYA,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, Pranashish bldg. 'A', Versova Beach Road, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule appared beauty)

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfe ras agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No. 401, 4th floor, Pranashish Bldg. 'A', Versova Beach Road, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II,37EE/40546/86-87 on

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 14-7-1987

FORM KINB

(1) Hiranandani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis Bharati M. Badlani.

(Ti insferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II(Λ) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.11/37EL/40860/85-86.—Whereas I. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 302-A, Cosmos Apts, B-Wing, Oshiwara, Audheri

(W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said in of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302-A, 3rd floor, B', Wing, Cosmos Apts, Hila-andani Complex, Oshiwara, Four Bungalows, Andheri nandani Complex, (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40860|85-86 on 4-12-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I1(A), Bombay

Date: 14-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/39914/85-86.—Whereas I, A. BAIDYA,

A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 72-B, Ganga Bhavan Co-op Housing Society Ltd.,

D. Bood Artheri (NV) Porther 61 situated at Porthery

Flat No. 72-B, Ganga Bhavan Co-op Housing Society Ltd., J. P. Road, Andheri (W), Bombay-61 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the ebject of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pesi K. Master & Shri M. P. Master.

(2) Shri M. M. Sanghavi & Smt. Savitri M. Sanghavi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 72-B, Ganga Bhavan Co-op. Housing Society Ltd., J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/39914|85-86 on 10-11-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A),
Bombay

Date: 14-7-1987

(1) Smt. Karuna Bhagwandas Chopra.

(Transferor)

(2) Jagdish Kumar Mehra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR,II/37EE/40327/86-87.—Whereas I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/g and beginn

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 304, Mogra Village, Andheri, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 304, Mogra Village, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40327, 86-87 on 21-11-86.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date: 14-7-87

(1) Smt. Hemaii Bai H. Mathrani & Sarla L. Mathrani. (Transferor)

(2) Smt. Saroj Kanchan & Mohanlal Kanchan. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40131/86-87.--Whereas I, A. BAIDYA

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Jewel Mahal Co-op. Hsg. Society Ltd., Flat No. 1001, 7 Bungalows, Versova, Andheii (W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Dombay on 20-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the abresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jewel Mahal Co-op. Housing Society Ltd., Flat No. 1001, 10th floor, 7 Bungalows, Versova, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/40131/86-87 on 20-11-86.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date: 14-7-87

- (1) Mrs. Mohini M. Khiara.
 - (Transferor)
- (2) Shri Bhagwandas Vallabhdas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/41017/86-87.—Whereas I, A. BAIDYA .

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Andheri Monisha Co-op. Society Ltd., Andheri,

Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

30-206GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Andheri Monisha Co-op. Society Ltd., Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/41017,86-87 on 12-12-1986.

> A. BAIDYA Compelent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date: 14-7-87

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(1) Mr. Satish Kumar Agarwal & Mrs. Rajyashri Agarwal.

(Transferor) (2) Mr. Jatin Jayantilal Mehta & Mrs. Jaya Jayantilal

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40612/86-87.--Whereas I,

A. BAIDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, Mount, J. P. Road, Versova, Andheii (W),

Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 27-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Mount Bldg., Jayaprakash Road, Andheri, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/40612,86-87 on 27-11-86.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date: 14-7-87

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M/s. Syndicate Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shankar Ramanna Shetty, Smt. Indira Shankar Shetty, Shri Varadraj S. Shetty, Smt. Vidya S. Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/41062/86-87.—Whereas I,

Rel. No. AK.11/3/EE/41062/86-87.—Whereas I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, Syndicate Chambers, Sahar Road, Andheri (E), Bombay-69, and more fully described in the schedule appears between

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1691 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 12-2-1986 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1 of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 with basement on ground floor, Syndicate Chambers, plot bearing CTS No. 686, 686/1, 686/2, 686/3 and 686/4, Sahar Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/41062/86-87 on 12-12-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Date: 14-7-87

(1) Mr. Mahesh C. Bijlani.

(Transferor)

2) Mr. Rajnish Bhargwa.

(Transferce.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No.AR.11/37EE/41252/86-87.—Whereas I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Magnum Tower Complex, Unit No. 17, Flat No. 1, Plot No. 357, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Magnum Tower Complex, Unit No. 17, Flat No. 1, Ground floor, Plot No. 357, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/41252/86-87 on 2-1-1987.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A)
Bombay

Date: 14-7-87

FORM ITNE

(1) Mr. Datkrishna Vasudco Godbole.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs.) Shashikala Shivram Godbole. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40010,86-87.--Whereas I, A. BAIDYA ,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the (noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 22, Adarsha Mutual Co-op. Society Ltd., V. K. Krishnamenon Marg, Chakara, Andheri (E), Bombay-99 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official azette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Wing 'A', Flat No. 22, 5th floor, Adaisha Mutual Co-op. Society Ltd., V. K. Krishnamenon Marg, Chakala Andheri (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40010/86-87 17-11-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-87

- (1) Shri Bhupendra Mansukhlal Shah,
- (Transferor) (2) Mrs. Lilavati Prataprai Shah & Mrs. Harsha Ajay Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.11/37EE/40850/86-87.-Whereas. I. A. BAIDYA

A. BAIDIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-11, Ram Jharukha, S. V. Road, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed below),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-II, Ram Jharukha, S. V. Road, Andheri (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.JI/37EE/40850/86-87 on 4-12-86.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-87

FORM I.T.N.S.-

- (1) M/s Mishra Construction Co.
- (Transferor)
- (2) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR-II/37EE/40770/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
C. T. S. No. 131, Link Road. Jogeshwari(W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 28-11-86
for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 131, Survey No. 26, Hissa No. 5 to 12 Link Road, Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE, 40770/86-87 on 28-11-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II (A)
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the feller ring persons, namely :—

Date: 14-7-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

AR-II/37EE/40117/86-87.---Whereas, I, Ref. No. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 18 (part). Bhavani Nagar, Maiol Maroshi Road, Andheri(E), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 20-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Kapadia Development Co-op. Hsg. Society Ltd. Society Ltd.

(Transferor)

(2) Kanugo Constructions Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18 (part), Bhavani nagar, Marol Maroshi Road, Andheri(E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JI/37EE,40117/86-87 Bombay on 20-11-86

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II(A)
Bombay

Date: 14-7-1987

FORM ITNS-

(1) Sajjanlal Kishanlal Purohit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamanwala Housing Development Finance Co. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II(A) ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR-11/37EE/40709/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 13, Union Park Danda Village, Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the correspond to registered and the

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

on 28-11-86.

on 28-11-86. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property of Plot No. 13, situated at Union Park & bearing C.C.S. No. 1111/17 of Danda Village, Andheri Taluka,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/40709/86-87 on 28-11-86,

A. BAIDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following named: persons, namely ·--

31-206GI/87

Date: 14-7-1987

(1) Bombay Electronics Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Vikas Twisters.

(Tiansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR-II/37EE/40662/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Re. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 5, Marol Industrial Area, Mulgaon Taluka,
Andheri (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Secion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 28-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the certies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ed 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and factory premises situated at plot No. 5, Phase-II of Marol Industrial Area, Mulgaon Taluka, Andheri (E), Bomyab.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/40662/86-87 on 28-11-86.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-II (A)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-7-1987

(1) Premier Textile Mills.

(Transferor)

(2) Solar Synthetics Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR-II/37EE/40669/86-87.--Whereas, I, A. BAIDYA,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Unit No. B-55, 2nd floor, Nand Bhavan, Industrial Estate, Mahalei (was Rd. Anthori (E) Rombay 23.

Mahakali Caves Rd., Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 28-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Unit No. B-55, 2nd floor, Nand Bhavan Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Off. Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-II/37EE/40669/86-87 Authority, on 28-11-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-7-1987

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Quaser Electronics Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Unilite Industrics.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR-11/37EE/39771A/86-87.—Whereas I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of th-Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 99, Marol Co-op. Industrial Estate S. No. 50, Hissa

No. 3P, Marol, Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 99, Marol Co-op. Industrial Estate, S. No. 50, Hissa No. 3P, Marol, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II,37EE/39771A/86-87 on 7-11-86.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π (A) Bombay

Date: 14-7-1987

FORMS ITNS

(1) M/s Punjab Metals.

(Transferor)

(2) M/s Amar Plastics.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I!(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR-11/37EE/40713/85-86.—Whereas, 1, A. BAIDYA,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 103, Marol Industrial Area, Andheti, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha, been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 103, Marol Industrial Area of M.I.D.C. Revenue Village of Mulgaon and Kondivita, Taluka Andheri, Distt. Bombay Suburban.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/40713/85-86 on 28-11-86.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-7-1987

(1) Kopotra Builders.

(Transferor)

(2) Harasiddh Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 14th July 1987

Rcf. No. AR-II/37EE/40687/85-86.—Whereas, 1, A. BAIDYA,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 1193, Survey No. 34, Versova, Andheri (W). Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is recurred and survey.

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the describes for such appears consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (4) tabilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C15 No. 1193, Survey No. 34, Hissa No. 2 (part), Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been tegistered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/40687/85-86 on 28-11-86.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il (A) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perbons, namely :---

Date: 14-7-1987

(1) Virmati Vijaysinh and Others.

(Transferor)

(2) M/s. Arihant Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40142/86-87.—Whereas, 1, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 54A, H. No. 3, Andheri Kurla Road, Chakala, Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 54F, CTS No. 23 23/1 to 23/15, Andheri Kurla Road, Chakalam Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40142/86-87 on 20-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 14-7-1987

ಸ್ಕೃತ ಕರ್ನಾಡಕ್ಕ

FORM L.T.N.S.

(1) Chandrakant Liggauna Pujar.

(Transferor)

(2) J. Shir Naiphtraj Besarmal Mehta 2. Pukhraj Chunilal Bafna,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the J4th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40702/85-86.—Whereas I. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 50, Village Mogra, Andheri, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered undet section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Anthority of Rombay on 28.11.1986 Authority at Bombay on 28-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) fachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Survey No. 50, H. No. 3(pt.), S. No. 46, H. No. 9, S. No. 48, H. No. 1(pt), S. No. 48, H. No. 7 (pt.) CTS No. 185 and 185/1 to 6 Village Mogra, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40702/85-86 on 28-11-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-7-1987

(1) Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

(2) Praveen Sultan Premu

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref No. AR II/37EE/40885/85-86 - Whereas I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No 901, Excellency Bldg No 1, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay supported at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 901, 9th Floor, Excellency Bldg No 1, Plot No 75, S No 41 (part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR I/37EE/40885/85 86 on 5-12-1986

> A BAIDY & Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely --

32-206GI/87

14-7 1987 Dated Seal-:

F ORM I.T.N.S.———

(1) Y. S. Investments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) M/6. Lokhandwala Hotels & Properties.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No AR II/37EE/40186/85-86 —Whereas, 1, A. BAIDYΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1201, Quarter Deck,

J.P. Road, Versova, Andheri (W), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-86

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1201, 12th floor, Quarter Deck, JP Road, Versova, Andheii (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37FE/40186/85-86 on 20-11-1986

> A BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bomb is

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said $A \in \mathbb{N}$ in initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following wrons, namely:-

Dated: 14-7-1987

FORM ITNS----

(1) Lokhandwlala Premises Limited.

(Transferor)

(2) Dimple Kapadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40204/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rq. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1002, Excellency-B, Bldg No. 2, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

Bombay-58

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred an dthe agreement s registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 20-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested i nthe said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Flat No. 1002, 10th Floor, Excellency-B, Bldg. No. 2, Plot No. 75, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40204/85-86 on

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II(A), Bombay

Dated: 14-7-1987

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

FORM I.T.N.S.-

(1) Lokhandwala Premses Limited.

(Transferor)

(2) Mrs. Laila H. Ramodiya & Mrs. Anahita H. Ramodiya & Mst. Afshin H. Ramodiya.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.11/37EE/40886/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1001, 1st Floor, Excellency Bldg. No. 1, Four Bungalows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of theproperty as aforesaid exceeds the apparent econsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1001, 1st floor, Excellency Bldg. No. 1, Plot No. 75, S. No. 41 (part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40886/85-86 on 5-12-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-7-1987

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immow able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lokhandwala Piemises Limited.

(Transferor)

(2) Mrs. Bimaladevi Radheshyam Kataruka & Rajesh Radheshyam Kataruka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No AR II/37EE/40280/85-86.—Whereas, I, BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, Excellency Bldg. 1,

Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair muket value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said A ct, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Excellency Bldg. 1, Plot No. 75, No. 41 (pt), Four Bungalows, Versova, Audheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No AR.II/37EE/40280/85-86 on 20-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-7-1987

Scal:

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40187/85-86.--Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 1301, Quarter Deck,

J.P. Road, Versova, (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 .27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Y. S. Investments.

- (Transcror)
- (2) M/s. Lokhandwala Hotels & Properties Private Limited.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1301, Floor, Quarter Deck, Plot No. J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40187/85-86 on 20-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Dated: 14-7 1987

Seal: Seal:

FORM ITNS----

- (1) Lokhandwala Premises Limited.
- (2) Mr. Hariprasad M. Aggarwal.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II/A BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40396/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to beileve that the immovable property having in fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 402, Excellency-A (Bldg. 2) Four Bungalows,

Versova, Andheri (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Excellency-A (Bldg. 2) Plot No. 75, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova. Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40396/85 86 on 21/11/1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/A, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

Scal:

(1) Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(2) Mr. Prem Parkash Munjal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II/A **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40019/86-87.—Whereas, I. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 702, Bldg., No. 2, Excellency-B, Versova, Andheri

(W), Bombay-58. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 17/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th Floor, Bldg., No. 2, Excellency-B. Plot No. 75, S. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40019/85-86 on 17/11/1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/A, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14/7/1987

(1) Lokhandwala Premises Limited.

(2) Krishna Kumar Maheshwari & Others.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II/A BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/27EE/40354/86-87.—Whereas J, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 702, Bldg., No. 2, Excellency-A, Versova, Andheri

(W), Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorrectax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ax of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th Floor, Bldg., Excellency-A (Bldg. 2), Plot No. 75, S. No. (pt), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/40334/85-86 on 21/11/1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/A, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

33--206GI/87

Dated: 14/7/1987

(1) Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

(2) Mrs. Bilquis A. Ghaffar & Other.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II/A BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No AR II/37FE/40386/86-87 —Wheeras, I,

A. BALLYA, tening the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No 201, Excellency B (Bldg 2), Plot No. 75, S. No. 41 (pt.) Four bungalows, Versova, Andheir (W), Bombay, situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be leve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any the content assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 201, 2nd floor, Excellency-B (Bldg. 2) plot No. 75, S. No 41 (pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EF/40386 86-87 on 21/11/1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/A, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated · 14/7/1987

(1) Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

(2) Mr. Hari Prasad M. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II/A BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40331/86-87.-Wheeras, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Excellency-A, (Bldg 2), plot No. 75, S. No. 41 (pt)., Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21,11/1986 for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 31d Floor, Excellency-A (bldg. 2), Plot No. 75, S. No. 41 (pt.), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40331/85-86 on 21/11/1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 'A, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14/7/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lokhandwala Premises Limited,

(Transferor)

(2) Mr. Johar S. No. Kanchwala & Mr. Anis S. Kanch-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II/A **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.I/37EE/40250/85-86.—Whereas, I, A. BAJDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No 602-A, Excellency Bldg. No. 2, Four Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 20/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fart market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602-A, 6th floor, Excellency Bldg. No. 2, Plot No. 75. S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andhen (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.U/37EE/40250/85-86 on 20/11/1986.

> A. BAIDYA Competent Autthority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/A, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14/7/1987

FORM NO. ITNS-

(1) Lokhandwala Premises Limited.

(2) Mr. Mohinder Singh Kalra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II/A BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR. $\Pi/37EE/40030/86-87$.—Whereas, I, Λ. VAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 802, Excellency Bldg. No. 1, Four Bungalows,
Versova, Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 17/11/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 802, 8th floor, Excellency Bldg. No. 1, Plot No. 75, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwaia, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/40030/85-86 on 17/11/1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/A, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14/7/1987

PART III-SEC. 1

FORM NO. I.T.N.S. 187

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7838

(1) Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

(2) Dr. A. Ghaffar M. Doshani & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/A **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40338/86-87.--Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, Excellency-B (Bldg. No. 2), Plot No. 75, S. No. 41 (pt), Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section, 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21/11/1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the tair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) Lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, First flor, Excellency-B, (Bldg. 2), Plot No. 75, S. No. 41 (pt.), Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40338/85-86 on 21/11/1986.

A. BAIDYA. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II/A, Bombay.

Dated: 14/7/1987

FORM NO. ITNS-

(1) M/s Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meena Munjal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 14th July 1987

ACQUISITION RANGE-IIA, Bombay

Ref. No. AR.II/37EE/39929/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 802, Bldg. No. 2, Excellency-B, Plot No. 75 S. No. 41, Oshiwara, Jogeshwarim, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

ni Bombay on 13-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ...ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 802, 8th Floor, Bldg. No. 2. Excellency-B, Plot No. 75 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II,37EE/39929/85-86 on 13-11-1986.

> A BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

Scal:

FORM NO. 1.T.N.S.-

(1) M/s Lokhandwala Premises Limited.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri Vijay Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IIA, Bombay

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II '37EE/40619/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, Excellency-A, Bldg. No. 2, Plot No. 75, Oshi-wara, Andheri (West), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of this said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE &CHE

Flat No. 301, 3rd Floor, Excellency-A, Bldg. No. 2, Plot No. 75, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40619,85-86 on 27-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-7-1987

FORM NO. ITNS---

(1) M 9 Lokhandwala Premises Limited.

(2) Mrs. Kamlesh Karla.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IIA, Bombay

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40022/86-87,—Whereas, I, A. BAIDYA,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 702, Excellency Bldg. No. 1, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-11-1986

at Bombay on 17-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Excellency Bldg. No. 1, Plot No. 75, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/40022/85-86 on 17-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-34-206GI/87

Date: 14-7-1987

(1) M. s Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jujar S. Kanchwala, Ms. Farzana S. Lokhandwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA, Bombay

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40246/86-87.—Whereas, I. A. BAIDYA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, Excellency-A, Bldg. No.

2, Plot No. 75,

Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-11-1986

at Bombay on 21-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Excellency-A Bldg. No. 2, Plot No. 75, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/40246/85-86 on 21-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority · Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 14-7-1987

Scal:

FORM NO. I,T N S.-

(1) M/s Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA, Bombay

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No AR II/37EE 40554/86-87.--Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, Excellency-A, Bldg. No. 2, Plot No. 75, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-11-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a loresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, Bldg. No. 2, Excellency-A, Plot No. 75, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheii (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/40554, 85-86 on 27-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

(1) Lokhandwala Premises Limited

(Transferor)

(2) M/s Don Leasing & Financial Concultancy Pvt. Ltd (Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(Λ) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR,II/37EE/40388/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 402, Excellency Bldg. I, Plot No. 75, Four Bungo-

lows, Andheri (W) situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th Floor, Excellency, Bldg. No. 1, Plot No. 75, S. No. 41(pt), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/40388/85-86 on 21-11-86.

> Λ . BAIDY Λ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-7-1987

FORM ITNS----

(1) Lokhandwala Premises Limited.

(Transferor)

(2) Anrudh Fabrics Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II (A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.11/37EFt/40245/86-87.—Wheras, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding - Rs. 1,00,000/- and bearing

+lat No. 302, Excellency Bldg. 2, Four Bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-11-86. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immov able propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd Floor, Excellency Bldg. 2, Plot No. 75, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40425/85-86 on 20-11-86.

> Λ. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-7-1987

- (1) Kapadia Development Co. Hsg. Society Ltd. (Transferor)
- (2) Veena Estate Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EB/40149/86-87.—Whereas, 1. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Village Bapnala, Aaluka Andheri, CTS/ No. 145 (Part) Andheri (E)

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

of the Competent Authority at Bombay on 20-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servee of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 28 to 32, 36 to 39, 10 to 13, 41, 42 to 45, 46 & 47 and CTS No. 145 (part) Village Bapnala, Taluka Andheri Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EH 40149/85 86 or 20-11-86.

> A. BAIDY \ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 14-7-1987

- (1) M/s Ajit Chimanlal Shah & Others
- (Transferor)
- (2) Mr. Bhupendra Mansukhlal Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II/37EE/40033/85-86.—Whereas, I,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Fat, No. 303, Pranashish Bldg., 37, Versova Beach Road,
Ar hen (W), Bombay-61 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Pranashish Bldg., 37, Versova Beach Road, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/40033/85-86 on 17-11-86.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-7-1987

Soal :

(1) Press Metal Corporation Ltd.

(Transferor)

(2) Lemuir Air Express

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.11/37EE/40980/85-86,—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

property exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Unit No. 1-A, Unit No. 3. Makwana Road, Marol,

Andheri (E), Bombay-59 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Scction 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 11-12-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Unit-I-A, Unit No. 3, City Survey No. 780 Makwana Road, Off Andheri-Kurla Road, Marol Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40980/85-86 on 11-12-86,

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquinities of the aftersaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-7-1987

Scal :

- (1) Smt. Prabhadevi Bhargava.
- (Transferor)
- (2) Shri Dhirajlal Maganlal Mehta.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref. No. AR.II 37EE, 41038/86-87.—Whereas, 1,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improperty having a fair market value exceeding movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Duplex Bunglow, Near Manish Nagar, Four Bungalow, Andheri (W), Bombay,

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bornbay on 12-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namedy. persons, namely :-35-206G1/87

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Duplex Bunglow, Near Manish Nagar, Behind D. N. Nagar Police Station, Four Bunglow, Andheri (W), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/41038/85-86 on 12-12-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A), Bombay

Date: 14-7-1987

(1) Kopotra Builders.

- (Transferor)
- (2) Harasidh Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 14th July 1987

Ref No. AR II/37EF/40688/86-87.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vesava, Andheri (W). Bombay, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land bearing CTS No. 1188 Survey No. 35, Hissa No. 3, Vesava, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40688/86-87 on 28-11-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date . 14-7-1987